सूर्योदय 7:07 सूर्यास्त 5:26

आज का तापमान

शिमला	0.8 न्यू	19.0 अधि
धर्मशाला	4.0 न्यू	20.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	81709.12
निफ्टी	24677.80
सोना 78,870	चांदी 94,569

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

12वीं बार पारी में पांच विकेट

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | सोमवार, 16 दिसंबर 2024 | 2 पौष, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 1, अंक 360, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

लाल कृष्ण आडवाणी की सेहत में सुधार नहीं

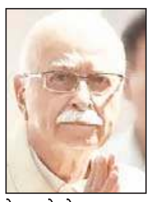

नई दिल्ली। भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी अभी भी आईसीयू में एडमिट हैं। दिल्ली के अपोलो अस्पताल के आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। आडवाणी के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हो रहा है, उन्हें ओल्ड एज से संबंधित कई बीमारी है। आडवाणी की शनिवार को तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। पिछले दो हफ्ते से आडवाणी जी की तबीयत ठीक नहीं चल रही है।

हिजाब न पहनने पर महिला सिंगर गिरफ्तार

तेहरान। ईरान में एक ऑनलाइन कॉन्सर्ट के दौरान हिजाब नहीं पहनने के आरोप में महिला सिंगर को गिरफ्तार किया है। महिला सिंगर का नाम परस्तू अहमदी है। महिला ने 11 दिसंबर को यूट्यूब पर कॉन्सर्ट का वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो में अहमदी स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गा रही थी। वीडियो अपलोड होने के बाद कोर्ट में अहमदी के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसके बाद शनिवार को अहमदी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा सहित 12 के खिलाफ केस दर्ज

झुंझुनूं। राजस्थान के पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा सहित 12 लोगों के खिलाफ जान से मारने, तोड़फोड़ करने के मामले में झुंझुनूं जिले की कोतवाली थाने में मामला दर्ज हुआ है। यह घटना छह दिसंबर की है, जिसके बाद से सियासी माहौल गरमाया हुआ है। आरोप है कि 6 दिसंबर को गुढ़ा की अगुवाई में एक बड़ भीड़ ने खनन क्षेत्र में घुसकर तोड़फोड़ की, जान से मारने की धमकी दी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

अनंत ज्ञान

अनुभवी स्टाफ चाहिए

'अनंत ज्ञान' दैनिक अखबार को हिमाचल में अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।

संपादकीय विभाग

उपमंडल स्तर पर जुझारू, ऊर्जावान और खोजी पत्रकारों की जरूरत है। डेस्क पर अनुभवी सब एडिटर चाहिए।

मार्केटिंग विभाग

मार्केटिंग रणनीति में माहिर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव चाहिए।

मोबाइल नंबर: 8894521702
ई-मेल anantgyaanadm@gmail.com

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- वीकेंड पर शिमला में उमड़ी पर्यटकों की भीड़ -पेज 2
- एनआईटी में स्टाफ-स्टूडेंट अनुपात में नए पद सृजित होने में देरी -पेज 3
- बोहरका में बिना पेयजल लोग बेहाल -पेज 4
- 2026 से पहले छत्तीसगढ़ से पूरी तरह खत्म होगा नक्सलवाद: शाह -पेज 13
- ला लिगा : रीयाल मैड्रिड को रेयो वैलेकैनो ने बराबरी पर रोका -पेज 14

लोहारघाट बनेगी उपतहसील नालागढ़ को करोड़ों की सौगात

मुख्यमंत्री बोले- 2027 तक आत्मनिर्भर और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनेगा हिमाचल

अनंत ज्ञान टीम, सोलन/बद्दी

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को सोलन जिले के अर्की विधानसभा क्षेत्र की दूरदराज क्यार कनैता पंचायत के लोहारघाट में जनसभा को संबोधित करते हुए लोहारघाट में उपतहसील खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क सुविधा मुहैया करवाना प्रदेश सरकार का लक्ष्य है।

सुक्खू ने कहा कि 2027 तक हिमाचल आत्मनिर्भर बनेगा और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य होगा। सड़क, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में अधोसंरचनात्मक एवं अन्य सुधार किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार की ओर से सभी स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। आगामी तीन साल में प्रदेश में विद्यालय भवनों के निर्माण पर 600 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। वहीं, सीएम सुक्खू ने सोलन जिले के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 31 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास किए। मुख्यमंत्री ने मित्तियां, बेहली, खल्लर व आसपास के क्षेत्रों के लिए 7.24 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित पेयजल योजना का उद्घाटन किया। नालागढ़ के लिए 5.22 करोड़ की लागत से निर्मित सात ट्यूबवेल व नालागढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में 4.82 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल स्कीमों की उन्नयन परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। 5.77 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले कोटला कलां पुल, 4.44 करोड़ की लागत से रेतार खड्ड पुल व 3.51 करोड़ के भटौली खड्ड पुल सहित तीन पुलों की आधारशिला रखी। सुक्खू ने जिला रेडक्रॉस सोसायटी को दान की गई दो एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने दानियों के योगदान के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया और इस नेक कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया।

सोलन जिले के लोहारघाट में जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू व अन्य नेता।

किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान

सीएम ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के उत्पाद विक्रय करने के लिए किसान अपना पंजीकरण करवाएं। प्रदेश सरकार ने दूध के खरीद मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि की है। दूध उत्पादकों के लाभ के लिए दत्तनगर में 50 हजार लीटर क्षमता का नया दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया है। प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं।

शहीद हवलदार राम रतन की पत्नी निर्मला देवी को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर क्षेत्र के शहीद हवलदार राम रतन की पत्नी निर्मला देवी को भी सम्मानित किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल मार्गदर्शन एवं संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ईबारत लिख रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम से लोगों को उनके घर-द्वार पर समस्याओं का समाधान मिल रहा है। उन्होंने संवेदनशील नेतृत्व प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की।

महाराष्ट्र में 33 कैबिनेट 6 राज्य मंत्रियों ने ली शपथ

फडणवीस सरकार में 2 डिप्टी सीएम समेत 42 मंत्री

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में रविवार को देवेंद्र फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। नए मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। सबसे पहले राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद मंच पर विधायकों के आने का सिलसिला शुरू हुआ। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने दिलाई शपथ

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 23वें दिन रविवार को नागपुर में मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। फडणवीस सरकार में 33 कैबिनेट और 6 राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। सीएम और 2 डिप्टी सीएम समेत यह संख्या 42 हो गई। कैबिनेट में कुल 43 मंत्री शपथ ले सकते हैं। एक सीट खाली रखी गई है। फडणवीस सरकार में 19 भाजपा, 11 शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और 9 एनसीपी (अजित पवार गुट) कोटे से मंत्री शामिल किए गए हैं। इनमें 4 महिलाएं (3 भाजपा, 1 एनसीपी) और 1 मुस्लिम (एनसीपी चेहरे को जगह मिली है। कैबिनेट में सबसे युवा मंत्री एनसीपी की अदिति तटकरे (36) और सबसे उम्रदराज मंत्री भाजपा के गणेश नाइक (74) साल हैं। भाजपा के पंकज भोयर (पीएचडी) सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे मंत्री हैं। शिवसेना के भारत गोगावले सबसे कम पढ़े-लिखे (8वीं पास) मंत्री हैं। कैबिनेट में 30-40 साल के 2, 40-50 साल के 12, 50-60 साल के 12 और 60 साल से ज्यादा उम्र के 13 मंत्री शामिल किए गए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी मौजूद थे, जिन्होंने पांच दिसंबर को मुंबई में शपथ ली थी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : 'आप' ने जारी की 38 उम्मीदवारों की अंतिम सूची

केजरीवाल नई दिल्ली, आतिशी कालकाजी से लड़ेंगी चुनाव

एजेंसी, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए चौथी और आखिरी लिस्ट जारी कर दी है। इसमें 38 नाम हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से चुनाव लड़ेंगे। सीएम आतिशी को कालकाजी से उम्मीदवार बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश, सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे।

दिल्ली में फरवरी में चुनाव होने की उम्मीद है। इस सूची के मुताबिक पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे और मुख्यमंत्री आतिशी एक बार फिर कालकाजी से चुनाव मैदान में होंगी। 'आप' ने अपने वरिष्ठ नेताओं को उनके ही निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार बनाया है। मंत्री सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, इमरान हुसैन, रघुविंदर शौकीन और मुकेश कुमार अहलावत क्रमशः ग्रेटर कैलाश, बाबरपुर, बल्लीमारान, नांगलोई जाट और सुल्तानपुर माजरा से चुनाव लड़ेंगे। आप ने 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीट पर जीत हासिल कर राजधानी की राजनीति में अपना दबदबा कायम रखा था। इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं। 4 विधायकों की सीट बदली गई है।

अनशन तोड़ने को तैयार नहीं डल्लेवाल

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और गृह मंत्रालय के डायरेक्टर ने की मुलाकात, मांगों की लिस्ट ली

एजेंसी, चंडीगढ़

हरियाणा-पंजाब की सीमा पर खनौरी और शंभू बॉर्डर पर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। खनौरी बॉर्डर पर पिछले 20 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल अनशन तोड़ने को तैयार नहीं हैं। वहीं, शंभू बॉर्डर पर किसान दिल्ली कूच की तीन बार कोशिश कर चुके हैं, लेकिन हरियाणा पुलिस उन्हें आगे बढ़ने से रोक रही है।

खनौरी बॉर्डर पर रविवार को जगजीत सिंह डल्लेवाल से मिलने के लिए पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और गृह मंत्रालय के डायरेक्टर मयंक मिश्रा पहुंचे थे। उन्होंने डल्लेवाल से बातचीत की और हाल जाना। वहीं, किसानों की मांगों की सूची ली है और हम सर्वोच्च न्यायलय के आदेशों का पालन कर रहे हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान का संदेश डल्लेवाल तक पहुंचाया है। सीएम को उनकी चिंता हो रही है और डल्लेवाल का जीवन कीमती है।

देश में आपातकाल जैसी स्थिति : फोगाट

पहलवान व कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने रविवार को खनौरी बॉर्डर पर पहुंचकर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि डल्लेवाल दूसरों के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। मैं पंजाब, हरियाणा और पूरे देश के लोगों से इस विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने का आग्रह करती हूं। देश में आपातकाल जैसी स्थिति है। सरकार को इसका समाधान निकालना होगा। प्रधानमंत्री मोदी बड़े-बड़े भाषण देते हैं, लेकिन अब भाषण देने के अलावा भी कुछ करना होगा।

संसद में आज पेश नहीं होगा वन नेशन, वन इलेक्शन बिल

एजेंसी, नई दिल्ली

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल लोकसभा में सोमवार यानी 16 दिसंबर को पेश नहीं किया जाएगा। इससे जुड़े दोनों बिलों को लोकसभा की रिवाइज्ड लिस्ट से हटा दिया है।

लोकसभा की रिवाइज्ड लिस्ट से हटाया

इससे पहले 13 दिसंबर के कैलेंडर में कहा गया था कि सोमवार को बिल लोकसभा में रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, अब फाइनेंशियल बिजनेस के पूरा होने के बाद बिल सदन में पेश किया जाएगा। हालांकि, सरकार बिल को आखिरी समय में भी लोकसभा स्पीकर की परमिशन के बाद सप्लीमेंट्री लिस्टिंग के जरिए सदन में पेश कर सकती है। कैबिनेट ने 12 दिसंबर को बिल की मंजूरी दी थी। लोकसभा में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा हुई थी। अब तक प्रधानमंत्री मोदी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और राजनाथ सिंह इस पर बोल चुके हैं। 16 और 17 दिसंबर को अब राज्यसभा में संविधान पर चर्चा होगी। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था, जो 20 दिसंबर को खत्म होगा।

आनी के रूमहाली में आग लगने से दो मकान राख

अनंत ज्ञान, आनी

कुल्लू जिले के आनी खंड रूमहाली गांव में आग लगने से दो घर जलकर राख हो गए। यह अग्निकांड शनिवार रात करीब 1 बजे हुआ। आग लगने का पता चलते ही लोगों ने इस घटना की सूचना पुलिस आनी और फायर स्टेशन आनी को दी। फायर की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक सब स्वाह हो गया था।

इस अग्निकांड में मोतू राम और परम लाल का संयुक्त 6 कमरों का दो मंजिला मकान, दो रसोईघर, निचली मंजिल में बांधी गाय और भेड़ समेत घर का सारा कीमती सामान, नकदी सहित सब जलकर राख गया।

मवेशी भी जिंदा जले

वहीं, रामानंद के दो मंजिला मकान के 6 कमरे, दो रसोईघर और सड़क के साथ मकान में बनी किराना दुकान में रखा राशन, सामान, नकदी जल गई। मोतू राम, उसके बेटे सुरेंद्र, बहू मीरा देवी, 3 वर्षीय पोता हर्षित, मोतू राम का दिव्यांग भाई परम लाल को खिड़की तोड़ कर निकाला गया, जबकि चचेरा भाई रामानंद, उसका बेटा दलीप सिंह, बहू रक्षा और 3 माह का पोता बाल-बाल बच गए।

प्रभावितों को 15 15 हजार रुपए की फौरी राहत जारी

कार्यकारी एसडीएम एवं तहसीलदार आनी बीएस नेगी ने बताया कि प्रभावित दो परिवारों को 15-15 हजार रुपए राहत राशि, कंबल, तिरपाल और बर्तन आदि प्रदान कर दिए गए हैं। लफाली पंचायत की प्रधान ममता ने बताया कि जल्द ही सभी औपचारिकताओं को पूरा कर प्रभावित परिवारों को नए मकान बनाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

सुजानपुर में दो मंजिला मकान में लगी आग

सुजानपुर। सुजानपुर की खनोली पंचायत के टौरू गांव में रविवार शाम को दो मंजिला मकान में आग लग गई। इस अग्निकांड में एक मंजिल जलकर राख हो गई। खनोली पंचायत के पूर्व प्रधान सुभाष चंद ने बताया कि मकान मालिक मोतीलाल पुत्र संतराम (70) घटना के समय में बकरियां चराने घर से बाहर जंगल गया था। पड़ोसियों ने शाम 4 बजे घर से धुआं निकलते देखा तो शोर मचाया। घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित की आर्थिक मदद किए जाने की मांग की है।

मौसम बिलासपुर, मंडी और हमीरपुर जिले में रात का पारा माइनस में, 20 दिसंबर तक साफ रहेगा मौसम

हिमाचल में बढ़ा ठंड का प्रकोप, जमने लगा पानी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल में कई जिलों में तापमान माइनस में चल रहा है। ठंड बढ़ने से अब पानी भी जमने लगा है। सड़कों में कोहरा जम रहा है, जिससे ठंड बढ़ गई है। ठंड का प्रकोप बढ़ने से लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए हैं। राज्य में दिन के समय धूप खिल रही है और रात को माइनस पारे से कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

मैदानी इलाकों में भी तापमान माइनस में

राजधानी शिमला में शनिवार रात का तापमान प्रदेश में सबसे ज्यादा रिकॉर्ड हुआ है। वहीं, बिलासपुर, मंडी और हमीरपुर जिले में रात का पारा माइनस में चल रहा है। रविवार को प्रदेशभर में मौसम साफ रहा। कांगड़ा, सोलन, ऊना, बिलासपुर और हमीरपुर में पारा 23 डिग्री से अधिक रहा। 20 दिसंबर तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ बना रहने का पूर्वानुमान है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में और ज्यादा कमी दर्ज होगी। इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मैदानी इलाकों में भी पारा शून्य के नीचे चला गया है। पहाड़ों के साथ साथ मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। 8 दिसंबर को हुई हल्की बर्फबारी के बाद से प्रदेशभर में मौसम साफ बना हुआ है।

दिन में धूप खिलने से लोगों को मिल रही काफी राहत

दिन में अच्छी धूप निकलने के कारण ठंड से लोगों को राहत मिल रही है। वहीं, बारिश-बर्फबारी न होने से किसान-बागवान परेशान हैं। इस बार लंबे ड्राई स्पेल देखने को मिले हैं। बीते मानसून में भी प्रदेश में एक जून से 30 सितंबर के बीच 600.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। जून में सामान्य से 54 फीसदी कम, जुलाई में 29 प्रतिशत और अगस्त में 5 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सितंबर में सामान्य में 4 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। मानसून में इस बार शिमला में 14 प्रतिशत और बिलासपुर में 2 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। वहीं, एक अक्तूबर से 14 दिसंबर तक प्रदेश में सामान्य से 96 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

रिज मैदान में खिली धूप के बीच घूमने का आनंद लेते पर्यटक

बांग्लादेश में हिंदू मंदिर में हमला करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में जांच एजेंसियों ने हिंदू मंदिरों और घरों पर हमले के आरोप में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर उत्तरी जिले सुनामगंज में एक मंदिर और हिंदुओं के घरों व दुकानों में तोड़फोड़ करने का आरोप था। पुलिस ने इस मामले में 12 नामजद और 170 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सुनामगंज जिले में 3 दिसंबर को एक फेसबुक पोस्ट के बाद इलाके में तनाव फैल गया था। हालांकि, विवाद के बाद पोस्ट को डिलीट कर दिया था, लेकिन स्क्रीनशॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। इसके बाद क्षेत्र में हिंसा फैल गई थी। सुनामगंज के लोकनाथ मंदिर और हिंदुओं के घरों में तोड़-फोड़ की थी।

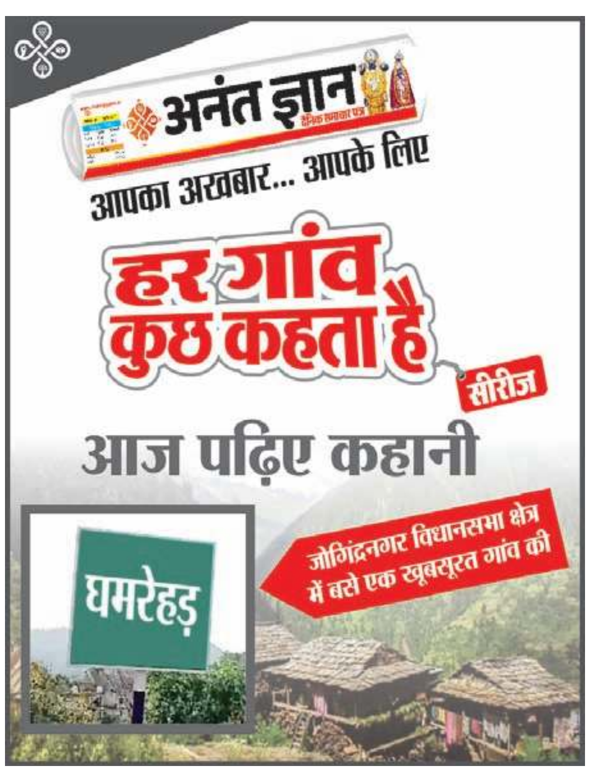

न्यूज ब्रीफ

सीमा कालेज में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

दशमी रावत, रोहड़ू। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीमा के एनएसएस इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर व एनएसएस राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. गोपाल शर्मा मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ललिता रावत, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. उमेश नारटा व डॉ. सुरेंद्र सिंह कुल्ला ने मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया। इस विशेष शिविर में 103 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. उमेश नर्ता ने मुख्य अतिथि का औपचारिक स्वागत करते हुए उन्हें मंच पर आमंत्रित किया। मुख्य अतिथि डॉ. गोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अपने अनुभव साझा किए।

महिलाएं सामाजिक व आर्थिक तौर पर शोषण की शिकार

अनंत ज्ञान, शिमला। कामकाजी महिलाओं की समन्वय समिति संबंधित सीटू का प्रथम शिमला जिला अधिवेशन किसान मजदूर भवन चितकारा पार्क कैथू शिमला में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में निशा देवी को संयोजक, राजमिला को सह संयोजक, हिमी देवी, सरीना, भूमि, शांति देवी, निशा, मंजुलता, शीला कायथ, विद्या, सुरेंद्रा, बंदना, उमा, सुनीता, सुशीला, विद्या गाजटा, रूपा, सुलक्षणा, शान्ता, संगीता, मन्जू, आशा, रीना, पिंकी व शीतल को कमेटी सदस्य चुना गया। अधिवेशन में सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा, उपाध्यक्ष जगत राम, जिला महासचिव अजय दुलटा, कोषाध्यक्ष बालक राम आदि महिलाओं ने भाग लिया। अधिवेशन का उद्घाटन सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने किया। अधिवेशन को जगत राम, अजय दुलटा व बालक राम ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में महिलाएं तिहरे शोषण की शिकार हैं। वे आर्थिक शोषण की शिकार होती हैं। महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न का भी शिकार बनना पड़ता है।

एचपीयू की टीम ने फुटबॉल में पहला मैच जीता

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्विद्यालय की फुटबॉल टीम ने जीएनए यूनिवर्सिटी फगवाड़ा में चल रही अंतर विश्विद्यालय प्रतियोगिता में अपना पहला मैच एसएस अल्मोड़ा यूनिवर्सिटी से 1-0 से जीत लिया है। टीम के लिए एक मात्र गोल आदित्य सिंधी ने किया। टीम का अगला मैच कल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी पटियाला के साथ होगा। टीम कोच और मैनेजर डॉ. गौरव भारद्वाज और टीम मैनेजर हरीश शर्मा ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए अगले मैच में टीम के लिए हौंसले बुलंद होने की बात कही है।

अलीशा अख्तर ने पैरासेलिंग में बनाया रिकॉर्ड

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। उपायुक्त बिलासपुर आबिद हुसैन सादिक के प्रयासों से गोबिंदसागर झील में आजकल पैरासेलिंग गतिविधियां पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हैं। रविवार को डीएवी स्कूल बिलासपुर की तृतीय कक्षा की छात्रा अलीशा अख्तर ने पैरासेलिंग का रिकॉर्ड बनाया। पैरासेलिंग टीम के सदस्य ने बताया कि मंडी भराड़ी फोरलेन पुल से लेकर बागछाल पुल तक बिलासपुर के डियारा सेक्टर निवासी 8 वर्षीय अलीशा अख्तर ने 5 मिनट 12 सेकंड पैरासेलिंग कर के अंडर-9 छात्रा ने पैरासेलिंग करके रिकॉर्ड बनाया। गौरतलब है कि अलीशा अख्तर हिमाचल वॉटर स्पोर्ट्स के राज्य महासचिव इशान अख्तर की पुत्री है। इस मौके पर गोबिंदसागर एडवेंचर एंड वॉटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सराज अख्तर एवं संस्थापक सदस्य निर्मला राजपूत एवं अंतरराष्ट्रीय राफ्टिंग खिलाड़ी दीक्षा ठाकुर इत्यादि विशेष रूप से मौजूद रहे।

डीएवी स्कूल बिलासपुर ने मनाया समारोह

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। डीएवी स्कूल बिलासपुर में वार्षिक पारितोषिक समारोह का पहला दिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनकी अकादमिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथि डीसी आबिद हुसैन सादिक के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। प्रिंसिपल मोनिका वात्स्यायन ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में एडिशनल डिप्टी कमिश्नर बिलासपुर डॉ. निधि पटेल ने शिरकत की। कार्यक्रम के अंत में, विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर अभिभावकों और शिक्षकों की उपस्थिति ने समारोह को और भी गरिमामय बना दिया।

कैडेट्स ने मनाया राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

अनंत ज्ञान ब्यूरो बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के एनसीसी आर्मी विंग के 50 कैडेट्स ने बिलासपुर शहर में मनाया राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस। महाविद्यालय एन सी सी आर्मी विंग के सीनियर अंडर ऑफिसर अंशुल शर्मा, अंडर ऑफिसर कोमल भवानी और सीपीएल चंदन कौंडल ने सभी कैडेट्स को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के बारे में जानकारी दी। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर पी एस कटवाल ने एन सी सी कैडेट्स को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की शुभकामनाएं दी तथा उनका मार्गदर्शन किया। इस सारी गतिविधि को सीनियर अंडर ऑफिसर अंशुल शर्मा और अंडर ऑफिसर कोमल भवानी के नेतृत्व में अंजाम दिया गया।

दो युवकों से 3.62 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं थाना क्षेत्र के अंतर्गत ब्लोह टोल प्लाजा के समीप बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने 2 युवकों को 3.62 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। युवकों की पहचान ब्रह्मजोत (27) निवासी गांव व डाकघर भोजपुर, तहसील सुंदरनगर जिला मंडी और प्रमोद कुमार निवासी गांव व डाकघर जड़ोल, तहसील सुंदरनगर व जिला मंडी के रूप में हुई है। आरोपी युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत घुमारवीं थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है, ताकि इस मामले से जुड़े और लोगों या नैटवर्क का खुलासा हो सके।

वीकेंड पर शिमला में उमड़ी पर्यटकों की भीड़

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

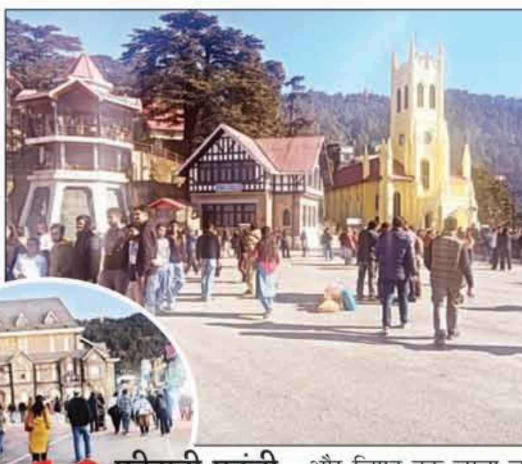

60 फीसदी पहुंची होटलों में ऑक्यूपेंसी

राजधानी शिमला में वीकेंड पर पर्यटकों की काफी भीड़ उमड़ी। पर्यटकों शिमला के रिज मैदान सहित कुफरी में घूमने का आनंद उठा रहे। इस वीकेंड पर शिमला के होटलों में 60 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी बढ़ी है। शिमला विदेशी पर्यटको को भी खूब पसंद आ रहा है। ऐसे में कारोबारी के चेहरे भी खिल गए है। कारोबारी की खूब कमाई हो रही है। नारकंडा की ओर भी पर पर्यटक बर्फ देखने की चाह में जा रहे है। वहीं शिमला में अंग्रेज़ों के ज़माने के भवनो को देखने के लिए भी पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है।

शहर में पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों ने ली राहत की सांस ली है। इंग्लैंड, जर्मनी, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, स्विज़रलेंड, कनाडा, फ्रांस के सैलानी शिमला पहुंच रहे है। वहीं क्रिसमस, न्यू ईयर के लिए भी एडवांस बुकिंग बढ़ी है। विंटर सीज़न अच्छा जाने की उम्मीद है। इसके अलावा पर्यटको की आमद बढ़ने से शहर में जाम की समस्या भी बढ़ी है। बाईपास से कार्ट रोड और लिफ्ट तक लम्बा जाम लग रहा है। यहां गाड़िया आराम आराम से सकती नजर आ रही है।

माल रोड को जाने वाली लिफ्ट पर भी पर्यटकों की लंबी लाइन देखने को मिल रही है। कारोबारियों का कहना है कि अगर आने वाले दिनों में जल्द बर्फ गिरती है तो पर्यटकों की आवाजाही में ओर ज्यादा इजाफा होगा।

पीरियड आधार पर गेस्ट टीचर रखना न्यायसंगत नहीं : कपिल

सपना सूद, चौपाल/नेरवा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिला सिरमौर इकाई के अध्यक्ष कपिल मोहन ठाकुर, जिला महामंत्री दीपक त्रिपाठी, ज़िला संगठन मंत्री श्यामलाल भटनागर, प्रान्त उपाध्यक्ष विजय कंवर, ऋषिपाल शर्मा आदि पदाधिकारियों ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था का मूलभूत ढांचा ही चरमरा गया है। जिस गुरु को हमारा समाज सर्वोच्च सम्मान देता है, क्या उसकी हैसियत शिक्षण व्यवस्था में एक गेस्ट की ही रह गई है।

हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग में सरकार ने पहले ही एसएमसी, कंप्यूटर टीचर, वोकेशनल, आउटसोर्स और न जाने कितने ही वर्गों में अध्यापकों को विभाजित किया गया है। जो अपने भविष्य की राह देख रहे हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर कभी भी इस तरह की नियुक्तियों के पक्षधर नहीं रहे हैं, लेकिन गेस्ट टीचर पॉलिसी पर निर्णय क्यों लिया गया यह सोचने वाला विषय है। वहीं कहा कि पीरियड आधार पर गेस्ट टीचर रखना न्यायसंगत नहीं ।

विभाग की तरफ से दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाए साहित्यकार : डॉ .पंकज

अनंत ज्ञान, शिमला

किताब का विमोचन करते हुए गणमान्य।

हिमालय साहित्य संस्कृति एवं पर्यावरण मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. विजय लक्ष्मी नेगी के सद्य प्रकाशित कविता संग्रह गांव पूछता है का लोकार्पण डॉ. पंकज ललित निदेशक भाषा कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा गेयटी थियेटर शिमला के सम्मेलन कक्ष में किया गया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि लेखन गहरी और व्यापक है जो आसान भाषा में पाठकों तक पहुंचती है जो कवित्री की लेखन चेतना और समग्रता को दर्शाती है।

उन्होंने विभाग के माध्यम से कला और साहित्य के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ साहित्यकार अवश्य उठाएं। साहित्यकार किसी वरिष्ठ साहित्यकारों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम जोड़ना चाहिए ऐसे सुविधा भी उपलब्ध की है। किताबघर के माध्यम से हिमाचल के लेखक और हिमाचल पर लिखी गई है पुस्तक को किताब घर में सुविधा दी है । कोई भी फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों अपनी रचनाओं के प्रदर्शन गैलरी की उपलब्धता के आधार पर दी जा रही है। विभाग द्वारा सीमित साधनों के माध्यम से कला संस्कृति और भाषा की अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

युवा आलोचक प्रशांत रमन रवि ने संग्रह पर बोलते हुए कहा की विजय लक्ष्मी नेगी के काव्य संग्रह की कविताएं जीवन की प्रामाणिकता से निकली कविताएं है जो आम आदमी के हृदय को छूती हैं। मंच संचालन करते हुए डॉ. सत्य नारायण स्नेही, कवि एवं आलोचक ने कहा कि किसी भी संग्रह को हम अनेक नजरों से देखे तो ही संग्रह की सार्थकता है। कार्यक्रम मैं साहित्यकार और शिक्षाविदों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

शिमला के संकट मोचन के पास दो कारों में जोरदार भिड़ंत, चालक घायल

अनंत ज्ञान, शिमला

राजधानी शिमला के संकटमोचन मंदिर के पास दो कारों के बीच टक्कर होने का मामला सामने आया है। टक्कर इतनी जोरदार हुई कि कार सड़क पर पलट गई और उसके चालक को गंभीर चोटें आई है। बताया जा रहा है कि हादसा ओवर स्पीड के कारण हुआ।

हादसा उस समय हुआ जब शिमला की एक टैक्सी और दिल्ली नंबर की एक कार तेज गति से आ रही थी। जानकारी अनुसार टैक्सी चालक अपनी गाड़ी से अचानक रास्ता बदलने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच दिल्ली नंबर की कार ने टैक्सी को टक्कर मारी, जिससे टैक्सी सड़क पर पलट गई। इस टक्कर में टैक्सी चालक बुरी तरह से घायल हो गया, जिसे आईजीएमसी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं दिल्ली नंबर की गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि गाड़ी में सवार लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

टक्कर के बाद यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। इस घटना के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। बालूगंज पुलिस ने इस हादसे को लेकर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

नारायण सिंह वर्मा बने राजस्व संघ के अध्यक्ष

शिमला। हिमाचल प्रदेश राजस्व संघ के चुनाव कामक्षा पैलेस में संपन्न हुए। इस चुनाव की अध्यक्षता वेद प्रकाश अग्निहोत्री एवं मित्र देव, सेवानिवृत्त राजस्व अधिकारी ने की। निवर्तमान अध्यक्ष जयगोपाल शर्मा ने संघ की कार्यकारिणी को भंग करते हुए चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत की। इस दौरान अध्यक्ष नारायण सिंह वर्मा तहसीलदार जुंगा शिमला को चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास कोंडल नायब तहसीलदार पधर, महासचिव विपिन वर्मा तहसीलदार अर्की जिला सोलन, संघ ने पैट्रन नारायण चौहान, वेद प्रकाश अग्निहोत्री, जयगोपाल, सलाहकार अनिल मनकोटिया जिला राजस्व अधिकारी एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी मुख्यमंत्री और सुमेध शर्मा तहसीलदार को चुना गया।

कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों ने आरक्षण के विरोध में लिखी कई चिट्ठियां : कश्यप

अनंत ज्ञान, शिमला

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर जिनके प्रति आज सम्मान का भाव सब अनुभव कर रहे है और हम लोगों के लिए तो वह बहुत विशेष है, क्योंकि हम लोगों के लिए तो जीवन में बहुत बड़ी जो कुछ भी रास्ते मिले वहीं से मिले। हमारे देश में बाबा साहेब आंबेडकर एक दीर्घ दृष्टा थे समाज के दबे कुचले लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध थे और एक लंबे सोच के साथ भारत को अगर विकसित होना है तो भारत का कोई अंग दुर्बल नहीं रहना चाहिए यह चिंता बाबा साहब को सताती थी और तब जाकर के हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था बनी लेकिन वोट बैंक की राजनीति में खपे हुए लोगों ने डूबे हुए लोगों ने धर्म के आधार पर तुष्टीकरण के नाम पर आरक्षण के अंदर कुछ न कुछ नुक्स निकलने का प्रयास किया और इसका सबसे बड़ा नुकसान एससी एसटी और ओबीसी समाज को हुआ है।

आरक्षण के विरोध में लंबी लंबी चिट्ठियां स्वयं नेहरू जी ने लिखी है, मुख्यमंत्रियों को लिखी है इतना ही नहीं सदन में आरक्षण के खिलाफ लंबे लंबे भाषण इन लोगों ने दिए। जब कांग्रेस को देश ने हटाया तब जाकर के ओबीसी को आरक्षण मिला तब तक ओबीसी को आरक्षण नहीं मिला।

हिमाचल के सभी पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरे

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के आदेशों की अनुपालना करते हुए डीजीपी ने कहा कि प्रदेश के सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। अदालत में दायर हलफनामे में कहा गया है कि प्रदेश में जिला स्तरीय निरीक्षण समिति (डीएलओसी) और राज्य स्तरीय निरीक्षण सीमित (एसएलओसी) का गठन किया गया है। जो पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरे की लोकेशन और रखरखाव का कार्य करेगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश सत्येन वैद्य की खंडपीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की जजमेंट परमवीर सिंह बनाम बलजीत सिंह में निर्देशों का पालन किया जाए।

हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा बालक नाथ मंदिर शाहतलाई में टेका माथा

बाबा बालक नाथ मंदिर शाहतलाई में माथा टेकने के लिए लाइनों में खड़े श्रद्धालु।

अनंत ज्ञान, झंडूता

झंडूता उपमंडल के शाहतलाई क्षेत्र में स्थित उत्तर भारत के प्रसिद्ध तीर्थस्थल बाबा बालक नाथ मंदिर शाहतलाई में रविवार को भारी संख्या में श्रद्धालू देश प्रदेश से माथा टेकने पहुंचे। शाहतलाई में स्थित गरूणा झाड़ी और माता रत्नो लस्सी रोटी मंदिर में करीब 10,000 श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचे। सुबह पांच बजे से ही भीड़ मंदिर में दर्शन करने पहुंची।

बता दें विवाह शादीयों के बाद लोग बाबा बालक नाथ के दर्शन करते हैं। बाबा बालक नाथ मंदिर शाहतलाई में लोग दूर से अपने कुल देवता बाबा बालकनाथ मंदिर शाहतलाई दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। मंदिर न्यास के पदाधिकारी प्रेम शर्मा ने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए पूरे इंतजाम किए गए हैं।

मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए लंगर की व्यवस्था की गई है। जगह-जगह सफाई कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, ताकि मंदिर परिसर में किसी भी तरह की गंदगी ना फैले। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग मंदिर में 10,000 श्रद्धालुओं ने माथा टेका। मंदिर परिसर में जगह जगह सार्वजनिक शौचालय बनाए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की कोई दिक्कत न हो।

धराड़सानी स्कूल में बनेगा नया क्लासरूम

जीतराम कटवाल ने विधायक निधि से अढ़ाई लाख रुपए किए मंजूर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल को समस्याएं बताते विभिन्न स्थानों से आए लोग।

झंडूता विधानसभा क्षेत्र के तहत मिडल स्कूल धराड़सानी में बच्चों को कमरे की कमी की समस्या से जल्द निजात मिलेगी। कमरे के निर्माण के लिए झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल आगे आए हैं। रविवार को बीडीसी सदस्य कांता देवी की अगुवाई में प्रेम सिंह, जीवन सिंह व रामपाल आदि ने रोपड़ी गांव में विधायक के आवास पर पहुंचकर उन्हें धराड़सानी मिडल स्कूल में कमरे की कमी की वजह से हो रही समस्या से अवगत करवाने के साथ ही क्षेत्र से संबंधित कुछ अन्य मांगें भी उनके समक्ष रखीं। इस पर जीतराम कटवाल ने स्कूल में कमरे के निर्माण के लिए मौके पर ही अपनी निधि से अढ़ाई लाख रुपए मंजूर कर दिए। उन्होंने अन्य समस्याओं का समाधान भी प्राथमिकता के आधार पर करने का आश्वासन दिया।

दोपहर के समय भूमिहीन एवं आवासहीन कल्याण सभा कुल्लू के उपाध्यक्ष आत्माराम की अगुवाई में सचिव सुरेश, प्रेस सचिव चेतराम कौंडल तथा लियाकत अली, किशन चंद, शांता देवी व जागर सिंह आदि ने भी जीतराम कटवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने विधायक से प्रदेश के भूमिहीन और आवासहीन परिवारों की जायज मांग जोरदार ढंग से उठाने का आग्रह किया। उनकी समस्या जानने के बाद जीतराम कटवाल ने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान हर व्यक्ति की बुनियादी जरूरत है। उन्होंने पिछली बार भी विधानसभा सत्र के दौरान जरूरतमंद भूमिहीन व आवासहीन परिवारों को जमीन मुहैया करवाने की पैरवी की थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाने के साथ जरूरतमंद परिवारों के लिए आवास व राशन जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करने में कोई कमी नहीं छोड़ रही है, जबकि दूसरी ओर परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली कांग्रेस अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए केवल तुष्टिकरण की राजनीति करने में व्यस्त है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी मांगें पूरी करवाने में वह कोई कसर नहीं रखेंगे। इस मुद्दे को विधानसभा में फिर से प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

दोपहर बाद के समय जीतराम कटवाल ने बिलासपुर के एम्स में उपचाराधीन जेजवीं पंचायत के बल्ही मरेटा, झंडूता के मुकड़ाना, सलवाड़, कोट, सुन्हाणी, मरेटा व गेहड़वीं आदि गांवों के अजय, विचित्र सिंह व अशोक समेत अन्य लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने मरीजों के परिजनों से भी बात की। उन्होंने कहा कि यदि मरीजों के इलाज में किसी भी तरह की समस्या आ रही हो तो वे उन्हें अवगत करवाएं। उनकी हर समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

सूरत-ए-हाल गंदगी की वजह से लोगों का घरों से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

कोसरिया में घरों के बाहर लगे कूड़े के ढेर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर शहर के वार्ड नंबर 6 कोसरिया में इन दिनों गंदगी का आलम है। यहां पर लोगों के घरों के बाहर कूड़े के ढेर पड़े हुए हैं। कूड़ा उठाने वाले भी इन कूड़े को नहीं उठा रहे है। जिससे यहां पर गंदी बदबू और गंदगी का आलम मचा हुआ है। स्थानीय लोगों ने गोपाल, सोनू, पूजा, संदीप, सिद्धार्थ, सौरव व अन्य लोगों का कहना है कि यहां पर कूड़ा उठाने की योजना भी कुछ खास काम करती नजर नहीं आ रही है। यहां पर सप्ताह में दो से तीन बार ही कूड़ा उठाने के लिए कर्मचारी पहुंचते हैं। लोगों का कहना है कि अब हालात ऐसे हो गए हैं कि उनके घरों के बाहर कूड़े के ढेर लगना भी शुरू हो गए हैं। वहीं कुछ स्थानों पर तो लोग ही कूड़े को साफ करने में लग गए हैं।

बिलासपुर शहर के वार्ड नंबर 6 कोसरिया में घरों के बाहर लगे कूड़े के ढेर।

नगर परिषद बिलासपुर एक तरफ शहर को साफ-सुथरा रखने के बड़े-बड़े दावे पेश करती है, लेकिन जब धरातल की रिपोर्ट देखते हैं तो कुछ और ही नजर आता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि काफी समय से यहां पर गंदगी का आलम है और यहां पर बीमारियां फैलने का भी खतरा पैदा हो गया है। आपको बता दें कि बिलासपुर कॉलेज के साथ ऊपर वाले

डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले भी तीन दिन से नहीं उठा रहे कूड़ा

स्थान पर भी काफी गंदगी है। यहां पर प्रत्येक समय कूड़े के ढेर देखे जा सकते है। लोगों ने नगर परिषद बिलासपुर से मांग की है कि यहां पर प्रतिदिन कूड़ा उठाने के लिए विधिवत रूप से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि यहां पर लोगों के घरों से निकला कूड़ा-कचरा समय-समय पर उठाया जाए और यहां के क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाया जा सके।

उधर, इस संदर्भ में जब नगर परिषद के अध्यक्ष कमल गौतम से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उनके ध्यान में मामला नहीं है। अगर यहां पर कूड़ा उठाने के लिए कर्मचारी नहीं पहुंच रहे हैं तो उनको सख्त आदेश जारी किए जाएंगे। शहर को साफ सुथरा बनाने के लिए नगर परिषद बिलासपुर कार्यरत है।

हिमुडा निदेशक जितेंद्र ने खरकोटी पालंगरी में सुनीं लोगों की समस्याएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हिमुडा निदेशक एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जितेंद्र चंदेल ने सदर विधानसभा क्षेत्र के तहत पड़ने वाली बंदला पंचायत की खरकोटी पालंगरी का दौरा किया तथा लोगों की समस्याएं सुनी। संबंधित पालंगरी के कृष्ण कुमार ने बताया कि यह हरिजन बस्ती है तथा यहां पर करीब 15 परिवार रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस गांव को आज दिन तक सड़क सुविधा नहीं मिल पाई है। इतना ही नहीं गांव में सप्ताह में एक ही दिन पानी आता है। इस कारण लोगों को भारी समस्याओं से जूझना पड़ता है तथा गांव में बिजली वोल्टेज के कारण बच्चों को रात में पढ़ाई करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि यदि गांव में कोई बीमार हो जाए। तो संबंधित व्यक्ति को चारपाई पर सड़क तक पहुंचाना पड़ता है। उन्होंने क्षेत्र की तीनों समस्याओं को हल करवाने की मांग की। इस पर जितेंद्र चंदेल ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सड़क के लिए मुख्यमंत्री से बात की जाएगी तथा इसके लिए पैसे का प्रावधान करवाया जाएगा। जबकि बिजली की समस्या को हल करने के लिए उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता से फोन पर बात की। जिस पर अधीक्षण अभियंता ने कहा कि वह अधीनस्थ कर्मचारियों को मौके पर भेजकर इसका पता लगवाएंगे और समस्या के समाधान के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। वहीं, पानी की समस्या को हल करने के लिए अधिशासी अभियंता से बात की गई। जिस पर अधिशासी अभियंता ने सोमवार से पानी की नियमित आपूर्ति करवाने का आश्वासन दिया। जितेंद्र चंदेल ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। सरकार द्वारा आगामी बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने लोगों को प्रदेश सरकार की नीतियों से अवगत करवाया तथा संबंधित योजनाओं का लाभ उठाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मुद्दाविहीन हो चुकी भाजपा झूठे आरोप लगाकर प्रदेश सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। बिलासपुर में आयोजि जश्न में उमड़े जनसैलाब से भाजपा नेता सदमे में हैं।

तपोवन के शीतकालीन सत्र में कड़ी सुरक्षा और 'हलचल' पर नजर रखेगा कंट्रोल रूम

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

राष्ट्रीय तथा वैश्विक चर्चा में आना देश विरोधी तत्वों का मिशन रहा है। हालांकि कथित धमकियों के बीच धर्मशाला में कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई। वहीं अतीत की घटनाओं को देखते हुए अब पुलिस ने शीतकालीन सत्र के लिए कड़ी सुरक्षा का प्लान बनाया है।

आसमान से ड्रोन समेत क्षेत्र में जगह जगह लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज पर कंट्रोल रूम की 24 घंटे नजर रहेगी। इसके लिए कैमरा चेक भी किए जा चुके हैं। वहीं ड्रोन का ट्रायल भी किया गया है। प्रवासियों, आगंतुकों से लेकर शहर के आवासीय तथा कार्यालयीय भवनों तक पर पुलिस की नजर रहेगी। इस प्लान में सैकड़ों पुलिस जवानों के अलावा गुप्तचर एजेंसियों के दर्जनों जवान शामिल होंगे। क्षेत्र में रह रहे प्रवासियों की संख्या समेत सरकारी भवनों पर भी पुलिस की खास नजर होगी।

विधानसभा के शीतकालीन तपोवन सत्र में अतीत की घटनाएं यहां पुलिस समेत पूरे खुफिया तंत्र को चौकस रहने की नसीहत देती है। बताते चलें कि पर्यटन, साहसिक पर्यटन तथा अब सुंदर क्रिकेट स्टेडियम के दम पर धर्मशाला की पहचान यूनिवर्सल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में बनी है। जी-20 जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक सम्मेलन तथा विश्व कप मुकाबलों के बाद पहाड़ी प्रदेश की ये दूसरी राजधानी पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभरी है। पुलिस के 1200 जवान इस दौरान सत्र के दौरान लॉ एंड ऑर्डर को संभालेंगे। (अनंत ज्ञान)

तपोवन

1200 जवान, खुफिया तंत्र ड्रोन तथा सीसीटीवी कैमरे से सुरक्षा चाक-चौबंद

तपोवन के शीतकालीन सत्र के दौरान कड़ी सुरक्षा के अलावा शहर की किसी भी असामाजिक हरकत पर पुलिस की नजर है। कड़े सुरक्षा प्लान के चलते ड्रोन तथा सीसीटीवी कैमरा सिस्टम की सेवाएं भी ली जाएंगी। धर्मशाला में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होगी।
-वीर बहादुर, एएसपी कांगड़ा

प्रशासन के ये अधिकारी संभालेंगे व्यवस्था

उपायुक्त कार्यालय के संयुक्त भवन समेत शहर में लॉ एंड ऑर्डर का जिम्मा एडीसी विनय कुमार के पास

सर्किट हाऊस की व्यवस्था तथा बुकिंग के लिए एसी टू डीसी सुभाष गौतम के जिम्मे रहेगी।

विधानसभा परिसर की लॉ एंड ऑर्डर समेत जिम्मेदारी एसडीएम धर्मशाला संजीव कुमार भोट के पास रहेगी।

सिद्धबाड़ी के पंचायत घर स्थित पुलिस कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी तहसीलदार धर्मशाला गिरिराज ठाकुर के पास रहेगी।

तपोवन स्थित विधानसभा परिसर के बाहर से शहर की व्यवस्था की जिम्मेदारी तहसीलदार रिकवरी राकेश कुमार के पास रहेगी।

दो बार लिखे गए खालिस्तानी नारे

7 मई, 2022 में विधानसभा की दीवारों तो 2023 में क्रिकेट के महाकुंभ विश्व कप के मुकाबलों से ठीक पहले 3 सितंबर को धर्मशाला के एक सरकारी भवन की दीवार पर खालिस्तानी नारे लिखे गए। यहां बताते चलें कि धर्मशाला का सुंदर क्रिकेट स्टेडियम भले ही इस शहर की ख्याति का असल ब्रांड एंबेसडर बन गया हो, लेकिन इसके अलावा अतीत में भी अविभाजित भारत में धर्मशाला, लाहौर के बाद शिक्षा का दूसरा हब रहा है। जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय तथा महत्वपूर्ण आयोजनों की मेजबानी ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस शहर की ओर खींचा है। असामाजिक तत्व एक बार फिर कोई कारनामा न कर पाएं, इसके लिए पुलिस की गुप्तचर विंग इलाके की रेकी कर रही है।

पुलिस प्रवासियों को लेकर हुई चौकस

इससे पहले जिला कांगड़ा पुलिस प्रवासियों के पंजीकरण की भी मुहिम शुरू कर रखी है। जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक पुलिस थानों मे करीब 9000 प्रवासी मजदूरों को पंजीकृत किया है। पड़ोसी देश नेपाल से 153 प्रवासी मजदूर भी पंजीकृत किए गए हैं। प्रवासियों के पुलिस चरित्र सत्यापन हेतु संबंधित पुलिस थानों तथाराज्यों से पत्राचार किया गया है, जिनमें से कुछ का चरित्र सत्यापन इनके संबंधित राज्यों तथा थानों से होकर आ गया है व इनमें से नए पंजीकृत हुए प्रवासी मजदूरों का पुलिस चरित्र सत्यापन होकर आना अभी शेष है। कोई स्थानीय व्यक्ति रोजगार हेतु बाहरी राज्य से जिला कांगड़ा में आए व्यक्ति को मकान तथा कमरा किराए पर देता है तो उस व्यक्ति को संबंधित पुलिस थाना मे पंजीकृत करना मकान मालिक की जिम्मेदारी होगी। बिना पुलिस पंजीकरण मामलों में पुलिस कड़ी कारवाई की बात कह रही है।

ट्यूशन पढ़कर लौट रही लड़की को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

थाना बड़सर के अंतर्गत गांव हार की एक लड़की के ब्यान पर मामला पंजीकृत हुआ है। शिकायतकर्ता के अनुसार वह 14 दिसंबर को अपनी छोटी बहन के साथ ट्यूशन पढ़ने के बाद करीब शाम 5.30 बजे घर वापस पैदल सड़क के किनारे से आ रही थी, तो बुम्बलु की तरफ से एक ऑरेंज रंग की कार तेज स्पीड से आई और शिकायतकर्ता की छोटी बहन को टक्कर मार दी।

जिससे वह बेहोश हो गई, जिसको उसी गाड़ी का ड्राइवर अपनी गाड़ी में इलाज के लिए अस्पताल ले गया। बड़सर थाना प्रभारी प्रवीण राणा ने बताया कि मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

गश्त के दौरान दो व्यक्तियों से 9.83 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। सदर थाना हमीरपुर के तहत पुलिस की टीम ने गश्त के दौरान राना निवासी गांव गाजी-सलार डा.खा रजला तहसील समाना जिला पटियाला (पंजाब) तथा विनामार बैंस निवासी मकान सं0 111 शिवालिक एवेन्यू नंगल फर्टिलाइजर फैक्टरी वजदीक बीटीसी रूपनगर (पंजाब) के कब्जा से 9.83 ग्रांम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई। पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार करके एनड़ीपीएस अधिनियम की धाराओं के अधीन थाना सदर हमीरपुर में मामला दर्ज कर लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

अपने सामाजिक दायित्वों को निभाते हुए 'अनंत ज्ञान' ने हिमाचल के विभिन्न गांवों के ऊपर 'हर गांव कुछ कहता है' नाम से एक सीरीज शुरू की है। सीरीज के तहत पाठकों को हिमाचल के गांवों की खूबियों से रू-ब-रू करवाया जाता है। इसमें गांवों की कई रोचक और प्रेरक जानकारियों से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने का प्रयास रहता है।

पाठक भी अपने गांव के ऐसे रोचक प्रसंग/जानकारीपरक सामग्री अपने नाम और फोटोग्राफ्स के साथ हमें भेज सकते हैं। कृपया सामग्री ई-मेल (editoranantgyaan@gmail.com) अथवा व्हाट्सऐप नं. 8894521702 पर भेजें। सामग्री से संबंधित अगर आपसे कोई संपर्क करना हो तो अपना मोबाइल नं. भी अवश्य भेजें।

धरोहर और स्वावलंबी जीवनशैली घमरेहड़ की पहचान

गांव की महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों से दिया स्वरोजगार को बढ़ावा

अभिषेक शर्मा
जोगिंद्रनगर

'हर गांव कुछ कहता है की इस कड़ी में आज हम बात करेंगे मंडी जिले के जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र की दारट बंगला पंचायत के घमरेहड़ गांव की, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सुंदरता और स्वावलंबी जीवनशैली के लिए जाना जाता है। यहां के निवासी मुख्यत: खेती-बाड़ी, स्वरोजगार और सरकारी नौकरियों से अपनी आजीविका कमाते हैं। पंचायत क्षेत्र में बहने वाली रणा खड्ड इस गांव की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान है।

जनसंख्या और महिला सशक्तिकरण

दारट बंगला पंचायत में कुल 683 लोग निवास करते हैं, जिनमें 337 पुरुष और 348 महिलाएं शामिल हैं। पंचायत प्रधान जगदीश सोनी ने बताया कि यहां महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा दिया है। ये समूह स्थानीय उत्पाद तैयार कर बाजारों में बेचते हैं, जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलती है।

महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं

जगदीश सोनी
प्रधान

प्रधान जगदीश सोनी का कहना है कि पंचायत ने ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। यहां की महिलाएं अपनी मेहनत और आत्मनिर्भरता से परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। पंचायत में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने के लिए प्रयास जारी हैं, उन्होंने कहा कि दारट बंगला पंचायत अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं के साथ ग्रामीण विकास का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करती है।

महिलाओं की भूमिका और विकास की पहल

दारट बंगला पंचायत की महिलाएं खेती और घरेलू कार्यों के साथ-साथ स्वरोजगार में भी अग्रणी हैं। स्वयं सहायता समूह द्वारा हस्तनिर्मित उत्पाद, जैसे हाथ की बुनाई के कपड़े, मसाले और जैविक उत्पाद, बाजार में लोकप्रिय हो रहे हैं।

रणा खड्ड : ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा

रणा खड्ड, जो इस क्षेत्र की जीवनरेखा है, न केवल सिंचाई के लिए जल प्रदान करती है, बल्कि यहां की पौराणिक कहानियों और मंदिर से भी जुड़ी हुई है। ग्रामीणों का मानना है कि रणा खड्ड का पानी देवी जालपा के आशीर्वाद से समृद्धि और शांति लाता है।

जालपा माता मंदिर और रणा खड्ड का ऐतिहासिक महत्व

पंचायत में स्थित जालपा माता का मंदिर स्थानीय आस्था का प्रमुख केंद्र है। यह मंदिर जोगिंद्रनगर के अंतिम शासक राजा जोगिंदर सेन के समय से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि राजा प्राकृतिक आपदाओं से अपने राज्य को बचाने के लिए चिंतित रहते थे। खासतौर पर रणा खड्ड में आने वाली बाढ़ के कारण भूमि कटाव और फसलों की बर्बादी से लोग परेशान थे। राजा को एक रात स्वप्न में देवी जालपा के दर्शन हुए। देवी ने राजा को अपनी पूजा-अर्चना और मंदिर निर्माण का संदेश दिया। इसके बाद राजा ने देवी के निर्देशानुसार मंदिर का निर्माण करवाया। तब से जालपा माता को संकटमोचक और गांव की रक्षक देवी के रूप में पूजा जाता है। जालपा माता मंदिर और रणा खड्ड के संरक्षण के साथ-साथ स्वरोजगार की दिशा में हो रहे प्रयास इसे एक आदर्श पंचायत के रूप में स्थापित करते हैं।

गांव में पीने के पानी की समस्या

गांव के लोगों का कहना है कि उन्हें पीने के साफ पानी की समस्या रहती है। इस वजह से लोग कई बार बीमार पड़ जाते हैं। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क में पड़े गड्ढे आने जाने वाले राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। लोगों को अपने गंतव्यों तक पहुंचना कठिन हो जाता है और समय भी काफी लग जाता है।

उपमुख्यमंत्री अग्निहोत्री ने उद्योगपति एवं जीस्केलर कंपनी के सीईओ से की मुलाकात

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विश्व विख्यात उद्योगपति एवं जीस्केलर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जय चौधरी से चंडीगढ़ में भेंट की। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि जय चौधरी ऊना जिला के पनोह गांव से संबंध रखते हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और परिश्रम से विश्व पटल पर राज्य का नाम रोशन किया है जो राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। उपमुख्यमंत्री ने जय चौधरी को हिमाचल विशेषकर ऊना आने का न्योता दिया।

जय चौधरी ने उपमुख्यमंत्री के निमंत्रण को विनम्रतापूर्वक स्वीकारते हुए कहा कि वे राज्य के विकास में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने साइबर अपराध की रोकथाम, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह इन क्षेत्रों में कार्य करने के लिए रूपरेखा तैयार करने के लिए जल्द ही हिमाचल का दौरा करने की योजना बना रहे हैं। इस अवसर पर ट्रिपल आईटी ऊना के अध्यक्ष रवि शर्मा, निदेशक मनीष गौड़ व उपमुख्यमंत्री के ओएसडी विक्रांत ठाकुर भी उपस्थित रहे।

एनआईटी में स्टाफ-स्टूडेंट अनुपात में नए पद सृजित होने में देरी

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

हमीरपुर में स्थित सूबे के एकमात्र राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में स्टूडेंट-स्टाफ के अनुपात के हिसाब से नए पदों को सृजित करने के मामला हिचकोले खा रहा है।

इसलिए कई महीनों से इससे संबंधित फाइल मानव संसाधन मंत्रालय में पेंडिंग चल रही है। दरअसल इस संस्थान में मौजूदा व्यवस्था के मुताबिक तकरीबन 40 फीसदी उन पदों में बढ़ोतरी होनी है, जिनमें टीचिंग, तकनीकी और नॉन टीचिंग स्टाफ शामिल है।

अब क्योंकि यह स्टाफ संस्थान के माहौल और यहां के सिस्टम में गुणवत्ता लाने के लिए बेहद जरूरी है। इसीलिए इस तरह के श्रेणी के तकरीबन 100 से ज्यादा नए स्टाफ की भर्ती होनी है। (अनंत ज्ञान)

10 साल पहले के अनुपात में स्टाफ

लगभग 10 साल पहले 2013-14 के स्टूडेंट-स्टाफ के अनुपात के हिसाब से इस संस्थान में पद भरे गए थे। उसके बाद नए माहौल में जब स्टूडेंट की संख्या तकरीबन साढ़े चार हजार के पार हो गई है। टीचिंग नॉन टीचिंग और तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती भी तो लाजिमी है।

4 महीने पहले भेजी थी नई प्रपोजल

सूत्रों के मुताबिक संस्थान को नए पदों के सुरक्षित करने की प्रपोज काफी समय पहले भेजी जानी चाहिए थी, लेकिन 4 महीने पहले जिस प्रपोजल को बीओजी की स्वीकृति के बाद मंत्रालय को भेजा गया था, उस पर अभी तक आखिरी फैसला नहीं हुआ है। इससे संबंधित फाइल कहां पेंडिंग है?

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

संस्थान में लिटिगेशन क्यों बढ़ रही?

इस संस्थान में लिटिगेशन को लेकर अंदरूनी कलह जिस स्तर पर जा चुकी है। उसी के कारण संस्थान की भीतरी व्यवस्था खोखली हो रही है। प्रमोशन चैनल टीचर्स का फिलहाल स्टॉप हो गया है। 12 साल से प्रोफेसर बनने की राह देखने वालों की आंखें पथरा गई हैं। क्योंकि मामला कोर्ट में है। उसमें भी हालात ऐसे नहीं लग रहे कि संस्थान के भीतर 'सब्जेक्ट टू कंडीशन' संबंधित लोगों से मिल बैठकर कोई हल निकाला जाए।

इस्तीफे की चर्चा के बीच अलग सा माहौल

रजिस्ट्रार के इस्तीफे की चर्चा के बीच में इस संस्थान में अलग सा माहौल है खड़ा हो गया है। फिर से रजिस्ट्रार के पद पर विराजमान होने के लिए सुगबुगाहट अपने-अपने हिसाब से संबंधित लोगों ने शुरू कर दी है। क्योंकि वर्तमान रजिस्ट्रार डॉ अर्चना ननोटी ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि उसे अभी स्वीकार नहीं किया गया है।

बैठक के मिनट्स दो-तीन दिन में आएंगे

संस्थान के डायरेक्टर डॉ हीरालाल सूर्यवंशी का कहना है कि बीओजी की बैठक के मिनट्स दो-तीन दिन में आ जाएंगे। कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। संस्थान के हित में कई फसलों को अमलीजामा पहनाने की इंतजार है।

विजय दिवस — 1971 भारत-पाक युद्ध में आज ही के दिन भारतीय रणबांकुरों ने लिखी थी वीरता की कथा

भारत ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बनाया बांग्लादेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

राजस्थान के बाड़मेर बॉर्डर पर तैनात कैप्टन जगदीश वर्मा सेवानिवृत्त, जो सन् 1971 में भारत-पाक युद्ध के साक्षी रहे हैं उन्होंने दैनिक 'अनंत ज्ञान' के संवाददाता से बात करते हुए बताया कि इस युद्ध में भारत की बहुत बड़ी जीत हुई थी, लेकिन टेबल पर जीती हुई बाजी भारत हार गया था, क्योंकि भारत ने शिमला समझौता के तहत 93, 000 पाकिस्तानी सैनिकों को ही वापस नहीं किया बल्कि 15000 स्क्वायर किलोमीटर पश्चिमी पाकिस्तान का भाग भारतीय सेना के कब्जे में था उसे भी वापस कर दिया और बदले में जुल्कालिकर भुट्टो से कुछ भी नहीं मांगा। उसमें पाक अधिकृत कश्मीर को खाली करवाने का सुनहरा अवसर था, उसे भी खो दिया तथा कश्मीर की समस्या बिना हल किए रह गई जो आज तक चली आ रही है।

दो टुकड़ों में बट गया था पाकिस्तान: 53 वर्ष पहले 16 दिसंबर, 1971 के दिन भारतीय सेना ने विश्व में एक ऐसा कारनामा कर दिखाया था इसकी मिसाल आज तक ढूंढते भी नहीं मिलती है। बिना उकसावे के पाकिस्तान ने भारत पर जो हमला किया, उसकी क्या दुर्गति हुई कि पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने देखना पड़े थे। भारत पर आक्रमण करने के मात्र 12 दिन बाद भारतीय रणबांकुरों के पराक्रम के आगे पाकिस्तान सेना के 93000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

पाकिस्तान सेना का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट जनरल एके नियाजी ने भारतीय सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर अपनी शर्मनाक हार को कबूल किया था। उस समय जनरल सैम मानेकशॉ भारतीय सेना के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ थे।

जब पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान ने दमन चक्कर चलाया तो लोग घर छोड़ भागने लगे सीमा पार कर करीब 10 लाख लोग भारत में शरणार्थी बनकर आ गए। हालत खराब होते देख इंदिरा गांधी ने सेना को हर प्रकार की स्थिति के लिए तैयार रहने के लिए कहा और विश्व बिरादरी से भी पाकिस्तान को युद्ध रोकने के लिए बात उठानी शुरू की। तत्कालीन भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल सैम मानेकशॉ की मौजूदगी में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी कसैनजर के साथ हुई बैठक में इंदिरा गांधी ने साफ-साफ कहा कि पूर्वी पाकिस्तान से हो रहे हैं पलायन के कारण भारत की शांति भंग हो रही है इसके चलते वह अब पाकिस्तान का यह अंदरूनी मसाला नहीं रहा है और अमेरिका पाकिस्तान को रोके।

फाइल फोटो

अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारत को पाकिस्तान पर मजबूर होकर सैनिक कार्रवाई के लिए आगे बढ़ना पड़ेगा, लेकिन इसके बाद भी अमेरिका ने कुछ नहीं किया और पाकिस्तान को समर्थन जारी रखा तो इंदिरा गांधी ने कूटनीतिक चाल खेलते हुए 9 अगस्त 1971 को सोवियत संघ के साथ ऐसा समझौता किया जिसके तहत हमले की स्थिति में दोनों देश एक-दूसरे का साथ देंगे।

जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध रोकने की प्रयास असफल रहे तथा भारत में आए लोगों को वापस घर लौट जाने के लिए सभी प्रयास किए गए, लेकिन पाकिस्तान नहीं माना अंतत: 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के विमान ने भारत के 13 प्रसिद्ध छवनियों के हवाई अड्डों पर बमबारी शुरू कर दी।

पाकिस्तान ही इस हरकत के बाद भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आधी रात को ऑल इंडिया रेडियो के जरिए पूरे देश को संबोधित करते हुए पाकिस्तानी हमले के बारे में देश को जनता को बताया और भारतीय फौज को ढाका की तरफ कुछ करने का हुक्म दे दिया।

मात्र 4000 सैनिकों के साथ ढाका फतेह

इस युद्ध में कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा भारतीय सेना के कमांडर थे। जगजीत सिंह अरोड़ा के साहस व युद्ध कौशल ने पाकिस्तान की सेना को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया। ढाका में पाकिस्तान के करीब 30,000 तथा जगजीत सिंह के पास ढाका से बाहर करीब 4000 सैनिक ही थे। जगजीत सिंह ढाका में पाकिस्तान के सेना नायक लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी से मिलने पहुंचे और उस पर समय ऐसा मनोवैज्ञानिक दबाव डाला की नियाजी को आत्म समर्पण के लिए मजबूर कर दिया। इसके उपरांत युद्ध सामग्री के अभाव के चलते 16 दिसंबर 1971 शाम 4:31 बजे ढाका के रामना रेस कोर्स ग्राउंड में लेफ्टिनेंट जनरल ए ए के नियाजी ने अपने 93000 सैनिकों के साथ जनरल अरोड़ा के समक्ष हथियार डालकर सिलेंडर कर दिया था। इसके साथ ही युद्ध समाप्ति की घोषणा कर दी गई और बांग्लादेश का उदय हो गया।

सरकार पटली, ला रही गेस्ट टीचर पॉलिसी: जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के लोगों को बार-बार भरोसा देने के बाद भी सरकार पलट गई और गेस्ट टीचर पॉलिसी के तहत शिक्षकों की भर्ती करने का नियम लेकर आई है। गेस्ट टीचर पॉलिसी के तहत शिक्षक छात्रों को घंटे के हिसाब से पढ़ाएंगे।

यह बात पहले भी सामने आई थी जिसका प्रदेश के युवाओं ने पुरजोर विरोध किया था, जिसके बाद सरकार द्वारा इस पॉलिसी को वापस लेने की घोषणा की गई थी।

इसके बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के युवाओं को आश्वस्त भी किया था कि सरकारी ऐसी कोई पॉलिसी नहीं लाएगी जो युवाओं के साथ किसी प्रकार का धोका हो।

सरकार की नाकामी के ही कारण प्रदेश में इस सत्र में अभिभावक सरकारी स्कूलों से किनारा कर रहे हैं। यह सरकार की नाकामी है क्योंकि सरकार की प्राथमिकता में प्रदेशवासियों की शिक्षा है ही नहीं। इसीलिए सुक्खू सरकार ने पांच सौ से ज्यादा स्कूल बंद कर दिए। जयराम ठाकुर ने कहा कि विधान सभा के चुनाव प्रचार से लेकर सरकार बनने के बाद सरकार के नुमाइंदों ने प्रदेश के युवाओं को कहा कि उन्हें ठुंजा साल वाली, पेंशन वाली, पक्की नौकरी दी जाएगी।

इसलिए प्रदेश के युवाओं को परेशान होने की आवश्यकता नहीं हैं। हम पर भरोसा रखें। युवाओं ने भरोसा दिया तो बदले में उन्हें सरकार की तरफ से क्या मिला? चुनाव के समय कांग्रेस ने बढ़-चढ़कर वादे किए। हर साल एक लाख नौकरी देने की गारंटी के बाद भी सरकार युवाओं को घंटे के हिसाब से नौकरी देने का प्लान बना रही है।

सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं, छात्रों और अभिभावकों को भरोसा देने के बाद भी इस तरह के कदम उठाना निंदनीय हैं। झूठ बोलकर सरकार चलाना और युवाओं को भरोसे में रखकर उनका भरोसा तोड़ना पाप है।

न्यूज ब्रीफ

130 लोगों ने करवाई मुफ्त स्वास्थ्य जांच

अजीत वर्मा, जयसिंहपुर। ब्लॉक थुरल जिला कांगड़ा में रविवार को हंस फाउंडेशन की मोबाइल मेडिकल यूनिट-1 द्वारा निशुल्क नाक, कान, गला तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ निदान स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें गांव थुरल के 130 लोगों को निशुल्क उपचार व नाक, कान, गला, स्त्री रोग संबंधी जांच प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध करवाई गई। गांववासियों ने शिविर में उत्साह पूर्ण भाग लिया। द हंस फाउंडेशन की टीम द्वारा निशुल्क दवाइयां वह निशुल्क टेस्ट भी किए गए। शिविर के दौरान द हंस फाउंडेशन के संपूर्ण स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस शिविर के दौरान जनरल ओपीडी में मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा अधिकारियों द्वारा लाभार्थी के स्वास्थ्य की जांच की गई। सभी गांववासी, आंगनवाड़ी वर्कर वह विलेज लेवल हेल्थ वर्कर द्वारा द हंस फाउंडेशन के शिविर को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया गया साथ ही साथ कार्यक्रम के उद्देश्य के संबंध में लोगों से बातचीत की गई। (अनंत ज्ञान)

150 लोगों ने आंखों की फ्री जांच करवाई

अनंत ज्ञान, पंचरुखी। डॉ. शैलेंद्र मनहास द्वारा उनके पड़दादा स्व. सूबेदार सुदामा सिंह एवं माता स्व. प्रोमिला मिन्हास की पुण्य स्मृति में दशहरा समिति टिक्कर द्वारा दशहरा ग्राउंड कपाड़ा में आंखों की जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 150 लोगों की आखों की निशुल्क जांच की गई। जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयां एवं चश्मे प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, सफेद मोतियाबिंद से ग्रस्त 10 मरीजों को ऑपरेशन हेतु जोनल अस्पताल, धर्मशाला बुलाया गया। यह शिविर स्थानीय समाज के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ और लोगों ने इसे अत्यधिक सराहा।

एक को मानो, एक को जानो, एक हो जाओ

अनंत ज्ञान, गगल। संत निरंकारी भवन घुरकड़ी में रविवार को साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें महात्मा सरुप ने सद्गुरु माता सुदीक्षा के विचारों से विचार मिलाकर अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा करते हुए एक को मानो, एक को जानो, एक हो जाओ का संदेश दिया। इस निरंकार के आगे सब नतमस्तक हैं क्योंकि निरंकार हर पदार्थ में विराजमान है। इसलिए सद्गुरु ही एक गुरु है, जो सभी को अच्छाई का रास्ता दिखाता है। गुरु के बिना इंसान का जीवन अधूरा है, क्योंकि गुरु ही इंसान को सद्बुद्धि दे सकता है। जो गुरु से जुड़ गया, समझो उसका जीवन खुशियों से भर गया। जिसने गुरु की महिमा को पहचान लिया, वह इंसान कभी भी अपनी जिंदगी से भटकता नहीं, उसकी जिंदगी में खुशियां ही खुशियां होती हैं। महात्मा ने सत्संग पर पांच प्रणों का भी जिक्र किया। इस अवसर पर साद संगत ने सत्संग सुनकर ज्ञान की डुबकी लगाई।

बोहरका में बिना पेयजल लोग बेहाल

गांव में लगा हैंडपंप कई महीनों से खराब, विभागीय अधिकारी भी नहीं ले रहे सुध

अनिल छांगू, जवाली

जल शक्ति उपमंडल कोटला के तहत पड़ती पंचायत भाली के गांव बोहरका में बिना पेयजल के लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। ग्रामीण प्रताप सिंह, अशोक कुमार, विक्रम, गुलशन, बीना, रेणु, नीमो, बिमला, छन्नो देवी, सपना देवी ने बताया कि एक तो भाली में पहले से ही पानी की किल्लत है यहां नलों में पानी नहीं आता है, वहीं जो एक पेयजल का स्रोत हैंडपंप था, वह भी कई महीनों से खराब है।

इसको लेकर कई बार लोग जल शक्ति विभाग के जेई, एसडीओ व एक्सईएन को अवगत करवा चुके हैं, लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी ने इस हैंडपंप को ठीक करने की कोई कोशिश नहीं की। उन्होंने बताया कि लोगों की सुविधा के लिए अधिकारी नियुक्त हैं। अगर लोगों को पेयजल की सुविधा नहीं मिल रही है तो उन अधिकारियों का आम जनमानस को कोई फायदा नहीं जो लोगों की समस्याओं को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। उन्होंने बताया कि बिना पेयजल जीवन यापन करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने विभाग को चेताया है कि अगर जल्द से जल्द हैंडपंप को दुरुस्त नहीं करवाया तो विभाग के दफ्तर जाकर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी। गांव के लोगों ने जल शक्ति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री, स्थानीय मंत्री व विधायक चंद्र कुमार से अपील की है कि जल्द से जल्द पानी की सुविधा मुहैया करवाई जाए। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं विभाग के एसडीओ

ग्रामीणों की इस समस्या के बारे में जब जल शक्ति विभाग के एसडीओ विजय नाग से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मीडिया के माध्यम से मामला ध्यान में आया है। जेई को मौका पर निरीक्षण करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

एक देश, एक चुनाव विधेयक का सभी करें समर्थन: मनजीत

पंचरुखी। एक देश, एक चुनाव अभियान मंच हिमाचल प्रदेश ने केंद्र सरकार के द्वारा कैबिनेट बैठक में एक देश, एक चुनाव विधेयक को मंजूरी देने के पश्चात 16 दिसंबर को लोकसभा में एक देश एक चुनाव से संबंधित दो विधेयक पेश करने का निर्णय लिया है। इनका स्वागत करते हुए एक देश एक चुनाव अभियान मंच हिमाचल प्रदेश के प्रवक्ता मनजीत डोगरा ने कहा कि सारे देश में एक साथ चुनाव हो यह समय की जरूरत है। बार-बार चुनाव के कारण देश का अपार धन खर्च होता है साथ ही विकास के कार्य भी बार-बार बाधित होते हैं, जिसके कारण देश के विकास की गति धीमी पड़ जाती है। एक देश एक चुनाव अभियान मंच की स्थापना वर्ष 2014 में हुई थी तथा तब से ही मंच देश में एक साथ चुनाव करवाने को लेकर के जनजागरण चल रहा था। अब लगभग 10 वर्षों के पश्चात मंच की मेहनत रंग लाई है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष रमेश भाऊ ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव हो यह एक महान तथा पवित्र कार्य है क्योंकि इससे राष्ट्र की प्रगति का विषय जुड़ा हुआ है। अतः तमाम राजनीतिक दलों से अनुरोध करते हुए रमेश भाऊ ने कहा कि विरोध के लिए विरोध की राजनीति को छोड़कर इस राष्ट्रभक्ति के कार्य में संसद में एकजुटता दिखाते हुए विधेयक का समर्थन करें।

भारद्वाज मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल अरला में टीएमटी टेस्ट सुविधा शुरू

अनंत ज्ञान, अरला

भारद्वाज मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल अरला ने हृदय रोगियों के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए टीएमटी (ट्रेडमिल टेस्ट) की शुरुआत कर दी है। अब कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा इकोकार्डियोग्राफी के बाद मरीजों को इस टेस्ट की सुविधा अस्पताल में ही उपलब्ध करवाई जाएगी। इसकी घोषणा करते हुए अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रेम भारद्वाज (एमडी मेडिसिन) ने कहा कि हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हृदय रोगियों को बेहतरीन और सटीक जांच सुविधाएं एक ही स्थान पर मिलें, जिससे उनका समय और संसाधन दोनों बचें। अस्पताल ने 6 दिसंबर से ईसीएचएस मरीजों के लिए आउटडोर और इनडोर सेवाएं शुरू कर दी हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्डधारकों को सभी प्रकार की मेडिकल और सर्जिकल सेवाएं मुफ्त में दी जा रही हैं। डॉ. प्रेम भारद्वाज ने कहा कि यह पहल ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के मरीजों के लिए अत्यधिक लाभकारी होगी। उन्होंने कहा, 'हमारा अस्पताल हमेशा से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। टीएमटी और इकोकार्डियोग्राफी की सुविधा विशेष रूप से उन मरीजों के लिए फायदेमंद होगी जिन्हें हृदय रोग की गहन जांच की आवश्यकता है।' भारद्वाज मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल की यह पहल, क्षेत्र के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

22 से 28 जनवरी तक मनाया जाएगा व्यास उत्सव-2025

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। व्यास उत्सव मेला-2025 के आयोजन को लेकर रविवार को व्यास उत्सव आयोजन समिति की बैठक दुर्गा माता मंदिर रोड़ा सेक्टर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के निदेशक विनोद शर्मा ने की। बैठक में 22 जनवरी से 28 जनवरी 2025 को व्यास उत्सव मेला मनाए जाने की सहमति बनी। बैठक में समिति के निदेशक विनोद शर्मा अध्यक्ष कमलेंद्र कश्यप, कोषाध्यक्ष राजकुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश कपूर, संजय शर्मा, राम लाल, अरुण चंदेल, आशीष सोहड़, क्रांति कुमार, प्रवेश राणा व प्रवक्ता कर्ण चंदेल उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरावर स्टेडियम में 18 दिसंबर को गरजेगी भाजपा

भाजपा नेताओं ने सुधीर शर्मा के घर जन आक्रोश रैली को लेकर बनाई रणनीति

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

पूर्व मंत्री व धर्मशाला विधानसभा चुनाव क्षेत्र के विधायक सुधीर शर्मा के निवास स्थान रक्कड़ में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, कांगड़ा-चंबा के प्रभारी व विधायक विपिन सिंह परमार का रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

इस मौके पर हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संजय शर्मा, हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा, हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु, भारतीय जनता पार्टी संगठनआत्मक ज़िला कांगड़ा के अध्यक्ष सचिन शर्मा, धर्मशाला भाजपा मंडल के अध्यक्ष डॉ. विशाल नेहरिया, ज़िला कांगड़ा महिला मोर्चा अध्यक्ष रंजू रस्तोगी, उपमहापौर एवं पार्षद तेजिंदर कौर, पार्षद संतोष शर्मा, भारतीय जनता युवा मोर्चा धर्मशाला मंडल के अध्यक्ष सुशील कपूर सिल्लू समेत अन्य भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक सुधीर शर्मा के निवास स्थान रक्कड़ पर विधायक विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक में आगामी 18 दिसंबर को जोरावर स्टेडियम में होने वाली जन आक्रोश रैली को लेकर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं में चर्चा कर रणनीति बनाई गई। सभी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में 18 दिसंबर को होने वाली जन आक्रोश रैली को लेकर जोश है व कार्यकर्ताओं ने इस वर्तमान सुक्खू सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ हिस्सा लेने का प्रण लिया।

हेल्थ इज वेल्थ

सर्द मौसम में सेहत को लेकर सतर्क रहने की जरूरत

इम्यून सिस्टम कमजोर होने से घेर सकती हैं कई बीमारियां

सर्दियों का मौसम आ गया है। कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड बहुत से लोगों का पसंदीदा मौसम है, पर इस मौसम में सेहत को लेकर थोड़ा अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। सर्दियों में धूप कम निकलने के कारण बॉडी में विटामिन डी की कमी हो जाती है। इससे इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है और हमें कई तरह की बीमारियां घेर सकती हैं। इसके अलावा सर्दियों का मौसम वायरस और बैक्टीरिया के लिए अनुकूल होता है। इस मौसम में वे ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं। ऐसे में कई बार थोड़ी-सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। तो आज जरूरत की खबर में हम बात करेंगे कि ठंड के मौसम में स्वस्थ रहने के लिए क्या करें। साथ ही जानेंगे कि- सर्दियों में कौन-सी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है।

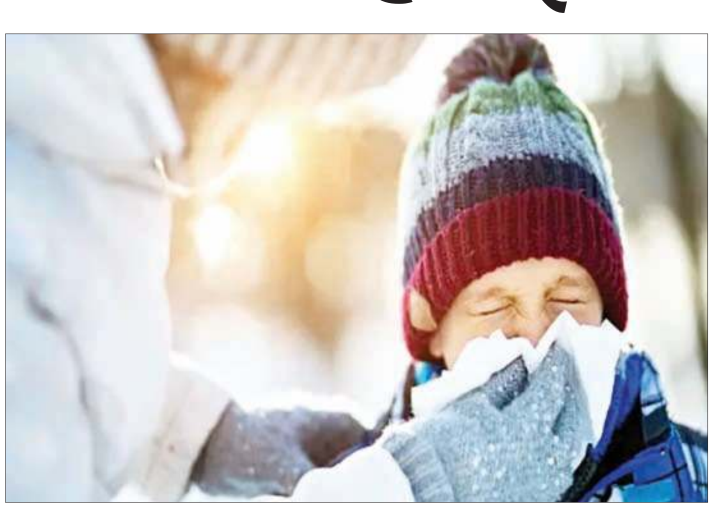

ठंड से बचने के उपाय

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि सर्दी के मौसम में बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। सर्दियों में दिन छोटे और रातें लंबी होती हैं। इससे शरीर के नेचुरल प्रोसेस पर असर पड़ता है और थकान महसूस होती है। धूप की कमी से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन ज्यादा बनता है, जिससे नींद आती है और शरीर में सुस्ती बनी रहती है। सर्दियों में शुष्क हवा के कारण लोगों का रेस्पिरेटरी और इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। इससे सर्दी-जुकाम, फ्लू, खांसी और पाचन संबंधी समस्याएं होना काफी आम हैं। ठंड में लोग ज्यादातर घरों के अंदर रहते हैं। इससे इन्फेक्शन फैलने का खतरा भी ज्यादा होता है।

शरीर को गर्म रखें

डॉ. गुप्ता का कहना है कि शरीर को गर्म रखें ठंड में अपनी बॉडी को गर्म रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए बहुत ज्यादा बाहर टहलने से बचें और गुनगुना पानी पिएं। अगर सूरज निकले तो धूप लें और फिजिकली एक्टिव रहें। हमेशा इनर पहनकर रखें, ताकि शरीर अंदर से गर्म रहे। बाहर से भी गर्म और ऊनी कपड़े पहनकर रखें। इससे ठंडी हवा से बचे रहने में मदद मिलती है। जिस जगह हम हैं, वहां गर्माहट होठंड से बचने के लिए हम जिस जगह पर रहते हैं, उसे भी गर्म रखना जरूरी है। इसके लिए अपने कमरे में रूम हीटर या ब्लोअर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा अपने घर के दरवाजे और कमरे की खिड़कियों को पूरी तरह से बंद रखें, ताकि ठंडी हवा अंदर न आ सके।

डॉ. एनके गुप्ता
हेल्थ एक्सपर्ट

शरीर को गर्माहट देने वाली चीजें खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता बताते हैं कि ठंड से बचने के लिए जितना बाहर से शरीर को गर्म रखने की जरूरत होती है, उतना ही अंदर से भी। इसके लिए खाने में उन चीजों को शामिल करें, जो भीतर से गर्माहट दें। हालांकि कुछ भी खाने से पहले मात्रा का ध्यान जरूर रखें। ठंड से बचने के लिए गर्म तासीर वाली चीजें खाना बहुत फायदेमंद है। ये हमें भीतर से गर्म रखती हैं और ठंड से बचाने में भी मदद करती हैं।

प्रस्तुतिः मोहन चौहान, सोलन

शिशुओं में कोलिक एक आम समस्या

शिशुओं में कोलिक एक आम समस्या है, जिसमें बच्चा बिना किसी स्पष्ट कारण के लंबे समय तक रोता है। यह आमतौर पर 2 सप्ताह से 4 महीने की उम्र तक देखा जाता है। कोलिक के दौरान बच्चा बेचैन हो सकता है, उसके पेट में दर्द महसूस हो सकता है और वह शांत नहीं होता।

कोलिक के लक्षण

- बच्चा दिन में 3 घंटे से ज्यादा रोता है।
- यह स्थिति सप्ताह में 3 या उससे ज्यादा बार होती है।
- रोने का कोई कारण (जैसे भूख, गीला डायपर, बीमारी) नहीं होता।
- रोने के दौरान बच्चा पैर सिकोड़ता है, पेट फूल सकता है या गैस हो सकती है।
- रोने का समय अक्सर शाम या रात में ज्यादा होता है।

कोलिक के कारण

- गैस या पेट में अपच।
- पाचन तंत्र का पूर्ण विकास न होना।
- दूध (मां का दूध या फॉर्मूला) से एलर्जी या असहजता।
- बच्चे का ओवरस्टिमुलेशन (ज्यादा शोर-शराबा या रोशनी)।

उपाय

- नवजात शिशुओं में पेट दर्द के इलाज के लिए होम्योपैथिक दवा का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- होम्योपैथिक दवा दर्द में राहत देती है और अंग के विकास में भी मदद करती है।

1. पेट मसाज
हल्के हाथों से बच्चे के पेट पर मसाज करें।

2. गैस निकालने में मदद करें : बच्चे को पीठ के बल लेटाकर साइकिल की तरह पैर हिलाएं।

3. फीडिंग पोजिशन : बच्चे को दूध पिलाते समय सही पोजिशन रखें ताकि वह हवा न निगले।

डॉ. निधि जोशी
गांधीधाम (गुजरात)

सावधानियां

✱ **बच्चे** को जरूरत से ज्यादा दूध न पिलाएं। ✱ **मां** के खाने का ध्यान रखें, मिर्च- मसाले वाले खाद्य पदार्थों से बचें। ✱ **बच्चे** को शांत वातावरण में रखें। अगर कोलिक अधिक दिनों तक बनी रहे तो होम्योपैथिक डॉक्टर से संपर्क करें।

खाने के साथ खाएं इस सफेद सब्जी का सलाद

शरीर के आसपास भी नहीं भटकेंगी कई बीमारियां

भोजन के साथ सलाद खाने का चलन बहुत पुराने समय से भारत में चला आ रहा है। इसके लिए ऐसी सब्जियों को यूज किया जाता है, जिन्हें कच्चा खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। ऐसे में सलाद में मूली को शामिल करना हेल्थ के नजरिए से अहम होता है। मूली का सलाद यदि नियमित रूप से भोजन में शामिल किया जाए, तो यह न केवल शरीर को ताजगी देता है, बल्कि कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के साथ-साथ कई अन्य रोगों से भी बचाव करता है। मूली में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं, इसमें मुख्य रूप से विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स, और फाइबर, विटामिन बी, के शामिल हैं। यहां आप मूली का सलाद खाने के 5 फायदों को जान सकते हैं।

कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकना : मूली में एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो शरीर में कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं। मूली में मौजूद ग्लूकोसिनोलेट्स कैंसर कोशिकाओं के विकास को धीमा कर सकते हैं, खासकर कोलन और पेट के कैंसर से बचाव में यह प्रभावी हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल : मूली में पोटैशियम की अच्छी खुराक होती है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मददगार होता है। पोटैशियम शरीर में सोडियम के प्रभाव को कम करता है, जिससे ब्लड शुगर नॉर्मल रहता है। मूली के सलाद में सल्फर और फाइबर की मात्रा भी होती है, जो दिल की सेहत को बनाए रखने में मदद करती है और हार्ट डिजीज के जोखिम को घटाती है।

दूर होंगी पेट की समस्याएं : मूली में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सुधारने और कब्ज की समस्या से बचाने में मदद करती है। इसके अलावा, मूली में पानी की मात्रा भी अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेंट रखने और पाचन को बेहतर बनाने में सहायक ह। मूली का सलाद खाने से पेट की सूजन और गैस की समस्या भी कम होती है।

मोटापे से छुटकारा : मूली में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और फाइबर से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से ओवरईटिंग के कारण मोटापा बढ़ने का जोखिम कम होता है। इसके सेवन से भूख कम लगती है और अधिक खाने की इच्छा पर काबू पाया जा सकता है। इसके साथ ही मूली का सलाद वजन घटाने में मदद करता है, क्योंकि यह मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है और शरीर में फैट बर्न करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

नशे की रोकथाम के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी : कुलदीप पठानिया

गतला में बस हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की स्मृति में बनने वाले स्मारक का किया शिलान्यास

अनंत ज्ञान, नूरपुर

प्रदेश में नशे की रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने व्यापक अभियान चलाया है और इसे सफल बनाने के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। नूरपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत ठेहड़ के गांव गतला में वर्ष 2018 के बस हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की स्मृति में बनने वाले स्मारक का शिलान्यास करने के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने यह उद्गार प्रकट किए।

उन्होंने कहा कि जब नौजवान खेल क्षेत्र में आगे आएंगे और खेलों को बढ़ावा देंगे तभी हमारा समाज सशक्त बनेगा। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों को बढ़ावा देना जरूरी है और ग्रामीण स्तर पर खिलाड़ियों की खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए प्रदेश सरकार खेलों के लिए अधोसरंचना विकसित पर हर सम्भव प्रयास कर रही है। उन्होंने इस दौरान यहां बन रहे चिल्ड्रेन पार्क और खेल मैदान के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए, इसके निर्माण हेतु हर संभव सहयोग करने की बात कही। जागृति चैरिटेबल ट्रस्ट, ग्राम पंचायत ठेहड़ और बाबा कियालु मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा रखी गई मांगों को स्वीकार करते हुए स्मारक तक सड़क निर्माण और चिल्ड्रेन पार्क की बाउंड्री वॉल बनवाने की बात कही।

उन्होंने यहां बच्चों की स्मृति में जागृति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए 2 लाख 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्था के द्वारा बच्चों के लिए किए जाने वाले कार्यों के लिए सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

सुख शिक्षा योजना से होगा बच्चों का समग्र विकास

पठानिया ने कहा कि प्रदेश के बच्चों की शिक्षा और समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने हाल ही में इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर प्रदेश के 5145 लाभार्थियों को 1.38 करोड़ वितरित कर इस योजना का शुभारंभ किया। इस योजना का उद्देश्य विधवाओं, निराश्रित महिलाओं, तलाकशुदा महिलाओं और दिव्यांग अभिभावकों के 23 हजार बच्चों की शिक्षा को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 18 वर्ष से कम की आयु के बच्चों के लिए 1 हजार प्रतिमाह और उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के लिए 53.21 करोड़ रुपए का वार्षिक बजट प्रावधान रखा गया है।

बच्चों की याद में बनेगी 21 फुट ऊंची मीनार

वर्ष 2018 में नूरपुर के गांव खवाड़ा में एक स्कूल बस हादसे में बस में सवार 23 बच्चों की जान चली गई थी, जिसमें 10 बच्चे गांव गतला के ही थे। हादसे से दहले क्षेत्र के लोगों ने दिवंगत बच्चों की स्मृति में गांव गतला में कुछ रचनात्मक कार्य शुरू किए। प्रधान ग्राम पंचायत ठेहड़ इंदु बाला ने बताया कि जागृति चेरिटेबल ट्रस्ट, ग्राम पंचायत ठेहड़ और बाबा कियालु मंदिर समिति द्वारा यहां बच्चों के लिए सामुदायिक भवन, चिल्ड्रेन पार्क, खेल मैदान और स्मारक बनाने का विचार मन में आया। उन्होंने बताया कि सामुदायिक बन कर तैयार है, वहीं खेल मैदान को बनाने का काम प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा आज जिस स्मारक का शिलान्यास किया गया, इस मीनार की ऊंचाई 21 फुट रहेगी और इसके माध्यम से हादसे में जान गंवाने वाले सभी बच्चों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

द बंदला सहकारी सभा का वार्षिक समारोह संपन्न

अनंत ज्ञान, पालमपुर। द बंदला सहकारी सभा का वार्षिक समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता सभा के प्रधान हेम राज डोगरा ने की और सभा का व्यापारिक लेखा-जोखा, लाभ-हानि और संतुलन पत्र सभा के सचिव कुलदीप भट्ट द्वारा आम जन के समक्ष रखा गया। एक सवाल के जवाब में सचिव द्वारा बताया गया कि बीते साल के मुकाबले इस बार सभा के लाभ में काफी कमी है। इसका मुख्य कारण लोगों द्वारा लिए गए कर्जों का सही समय पर भुगतान न होना है। इस सभा में लगभग 836 खाताधारक हैं। सभा की ऊपरी मंजिल बनाने के लिए 15 लाख 91 हजार की राशि सभा के बिल्डिंग फंड से अनुमोदित की गया।

भाटियां में मनाया भगवान दत्तात्रेय का जन्मोत्सव

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। भगवान दत्तात्रेय के जन्मोत्सव पर रविवार को उपमंडल फतेहपुर के भाटियां स्थित श्री कृष्ण गीता मंदिर में पूजा पाठ करते हुए भगवान दत्तात्रेय का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान प्रसाद भी बांटा गया। इस बारे जानकारी देते हुए मंदिर महंत कृष्ण राज ने बताया भगवान दत्तात्रेय भगवान विष्णु, ब्रह्मा व शिव के अवतार माने जाते हैं।

उन्होंने बताया कि इनकी पूजा करने से मनुष्य का जीवन धन्य हो जाता है। इस मौके पर दर्जनों भक्तजन उपस्थित रहे।

भद्रोआ में पत्रकारों की समस्याओं पर की चर्चा

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। आजाद प्रेस क्लब नूरपुर की बैठक रविवार को भदरोआ में चेयरमैन भूषण शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें अतिरिक्त थाना प्रभारी डमटाल देवराज शर्मा ने क्लब के आग्रह पर विशेष तौर पर शिरकत की। इस दौरान जहां क्लब की टीम ने अतितिक्त थाना प्रभारी को शॉल व टोपी देकर सम्मान दिया तो वहीं कानून संबंधी पहलुओं पर उनके साथ चर्चा भी की। बैठक बारे जानकारी देते हुए क्लब प्रधान रमन राणा ने कहा कि आज की बैठक दौरान पत्रकारिता दौरान पत्रकारों को पेश आ रही परेशानियों पर चर्चा की गई, तो वहीं पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सरकार से अपील भी की गई। इस मौके पर क्लव सचिव सुरेंद्र मिन्हास, कोषाध्यक्ष रछपाल सिंह सोनू, उपप्रधान दिनेश धीमान, पवन बंदराल, मुकेश सरमाल, चैन सिंह गुलेरिया, अश्वनी शर्मा, रघुनाथ शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हैप्पी बर्थडे

धमेटा की ईशानी को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर में की बैठक

अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता उपमंडल के आनंदघाट में स्थित श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर में मासिक बैठक का आयोजन प्रधान राजेंद्र ठाकुर एवं उपप्रधान कैप्टन नारायण सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इसमें यह निर्णय लिया गया कि फरवरी माह में श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन किया जाएगा। श्रीमद भागवत कथा के बारे में सभी पदाधिकारियों से बैठक में पूछा गया कि किस तरह से इसका आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर उप प्रधान नारायण सिंह ने बताया कि आज श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर में हमारी वार्षिक बैठक का आयोजन था, जिसे हम हर माह दूसरे शनिवार को करते हैं। इसमें नारायण सिंह ने बताया कि अपने भाइयों के साथ कमेटी के साथ चर्चा की इस महीने के आए गये के ब्यौरे पर भी चर्चा की गई। इसमें हम चर्चा कर रहे हैं कि फरवरी माह में हम यहां पर श्रीमद्भागवत कथा करेंगे तो इसमें तैयारियों के लिए चर्चा की गई और हम इस मंदिर को कैसे बढ़ा कर सकते हैं। इसके विकास के बारे में चर्चा की गई, ताकि जो हमारी आने वाली पीढ़ी है, वह सनातन धर्म से जुड़ सके।

इस बार बलोटी मैदान में आयोजित होगा जिला स्तरीय होली मेला

राकेश डोगरा, डरोह

धीरा में आयोजित होने वाले होली मेला के संबंध में राजकीय महाविद्यालय के सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन संजय चौहान ने की। इस बैठक में एसडीएम धीरा सलीम आजम विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मार्च महीने में आयोजित होने वाले होली मेले एवं सांस्कृतिक संध्या के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष जिला स्तरीय होली मेले का आयोजन बलोटी मैदान में होगा।

बता दें कि पिछले 14 वर्षों से इस होली मेले का आयोजन एसडीएम कार्यालय परिसर में आयोजित होता था। परंतु इस बार सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार स्थान में परिवर्तन किया गया है।

इस आयोजन के दौरान एक भव्य शोभायात्रा एसडीएम कार्यालय से निकाली जाएगी, जो धीरा बाजार से होती हुई बलोटी मैदान तक जाएगी। जनता को संबोधित करते हुए संजय चौहान ने कहा कि धीरा होली मेले को एक अदद रूप प्रदान करने के सरकारी प्रयास किए जाएंगे ताकि ग्रामीण परिवेश की जनता को मनोरंजन के साधन मिल सकें। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को अनुशासित तरीके से आयोजित किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

प्रेस वार्ता में बोले पूर्व विस अध्यक्ष और सुलह के विधायक विपिन परमार

बार-बार बालक बुद्धि का प्रमाण दे रहे सीएम

सोनाली संधू, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बार-बार बालक बुद्धि का प्रमाण दे रहे हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री की वजह से कभी समोसा, कभी टॉयलेट टैक्स तो अब जंगली मुर्गा चर्चा का विषय बन रहा है। यह बात धर्मशाला में एक प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व विस अध्यक्ष और सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने कही।

इस दौरान उनके साथ धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा और कांगड़ा के विधायक पवन काजल सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। प्रेसवार्ता के दौरान विपिन सिंह परमार ने कहा कि कांग्रेस ने हाल ही में बिलासपुर में जश्न मनाया है, लेकिन इस जश्न में वह अपनी एक भी उपलब्धि नहीं गिना पाई है। दो साल का जश्न बनाने के लिए सजाए गए मंच से कांग्रेस भाजपा और अपने अधिकारियों को ही कोसती नजर आई है।

उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ 18 दिसंबर को धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में एक जन आक्रोश रैली निकालने जा रही है। इस रैली में हिमाचल भाजपा सहित दिल्ली से भी बड़े नेता आएंगे। उन्होंने कहा कि इस आक्रोश रैली में केंद्रीय विश्वविद्यालय के कैंपस का धर्मशाला में न बन पाने का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया जाएगा और सरकार से 30 करोड़ रुपए जमा न करवाने का कारण पूछा जाएगा। परमार ने कहा कि आज देहरा को सौगातें दी जा रही हैं, जहां पर क्राइम रेट शून्य है, वहां एसपी बिठाया जा रहा है और सीएम कार्यालय खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में बने सीएम कार्यालय में मुख्यमंत्री ने एक दिन भी नहीं बिताया है। (अनंत ज्ञान)

केवल पठानिया ने सम्मानित किए डढंब स्कूल के होनहार

अनंत ज्ञान, शाहपुर

उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 850 संस्थानों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया है। शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के 15 हजार पदों को भरने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। शिक्षकों के 3,200 पद बैचवाइज भरे गए हैं जबकि 2,800 से अधिक पद राज्य चयन आयोग के माध्यम से भरे जा रहे हैं। रविवार को राजकीय उच्च पाठशाला डढंब के वार्षिक उत्सव में बतौर मुख्यातिथि उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि राज्य के विद्यार्थी पूर्व सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं और इसे सुधारने के लिए वर्तमान सरकार कड़ी मेहनत कर रही है। मंत्रिमंडल की बैठक में पीजीटी शिक्षकों के 700 पद और एनटीटी के 6200 पद भरने की मंजूरी दी है जिसकी भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। विद्यार्थियों को समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक सत्र के बीच शिक्षकों के तबादलों पर प्रतिबंध लगाया गया है। सीधी भर्ती के अलावा पदोन्नति के माध्यम से भी हजारों पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने 120 कॉलेज प्रिंसिपल और 483 सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से ही अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई का अपना चुनावी वादा भी पूरा किया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक से लैस राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने विधवा, निराश्रित, परित्यक्त और विकलांग महिलाओं के बच्चों की शिक्षा और कल्याण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना' भी शुरू की है। इस योजना के लिए 53.21 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। 15,181 स्कूलों में 'बाल पौष्टिक आहार योजना' शुरू की गई है जिससे 5.34 लाख बच्चों को अंडे, फल जैसे अतिरिक्त पोषण का लाभ मिला है। प्रदेश सरकार ने इस पहल के लिए 12.75 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

सद्दूं स्कूल में 19 साल से नहीं संस्कृत प्रवक्ता

कंडी ढोलरा में भी शिक्षकों की कमी, पंचायत प्रधानों ने एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट संग उठाया मसला

पूजन भंडारी, नगरोटा बगवां

हिमाचल में क्वालिटी एजुकेशन के दावों को को धत्ता बताते हुए नगरोटा बगवां विधानसभा हलके के दो स्कूलों में शिक्षा विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। दोनों स्कूल बड़ोह क्षेत्र में आते हैं। लोगों को अब सिर्फ 18 से 21 दिसंबर तक तपोवन में चलने वाले विधानसभा के शीत सत्र से इस समस्या के हल की आस बंधी है। बात पहले स्कूल की करें, तो राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सद्दूं में साल 2005 से संस्कृत प्रवक्ता का पद ही नहीं भरा गया है। यानी 19 साल से इस स्कूल को संस्कृत प्रवक्ता ही नहीं मिल पाया है। सद्दूं पंचायत प्रधान

अर्चना कुमारी ने बताया कि रोजाना पेरेंट्स उनके पास शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। ग्रामीण पहले भी शिक्षा विभाग और सरकार से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अर्चना कुमारी ने कहा कि हिमाचल में क्वालिटी एजुकेशन के दावे खोखले ही साबित हुए हैं। दूसरे स्कूल की बात करें तो राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कंडी ढोलरा में भी कई पद खाली चल रहे हैं। कंडी पंचायत प्रधान मधुसूदन शर्मा ने बताया कि कंडी ढोलरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शारीरिक शिक्षक का पद 2022 से खाली है। हिंदी लेक्चरर तीन साल से नहीं है। इकोनॉमिक्स शिक्षक 2 साल छह महीने और प्रवक्ता हिस्ट्री का पद 4 साल से भरा नहीं गया है। पंचायत के लोगों ने शिक्षा विभाग के रवैये से निराशा जताई है। इसी बीच हाल ही में कई छात्र और अभिभावक एक साथ जुटे और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। बाद में इन छात्रों और अभिभावकों ने एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष व नंबरदार बलविंद्र सिंह बबलू से भेंट की और अपनी समस्या बताई। इस पर बबलू ने कहा है कि वह 18 से 21 दिसंबर तक चलने वाले विधानसभा सत्र से उम्मीद पाले हुए हैं। इस सत्र में भी छात्रों को राहत न मिली, तो वह ग्रामीणों के साथ धरना देने पर मजबूर होंगे। (अनंत ज्ञान)

दो साल में पर्यटन निगम का कोई होटल लीज पर नहीं दिया : बाली

अनंत ज्ञान, धर्मशाला

हिमाचल पदेश पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन आरएस बाली ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि भाजपा के पूर्व मंत्री बिक्रम ठाकुर हिमाचल की जनता को बार-बार भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। एक बार फिर से उन्होंने बिना तथ्यों के प्रेस कांफ्रेंस करके जनता को भ्रमित करने की कोशिश की है, लेकिन मैं तथ्यों और सुबूतों के साथ उनके इस भ्रमजाल को काट दूंगा। उन्होंने कहा कि दो साल से प्रदेश पर्यटन विकास निगम का एक भी होटल लीज पर नहीं दिया गया है। बाली ने कहा 'बिक्रम ठाकुर ने कहा कि मैं एफिडेविट दूं कि रोजगार संघर्ष यात्रा के बाद हमने कितने लोगों को रोजगार दिया। मेरी जिंदगी खुली किताब है। मैंने अपने पिता के पद चिन्हों पर चलकर अपना राजनीतिक करियर शुरू करने से पहले पूरे प्रदेश में रोजगार यात्रा की। बेरोजगार युवाओं के रोजगार के लिए आवाज उठाना अगर गुनाह है तो यह गुनाह मैं बार-बार करूंगा। मैं गर्व से कह सकता हूं कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू अभी तक प्रदेश में 20 हजार युवाओं को रोजगार दे चुके हैं। इसके अलावा मैने अपने बल पर दो साल 3 बड़े रोजगार मेले लगाए हैं। इनका सारा खर्चा मैंने अपनी जेब से दिया है।' यह नेता मुझ पर आरोप लगा रहे हैं कि मैं एक क्षेत्र के युवाओं को नौकरियां देकर पक्षपात कर रहा हूं और दूसरी तरफ बिक्रम ठाकुर कहते हैं कि मैंने कितने युवाओं को रोजगार दिया। बिक्रम ठाकुर आरोप लगाने से पहले होमवर्क कर लें। अब मैं फिर से तथ्यों के साथ सभी आरोपों का मुंहतोड़ जवाब दूंगा। मैं ईमानदारी से प्रदेश के विकास के लिए काम कर रहा हूं, इसलिए हर आरोप का सटीक जवाब देना मेरा कर्तव्य है। बाली ने कहा कि बिक्रम ठाकुर ने मुझसे पूछा कि मैं निगम का चेयरमैन हूं या बिजनेसमैन। मैं बातें घुमा-फिराकर नहीं करता हूं। मेरा परिवार 80 के दशक से बिजनेस में है। मेरे लिए राजनीति व्यवसाय नहीं सेवा है। अपने परिवार की रोजी रोटी चलाने के लिए परिवार 1980 से बिजनेस कर रहा है। मैं उनको कहना चाहता हूं कि नगरोटा बगवां की जनता ने मुझे वोट देकर 5 साल लिए विधायक चुना है, ताकि मैं सदन में उनकी आवाज बनूं। नगरोटा बगवां की जनता ने मेरी यही पहचान बनाई है। इसी की बदौलत कांग्रेस सरकार ने मुझे पर्यटन निगम का चेयरमैन बनाया है।

कहा, बिक्रम ठाकुर फिर से जनता को भ्रमित कर रहे

सड़क हादसे में बुझ गया घर का चिराग

अनंत ज्ञान, गगल। गांव दुग्यारी का इकलौता चिराग ध्रुव शनिवार रात जमानाबाद-इच्छी चौक पर हुए सड़क हादसे का शिकार हो गया। ध्रुव के पिता बलविंदर को जब इस दुर्घटना के बारे में बताया तो उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। जब उन्हें घर में पता चला कि उनका बेटा ध्रुव नहीं रहा तो वह कुछ पल बेसुध हो गए। ध्रुव की माता बेवा देवी और बहन प्रिया का रो-रोकर बुरा हाल है। ध्रुव रोज की तरह अपने काम के लिए मटौर में जाता था। घर में मां और बहन उसके लिए रात के खाने का इंतजार कर रही थीं, परंतु उन्हें क्या पता था कि बेटा ध्रुव भगवान के चरणों में पहुंच गया है। आज उस घर में सब कुछ बेटे के बगैर सूना-सूना हो गया है। वहीं, गांववासी मां और बेटी को जीने का हौसला दे रहे हैं।

ध्रुव का फाइल फोटो।

गुलेर में रेलवे फाटक के पास मिला बनतुंगली के व्यक्ति का शव

अनंत ज्ञान, हरिपुर। पुलिस थाना क्षेत्र हरिपुर के अंतर्गत गांव गुलेर में रेलवे फाटक के समीप एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला। व्यक्ति की पहचान तिलक राज (45) पुत्र जैसी राम निवासी बनतुंगली, नगरोटा सूरियां के रूप में हुई। स्थानीय निवासी ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना हरिपुर से एएसआई अनूप अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अचेत व्यक्ति को हरिपुर स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की और पोस्टमार्टम के लिए देहरा अस्पताल भेजा। वहीं, शनिवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया।

समारोह

छात्रों के लिए बहुआयामी गतिविधियों में सक्रिय रहना जरूरी : यादविंद्र गोमा

आयुष मंत्री ने नवाजे कैलाशपुर के होनहार

अनंत ज्ञान, पंचरुखी

आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री यादविंद्र गोमा ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए विद्यार्थियों को किताबों के साथ अन्य गतिविधियों में सक्रिय रहना चाहिए ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। मंत्री रविवार को जयसिंहपुर निर्वाचन क्षेत्र के धार पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैलाशपुर के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने स्कूल के होनहार बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। गोमा ने स्कूल द्वारा शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान के लिए वार्षिक उत्सव वर्षभर के दौरान अर्जित उपलब्धियों को सम्मानित करने का अवसर होता है। इसके आयोजन से छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ उनको प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होने के साथ और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहन भी मिलता।

उन्होंने कहा कि यह स्कूल काफी वर्षों से बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन और अध्यापकों को बच्चों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई भी दी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में मोबाइल फोन का इस्तेमाल प्रत्येक व्यक्ति कर रहा है। उन्होंने बच्चों के अभिभावकों को बच्चों द्वारा मोबाइल का सदुपयोग करने और नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने को कहा। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग का सामाजिक उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नशे के खिलाफ और लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने लोगों से भी आह्वान किया कि समाज को नशे से बचाने के सभी के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र जयसिंहपुर के लोगों की सामाजिक और सामूहिक मांगों को पूर्ण करने के लिए पूर्ण सामर्थ्य से प्रयासरत है। मंत्री यादविंद्र गोमा ने स्कूल में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 21 हजार रुपए की धनराशि देने की घोषणा भी की।

बिलासपुर लेखक संघ ने झंडूता में करवाई गोष्ठी

अनंत ज्ञान, झंडूता

बिलासपुर लेखक संघ द्वारा गीता जयंती के उपलक्ष्य में झंडूता के बिद्धू मैरिज पैलेस में मासिक बैठक एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन संघ के वरिष्ठ सदस्य बीरबल धीमान द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रूप शर्मा द्वारा की गई, जबकि मुख्यातिथि इंद्र सिंह चंदेल लोक कलाकार व सामाजिक कार्यकर्ता रहे। मुख्यातिथि व अन्य अतिथियों के अलावा संघ के महासचिव रविंद्र कुमार शर्मा व अन्य साहित्यकारों को शाल, टोपी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर लेखराम शर्मा पूर्व विभाग अध्यक्ष संस्कृत विभाग गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर तथा नरैणु राम हितेषी वशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने स्वागत भाषण में बीरबल धीमान ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से लोगों के बीच एक सकारात्मक संदेश जाता है तथा लोगों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। डॉ लेखराम शर्मा ने गीता की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता हमारे चरित्र निर्माण का एक बेहतरीन शास्त्र है। रोजाना गीता पढ़ने से हमारे शरीर और दिमाग में सकारात्मक ऊर्जा विकसित होती है। गीता में शामिल अध्याय मनुष्य को सही फैसला लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

In the court of Sub Divisional Magistrate, Baddi, Distt. Solan HP. Exercising the powers of Marriage Officer under Special Marriage Act, 1954

Case no.	Date of Instt.	Pending For
01/2024	09-12-2024	

Notice U/S 15 of the Special Marriage act, 1954 Inviting the objections of the General Public for the registration of Marriage.

Notice to the General Public

Whereas Sh. Gurdeep Singh S/o Sh. Ram Singh R/o Village Gularwala, Tehsil Baddi, Distt. Solan (HP) and Smt. Priyanka Devi D/O Sh. Satnam R/o Village Kalhariwala, PO Mandhala, Tehsil Baddi, Distt. Solan has moved an application u/s 15 of the Special Marriage Act, 1954 for registration of their marriage which was solemnized on 03.11.2024 with Hindu rites.

And whereas both the applicants have submitted in their application and their affidavits that they were unmarried at the time of solemnization of their marriage, and were major in age and having no prohibited relations to each other debarring them to marry each other. Both the applicants have requested for registration of their marriage

Therefore, by this notice the public in General is informed that if any one has any objection regarding registration of this marriage, he may present before this Court within 30 day from the date of publication of this notice for hearing of objections if any. In case no objection is received in this court within the said period, It will be presumed that there is no objection to the registration of the above said marriage and the same will be registered thereafter.

Given under my hand and seal of the Court on 10.12.2024

Marriage Officer-cum-SDM
Baddi Distt. Solan (HP).

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान किड्स पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिझड़ी के स्टूडेंट्स एवं अध्यापक गोविंद मंदिर बरसाना में सामूहिक चित्र में।

न्यूज ब्रीफ

बिझड़ी का अक्षित शर्मा भारतीय सेना में बना लेफ्टिनेंट

एसके ठाकुर, बड़सर। हमीरपुर जिले के उपमंडल बड़सर के ढटवाल का एक और होनहार बेटा देश की रक्षा के लिए समर्पित हुआ है। बिझड़ी गांव का अक्षित शर्मा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गया है। शनिवार को पासिंग आऊट परेड के बाद अब क्षेत्रवासी अपने होनहार सपूत के स्वागत के लिए पलकें बिछाए इंतजार कर रहे हैं। अक्षित इंडियन मिलिट्री अकादमी देहरादून की पासिंग आउट परेड में दमदार कदमताल के बाद हरी वर्दी पहन कंधों पर सुनहरी सितारों के साथ देश सेवा के लिए निकले बेटे को देख माता-पिता ही नहीं बल्कि यह खबर सुनने वाला ढटवाल का हर शख्स गौरवांवित है। रविवार को उनके गांव बिझड़ी में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। बता दें कि शनिवार को आईएमए देहरादून में हुई पासिंग आउट परेड के बाद अक्षित शर्मा को उनके माता-पिता ने कंधों पर स्टार लगाकर देश सेवा के लिए राष्ट्र को समर्पित किया। बेटे को सुनहरी सितारों से सजी सैन्य वर्दी में देख परिजनों की आंखें खुशी के आंसुओं से भर आईं। (अनंत ज्ञान)

सुरजीत बने डीपीई संघ के प्रदेशाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश डीपीई संघ की बैठक स्वरूप राणा मुख्याध्यापक, पर्यवेक्षक सुखदेव ठाकुर एडीपीईओ मंडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में हिमाचल प्रदेश के 11 जिलों के डीपीई व समस्त पदाधिकारियों ने भाग लिया। गौरतलब है कि पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा हो चुका था। गोपाल चंद, पूर्ण चंद व दीपक यादव ने पुरानी कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की। तत्पश्चात नई कार्यकारिणी का गठन पर्यवेक्षक आदि की उपस्थिति में सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें प्रधान सुरजीत परमार बिलासपुर व महासचिव कैलाश गांगटा शिमला को चुना गया। जबकि मुख्य संरक्षक दीपक यादव मंडी, सरक्षक वीरेंद्र प्रताप शिमला, वरिष्ठ प्रधान गोपाल कृष्ण शिमला, संजय नेगी शिमला, दिनेश सिंह पटियाल हमीरपुर, प्रधान दिनेश भास्कर कांगड़ा, सुभाष चंद सोलन, करनेल ऊना, विनोद हमीरपुर, कोषाध्यक्ष पवन कुमार मंडी, संयुक्त सचिव हरदेव कुल्लू, नारायण सिंह चंबा, अविनाश टंडन चंबा, मुख्य सलाहकार पूर्ण चंद मंडी, कार्यालय सचिव अरुण कुमार बिलासपुर, मोहन शर्मा शिमला, जबकि प्रेस सचिव वीरेंद्र हिटा शिमला, विकास पुंडीर बिलासपुर को चुना गया।

बच्चों का निरंतर फीडबैक लें माता-पिता

रंगस। नशों के दरिया पर रोक लगाना इतना आसान नहीं, लेकिन इससे बच्चों को बचाना तो संभव है। मां-बाप को यह नहीं सोचना चाहिए कि बच्चों को स्कूल, कॉलेज अथवा हॉस्टल भेज कर वह अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं। बच्चों की निरंतर फीडबैक भी लेनी चाहिए कि कहीं वह गलत संगत में तो नहीं पड़ गया। यह बात जोलसप्पड़ पंचायत के सोरड़ गांव में महिला मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए महिला मंडल सोरड़ की प्रधान किरण चावला ने कही। उन्होंने कहा कि नशा रोकने के लिए सरकार के प्रयास सख्त होने चाहिए। जब तक सरकार व समाज गंभीर नहीं, नशों पर रोक लगाना नामुमकिन है। इस अवसर पर सचिव आशा कुमारी, उपप्रधान नीलम कुमारी, उद्यमा, सुमना आदि भी मौजूद थे।

विजय कुमार बने दीनहित मंडल के अध्यक्ष

हमीरपुर। नारा पंचायत के मंडयाणी गांव में रविवार को प्रयास संस्था की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में दीनहित मंडल नाल्टी का गठन किया गया, जिसका उद्घाटन मंडल संरक्षक हरीश शर्मा ने किया। समाज सेवा से जुड़े सात पंचायतों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से विजय कुमार मंडयाणी को दीनहित मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। महासचिव पद के लिए रविंद्र शर्मा भटवाड़ा और होशियार सिंह दरवोड़ का चयन हुआ। उपाध्यक्ष पद पर विजय कुमार, पवन चौधरी, सतीश कौशल, होशियार सिंह (वार्ड नंबर 8) को जिम्मेदारी दी गई, जबकि राजेश शर्मा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर संजीव ठाकुर, जिला अध्यक्ष, और लंबलू मंडल के अध्यक्ष पुरुषोत्तम ठाकुर ने विशेष उपस्थिति दर्ज करवाई। संजीव ने प्रयास संस्था द्वारा समाज कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की चर्चा की और उपस्थित लोगों को संस्था के उद्देश्यों से अवगत करवाया। संस्था के इस कदम को ग्रामीण क्षेत्र में एक नई दिशा देने की पहल माना जा रहा है।

दुर्गा सिंह स्मारक स्कूल बड़ा में नवाजे मेधावी विद्यार्थी

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य।

अनंत ज्ञान, बड़ा

उपमंडल नादौन के दुर्गा सिंह स्मारक सीसे विद्यालय बड़ा में आज वार्षिक पारितोषक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्यातिथि के रूप में सेवानिवृत्त आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी एवं समाजसेवी डॉ. मोहन लाल कौंडल ने विशेष रूप से शिकरत की।

इस दौरान उनके साथ 20 सूत्रीय कार्यक्रम के जिला सदस्य कुलदीप पटियाल, सुदर्शन जरियाल, लाल चंद परमार, कुलतार चंद परमार, पंचायत बड़ा की प्रधान सरिता देवी, सुदर्शन कौंडल आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य अंजना कौंडल के द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि द्वारा स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया गया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने कहा कि प्रदेश की सुक्खू सरकार बच्चों की शिक्षा के प्रति पूर्ण रूप से सक्रियता से अपनी भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए शिक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा नई-नई नीतियां लाई जा रही हैं, ताकि किसी भी बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने में कोई परेशानी न हो। यही नहीं मुख्यमंत्री ने बेसहारा बच्चों के लिए शिक्षा सुख आश्रय योजना चलाई है। इस योजना के तहत सैकड़ों बच्चे वर्तमान समय में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

बरधियाड़ के तुरंगाल वार्डवासी सपड़ोह पंचायत में फिर शामिल होने के लिए लामबंद

बरधियाड़ पंचायत ने नहीं दी एनओसी तो तुरंगाल वार्डवासी करेंगे पंचायत का घेराव

वीरेंद्र गोस्वामी, बड़ा

उपमंडल नादौन की पंचायत बरधियाड़ के वार्ड तुरंगाल के निवासी पंचायत सपड़ोह में दोबारा फिर शामिल होने के लिए पूर्ण रूप से लामबंद हो गए हैं। तुरंगाल वार्ड के लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी मांग को नजरअंदाज किया जाता है एवं पंचायत बरधियाड़ द्वारा उन्हें एनओसी प्रदान नहीं की जाती है तो वे इसके लिए पंचायत बरधियाड़ का घेराव करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

यदि इस दौरान कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी पंचायत बरधियाड़ के पंचायत प्रतिनिधियों की होगी। ये जानकारी तुरंगाल वार्ड प्रतिनिधि नीलम कुमारी, संदीप कुमार, सतपाल सिंह आदि के साथ आए प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से दी।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि उन्होंने इस संदर्भ में लगभग दो महीने पहले मुख्यमंत्री सुक्खू को अपना मांग पत्र भी सौंपा था एवं उनकी इस मांग को पूरा करने का आग्रह किया था। यही नहीं 30 नवंबर 2024 को पंचायत बरधियाड़ में हुई ग्राम सभा की बैठक में पंचायत से इस बारे में एनओसी देने का आग्रह किया था, लेकिन उस दौरान पंचायत प्रधान ने यह कहा कि पंचायत का कोरम पूरा नहीं हुआ है, इसलिए आपको एनओसी नहीं दी जा सकती।

तुरंगाल वार्ड के लोगों का कहना है कि पंचायत द्वारा समय से पहले ही ग्रामसभा में आए लोगों की हाजरी का रजिस्टर उठा लिया था और इस बारे में उन्होंने इसकी शिकायत जिलाधीश हमीरपुर एवं विकास खंड अधिकारी नादौन से भी की है। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम सुक्खू से इस मांग को अतिशीघ्र पूरा करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि उन्हें सपड़ोह पंचायत का कार्यालय मात्र एक किलोमीटर ही पड़ता है, जबकि बरधियाड़ पंचायत का कार्यालय लगभग 6 किलोमीटर पड़ता है जिससे उन्हें आने जाने में बड़ी परेशानी हो रही है। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं बरधियाड़ पंचायत के प्रतिनिधि

इस बारे में पंचायत बरधियाड़ की प्रधान रीता देवी का कहना है कि पंचायत का कोरम पूरा न होने के कारण 30 नवंबर 2024 को हुई ग्रामसभा की बैठक में इस पर चर्चा नहीं हो पाई थी, अब अगली ग्रामसभा की बैठक में इस विषय पर चर्चा की जाएगी।

क्या कहते हैं खंड विकास अधिकारी निशांत

इस विषय पर खंड विकास अधिकारी नादौन निशांत शर्मा का कहना है कि इस संदर्भ में ग्राम पंचायत बरधियाड़ में 17 दिसंबर को दोबारा फिर ग्राम सभा की बैठक रखी गई है। यह ग्रामसभा विकास खंड कार्यालय से नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक की देखरेख में होगी।

हिमाचल की आर्थिक बदहाली, विकास कार्यों और ठेकेदारों पर भारी : राणा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने हिमाचल प्रदेश में लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों में ठेकेदारों की लंबित भुगतान और केंद्र सरकार द्वारा दी गई धनराशि के दुरुपयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की वित्तीय अनियमितताओं के कारण ठेकेदारों को उनके काम का मेहनताना नहीं मिल रहा है, जिससे वे कर्ज और आर्थिक संकट में फंस गए हैं।

प्रेस बयान में राजेंद्र राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और नाबार्ड से सड़कों के निर्माण के लिए आया पैसा, जो गांवों की प्रगति का आधार था, उसे कर्मचारियों की सेलरी के लिए डायवर्ट कर दिया गया। इससे यह साबित होता है कि प्रदेश सरकार आर्थिक प्रबंधन में पूरी तरह विफल हो चुकी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का आर्थिक स्थिति मजबूत होने का दावा सरासर झूठ है।

उन्होंने सवाल किया कि किसके आदेश पर केंद्र का पैसा अन्य मदों में डायवर्ट किया गया। राणा ने इन मामलों की स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को तुरंत इस पर संज्ञान लेना चाहिए और जनता को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने कुशासन और कुप्रबंधन से हिमाचल को आर्थिक रूप से दिवालिया बना दिया है। ठेकेदारों और विकास कार्यों के प्रति यह उदासीनता प्रदेश के भविष्य के लिए गंभीर संकट पैदा कर सकती है। आज समाज का हर वर्ग कांग्रेस सरकार द्वारा उनके हितों के प्रति उदासीनता दर्शाए जाने से निराश और हताश है।

बैडमिंटन में पीयूष व अनिरुद्ध बने विजेता

अनंत ज्ञान, भोरंज

कला एवं खेल मंच भोरंज द्वारा करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय हमीरपुर में करवाई गई अंडर-19 वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिता में पीयूष व अनिरुद्ध की जोड़ी विजेता और अभिषेक व आर्यन की जोडी उपविजेता बनी है।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्यातिथि भारतीय युवा कांग्रेस डॉक्टर सेल के राज्य चेयरमैन व गरीब फाउंडेशन के निदेशक डॉ. आशीष कुमार रहे। कला एवं खेल मंच के सदस्यों ने मुख्यातिथि डॉ. आशीष कुमार का प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है। उसी प्रकार खिलाड़ियों के शारीरिक विकास और स्वास्थ्य के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में हार-जीत कोई मायने नहीं रखती, लेकिन हार कर गलतियों में सुधार करके विजय प्राप्त करना असली जीत होती है। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और मंच के सदस्यों को आभार प्रकट किया।

मुख्यातिथि ने विजेता व उपविजेता टीमों ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में गरीब दास फाउंडेशन के चेयरमैन एवं सेवानिवृत प्रधानाचार्य देवराज, मनोरमा देवी, सुमेश कौशल, देवेंद्र ठाकुर, कै. राकेश, संदीप कतना आदि उपस्थित रहे।

पेंशनर्स वेलफेयर एसो. का स्थापना दिवस 17 को

हमीरपुर। स्टेट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में निर्णय लिया गया था कि सभी जिला पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन अपने-अपने जिले में 17 दिसंबर को स्थापना दिवस मनाएगी। इसी के फलस्वरूप एसोसिएशन जिला हमीरपुर 17 दिसंबर को प्रातः 11 बजे एनजीओ भवन में स्थापना दिवस जिलाध्यक्ष एसके कौंडा की अध्यक्षता में मनाया जाएगा। समस्त पेंशनरों से अनुरोध है कि उपरोक्त स्थान दिनांक व समय पर पधार कर समारोह की शोभा बढ़ाएं। यह जानकारी महासचिव मनोहर लाल कानूनगो ने दी।

नरेली स्कूल की अक्षरा नेशनल स्तर पर खो-खो में दिखाएगी दम

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

खेलों के क्षेत्र में हर दिन नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए राजकीय उच्च पाठशाला नरेली का शिखर की ओर सफर लगातार जारी है। नरेली स्कूल की छात्रा अक्षरा ठाकुर ने खेलों के क्षेत्र में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुख्याध्यापिका हेम लता ने बताया कि अक्षरा ठाकुर का चयन अंडर-17 खो-खो में नेशनल के लिए हुआ है। अब अक्षरा भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में 21 से 25 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश की टीम से खेलते हुए अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करेंगी। अक्षरा रविवार को नेरली से घुमारवीं, (बिलासपुर) के लिए रवाना हो गई है। बिलासपुर में 15 से 18 दिसंबर तक लगने वाले प्रशिक्षण शिविर में उन्हें खेल की बारीकियां सिखाई जाएंगी।

मुख्याध्यापिका ने यह भी बताया कि पिछले साल भी अक्षरा ने अंडर-14 आयु वर्ग में हिमाचल प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व किया था और नॉर्थ जोन में सिल्वर मेडल जीता था। इस प्रतिभावान खिलाड़ी से पाठशाला को बहुत उम्मीदें है कि अक्षरा भविष्य में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। अक्षरा ठाकुर की इस उपलब्धि पर पूरे हमीरपुर के साथ-साथ उसके गांव डेबरा में भी खुशी का माहौल है। अक्षरा के पिता प्रदीप ठाकुर और माता ममता देवी भी बेटी की इस उपलब्धि पर खुशी से गदगद है। मुख्याध्यापिका ने बताया कि इसका श्रेय अक्षरा की कड़ी मेहनत, उसके माता-पिता के सहयोग और भाषा अध्यापक व अक्षरा के खो-खो कोच लक्की सूर्यवंशी के प्रशिक्षण को जाता है।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ हमीरपुर की टीम सम्मानित

भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ भरेड़ी ने वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ हमीरपुर के अध्यक्ष सोम दत्त और उनकी टीम को नागरिक कल्याण संघ भरेड़ी द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें आरसी कटोच सेवानिवृत्त एक्सईएन, स्वरूप राम शर्मा सेवानिवृत्त एससी पीडब्ल्यूडी और संतोष कटोच सेवानिवृत्त एक्सईएन शामिल थे। इस मौके पर वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ भरेड़ी ने वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ हमीरपुर द्वारा आगामी हिमाचल प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ के चुनाव के बारे में चर्चा की जो 22 दिसंबर को बिलासपुर में आयोजित किया जाएगा।

सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट में नाल्टी बना विजेता

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

दो दिवसीय सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट मां पीतांबरा युवक मंडल मटन और डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा फैन्स क्लब का समापन रविार को हुआ। इस टूर्नामेंट में 32 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला नाल्टी और कोट की टीमों के बीच रहा, जिसमें नाल्टी की टीम ने कोट की टीम को 50 रनों से हरा दिया। समापन पर मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने विजेता व उपविजेता टीम को इनाम दिए और सभी युवाओं से अपील की कि वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। हर युवा कम से कम अपने क्षेत्र के दो युवाओं को नशे के बारे में जागरूक करें, ताकि हम एक स्वस्थ और मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकें।

मुख्यमंत्री के सहयोग से बोलने और सुनने में सक्षम हुई नमिश

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

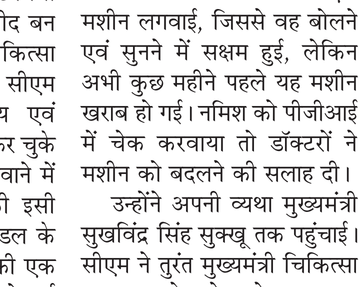

मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से मिली मदद से लगवा सकी महंगी मशीन

बचपन से ही एक दुर्लभ बीमारी एवं विकलांगता की शिकार बच्ची के इलाज और उसके गले एवं कान में महंगी मशीन लगाने हेतु पैसे के जुगाड़ के लिए अगर एक बेबस पिता जहां-तहां भटक रहा हो और उसे कहीं से एकाएक लाखों रुपए की आर्थिक मदद मिल जाए, तो उस पिता के लिए इससे बड़ी राहत और क्या हो सकती है।

ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहे लोगों के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू एक बहुत बड़ी उम्मीद बन चुके हैं। मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष के माध्यम से सीएम सुक्खू ऐसे कई असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की मदद कर चुके हैं, जोकि महंगा इलाज करवाने में असमर्थ थे। मुख्यमंत्री की इसी दरियादिली ने नादौन उपमंडल के भूंपल क्षेत्र के गांव झमेड़ की एक लड़की नमिश वडियाल को नई जिंदगी दी है। आठवीं कक्षा में पढ़ रही नमिश जन्म से ही एक दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त थीं। वह बोलने और सुनने में असमर्थ थीं। नमिश के पिता संजय वडियाल ने बताया कि कुछ वर्ष पहले उन्होंने पीजीआई चंडीगढ़ में अपनी बेटी का इलाज करवाया और उसके गले में एक मशीन लगवाई, जिससे वह बोलने एवं सुनने में सक्षम हुई, लेकिन अभी कुछ महीने पहले यह मशीन खराब हो गई। नमिश को पीजीआई में चेक करवाया तो डॉक्टरों ने मशीन को बदलने की सलाह दी।

उन्होंने अपनी व्यथा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू तक पहुंचाई। सीएम ने तुरंत मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से साढ़े चार लाख रुपए जारी कर दिए। यह धनराशि मिलते ही संजय ने अपनी बेटी का इलाज करवाया तथा मशीन लगवाई। नमिश और उसके पिता कहते हैं मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से आर्थिक मदद मिलने से उन्हें नई जिंदगी मिली है।

प्रधान संजीव ने किया शहीद रोहित ठाकुर चौक व सड़क का उद्घाटन

अनंत ज्ञान, गलोड़

खास गलोड़ पंचायत आए दिन विकास के नए-नए आयाम स्थापित कर रही है। पंचायत पिछले 2 साल में 45 लाख के करीब की राशि विधायक निधि से गांव के रास्ते नालियां, शमशानघाट, जंज घर व लोगों की अन्य मूलभूत सुविधाओं पर खर्च कर चुकी है। रविवार को पंचायत प्रधान संजीव शर्मा ने इसी पंचायत के शहीद रोहित ठाकुर की याद में शमशानघाट को जाने वाली सड़क का विधिवत उद्घाटन किया।

इस चौक व सड़क पर पंचायत लगभग 9 लाख रुपए की राशि खर्च कर चुकी है। प्रधान व शहीद के पिता रसील सिंह के साथ चौक पर शहीद के नाम की पट्टिका लगाकर इस चौक व सड़क का विधिवत उद्घाटन किया। विदित रहे कि रोहित ठाकुर एक अगस्त 2020 को जम्मू-कश्मीर में शहीद हो गए थे। इस मौके पर रणवीर ठाकुर, सुभाष, त्रिलोक चंद आदि मौजूद रहे।

एनआईटी हमीरपुर में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मेथड-2024 आज से

हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में विनिर्माण, थर्मल और डिजाइन इंजीनियरिंग के उभरते पहलुओं पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (मेथड-2024) 16 से 18 दिसंबर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विनिर्माण, थर्मल विज्ञान और डिजाइन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कुछ प्रभावशाली हस्तियों को एक साथ लाएगा। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रोफेसर हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी के दूरदर्शी नेतृत्व और नवाचार के क्षेत्र में एक मील पत्थर साबित होगा। डॉ. प्रशांत कुमार (संरक्षक) और डॉ. संत राम चौहान (अध्यक्ष) के नेतृत्व में मेथड -2024 में दुनिया भर से शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग के पेशेवरों को आकर्षित करने की उम्मीद है। इस अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. मनोज सिंह गौड़ निदेशक आईआईटी जम्मू होंगे, जबकि सम्मानित अतिथि ललित शर्मा महाप्रबंधक रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड होंगे। इस सम्मेलन में मुख्य वक्ताओं का एक प्रतिष्ठित पैनल शामिल होगा, जो अपने संबंधित क्षेत्रों के बारे में जानकारी देंगे। इस सम्मेलन में प्रो. देवदास शेट्टी कोलंबिया विश्वविद्यालय यूएसए, प्रो. हरजीत सिंह ब्रुनेल यूनिवर्सिटी लंदन, यूके, ललित शर्मा महाप्रबंधक रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड आदि मुख्य रूप से उपस्थित होंगे।

संघर्ष 35 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अब तक जीत चुकी है 9 मेडल, 100 से अधिक दंगलों में लड़कों को दे चुकी है पटकनी

दंगल गर्ल कृतिका जम्वाल 2028 ओलंपिक में मेडल लाने के लिए कर रही संघर्ष

अनिल कुमार, हमीरपुर

प्रदेश सरकार एक तरफ खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित कर रही है, वहीं कई खिलाड़ी आर्थिक रूप से कमजोर खेलों में अपना बेहतर प्रदर्शन करने से वंचित रह रहे हैं। प्रदेश के खिलाड़ी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति उनके रास्ते में रुकावट पैदा कर रही है।

जिला हमीरपुर की चौकी जम्वाला गांव की दंगल गर्ल कृतिका जम्वाल ने कुश्ती प्रतियोगिताओं में प्रदेश के साथ देश का नाम रोशन किया है और कई मेडल, इनाम भी अपने नाम किए हैं। दंगल गर्ल के नाम से पहचान बना चुकी कृतिका अभी तक 35 नेशनल कुश्ती प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी है और अब तक 9 मेडल हासिल कर चुकी है। कृतिका का सपना है कि ओलंपिक 2028 के लिए गोल्ड मेडल लेकर आए, जिसके लिए लगातार कठिन अभ्यास कर रही है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए मेडल हासिल किया।

जम्वाल ने विशेष बातचीत के दौरान बताया कि हिमाचल प्रदेश में खिलाड़ियों को इतनी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जिससे वे प्रदेश का नाम ऊंचाइयों पर ले जा सकें। उन्होंने बताया कि वह राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर में बीए फाइनल की पढ़ाई पूरी कर रही हैं। वर्ष 2017 में दंगल से कुश्ती की शुरुआत हुई। इस कुश्ती में कृतिका ने दो नेशनल खिलाड़ियों को हराया था और दूसरे स्थान पर रही थी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से वह कुश्ती प्रतियोगिताओं में भाग ले रही है और कई मेडल अपने नाम कर चुकी है। वे 100 से अधिक दंगल लड़ चुकी है, जिसमें लड़कों को भी पटकनी दी है। उन्होंने बताया कि वह मंडी में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में लगातार हिमाचल केसरी बनती आ रही है। इसके अलावा पालमपुर, घुमारवीं में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में भी भारत केसरी का खिताब मिला था।

कृतिका जम्वाल।

पिछले दो वर्षों से लगातार संघर्ष कर रही है और इसके लिए पिछले डेढ़ साल से हरियाणा राज्य में स्थापित कुलदीप मलिक रेसलिंग अकादमी में प्रशिक्षण ले रही है। प्रशिक्षण के लिए प्रति माह 35 से 40 हजार रुपए खर्च हो रहा है जो माता-पिता के लिए वहन करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि यदि माता ज्योति देवी और पिता संदीप कुमार आर्थिक सहायता न करते तो नेशनल और इंटरनेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में मेडल जीतना मुश्किल था।

उन्होंने बताया कि सांसद अनुराग ठाकुर और सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा से भी कई बार इस आर्थिक सहायता करने को लेकर मिल चुकी है, लेकिन अभी तक कोई सहायता नहीं की गई। प्रदेश सरकार से भी आर्थिक सहायता की उम्मीद है, इसके लिए वह मुख्यमंत्री से शीघ्र मुलाकात करेंगी।

उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में अंतराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता जो अक्तूबर 2024 में यूरोप में आयोजित की गई, उसमें भी मेडल हासिल किया। अब अन्य प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही है, जिससे आने वाले ओलंपिक खेलों में देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सके। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

सहायक प्रेम कुमार सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित

सिरसा। अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में जिला बाल कल्याण परिषद में कार्यरत सहायक प्रेम कुमार को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि प्रेम कुमार जिला बाल कल्याण परिषद में सहायक पद पर अपनी सेवाएं दे रहें है। इससे पहले भी वे कई बार जिला प्रशासन द्वारा सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित हो चुके हैं। प्रेम कुमार कुशल लेखक भी हैं, गत दिनों हरियाणा प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन सिरसा द्वारा संचालित हरियाणा प्रादेशिक लघु कविता मंच के तत्वाधान में प्रेम कुमार की लघुकविता संग्रह ''दुनिया की भीड़ में'' का विमोचन किया गया। साथ ही उन्हें लघुकविता सेवी सम्मान तथा लघुकविता सृजन सम्मान भी प्रदान किया गया था।

ब्राह्मण सभा कोटखाई इकाई के अध्यक्ष बने सुरेंद्र शर्मा

भरत ठाकुर, कोटखाई। ब्राह्मण सर्वहितकारी मंच का गठन कार्यकारी अध्यक्ष एवं जिला शिमला ब्राह्मण सभा के उपाध्यक्ष गंगा राम शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। कोटखाई के गुम्मा में त्रिमूर्ति होटल में ब्राह्मण सभा की कोटखाई इकाई का गठन सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें देवरी खनेटी के डाहर गांव के सुरेंद्र शर्मा को अध्यक्ष, कोटखाई के पुजारली गांव के हंसराज शर्मा को उपाध्यक्ष, कुंदली के रमन आचार्य को महासचिव, रौणी के रजनीश शर्मा को कोषाध्यक्ष, भमराडा के नरेश शर्मा को सहसचिव,पुडग के शक्ति शर्मा को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। वहीं मार्ग दर्शक एवं सलाहकार के पद पर अम्बा दत्त शर्मा, विनोद शर्मा, प्रकाश शर्मा, हेम चंद्र शास्त्री, राजेश शर्मा, राविंद्र शर्मा व प्रकाश शर्मा को नियुक्त किया गया। बतौर कार्यकारिणी सदस्य सुखदेव शर्मा, संदीप शर्मा, नरेश शर्मा, राजेंद्र शर्मा, मोहिंद्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, राजेश रेवटा संजय शर्मा, शिशू पाल शर्मा, अनुप शर्मा, ईशु शर्मा, विशाल भारद्वाज, संदीप शर्मा व अक्षय शर्मा को मनोनीत किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार संजय राठी बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

सोलन। देश में पत्रकारों के एकीकरण और उन्नयन के लिए नई दिल्ली के हरियाणा भवन में मीडिया काउंसिल ऑफ जर्नलिस्ट्स का गठन किया गया, जिसका वरिष्ठ पत्रकार संजय राठी को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। उत्तर प्रदेश से उपजा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप शर्मा महासचिव, राजस्थान से जार के प्रदेश महासचिव घनश्याम एस बाघी कोषाध्यक्ष, मध्य प्रदेश से जंप के प्रदेश अध्यक्ष नवीन आनंद जोशी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के प्रदेश महासचिव मनोज गोयल प्रवक्ता, हिमाचल से शांति गौतम उपाध्यक्ष, दिल्ली से वीरेंद्र सैनी, जाकिर हुसैन, गाजियाबाद से ज्ञानेंद्र शर्मा सचिव, दिल्ली से जगदीश चंद्र वर्मा को सलाहकार सर्वसम्मति से चुना गया। इसके साथ ही बलदेव मल्होत्रा चंडीगढ़, रश्मि बालियान हरियाणा, जसबीर सिंह मलिक, अनिल आर्य चंडीगढ़, मध्य प्रदेश से महेंद्र शर्मा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में निर्वाचित किया गया। यह जानकारी मीडिया कौंसिल ऑफ जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता मनोज गोयल ने दी। उन्होंने बताया कि देश में पत्रकारों की समस्याओं को सही ढंग से उठाने और मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ स्थापित करने के उद्देश्य से इस मीडिया संगठन का गठन किया गया। हरियाणा से सोमबीर सिंह, मुकेश शर्मा, जयपाल सिंह लांबा, भारत ढिल्लन, डॉ. राजीव दलाल, डॉ. जोगिंदर ढुल, सुक्रम पाल, रश्मि बालियान, डॉ. प्रदीप बल्हारा, विपिन कुमार, रवि कंसल, चंडीगढ़ से अनिल आर्य, बलदेव मल्होत्रा, दिल्ली से साधना चौधरी, हर्ष गोयल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सलूणी में 100 क्विंटल कम बिका गेहूं का बीज

चंबा। विकास खंड सलूणी में एक बार गेहूं का बीज एक सौ क्विंटल कम बिका है। बारिश न होने के कारण किसान बीच खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं, जबकि हर साल पांच सौ क्विंटल से भी अधिक किसान गेहूं के बीज की डिमांड की जाती थी। इस बार किसानों की गेहूं की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद पूरी तरह टूट गई है। हर साल नवंबर में गेहूं की बिजाई हो जाती है। इस बार न तो बारिश हो रही और न ही अब गेहूं की बिजाई का समय बचा है। अगर पर्याप्त बारिश नहीं होती है, तो फसल की पैदावार प्रभावित हो सकती है। जिससे गेहूं का उत्पादन कम हो सकता है। इसका असर बीज की बिक्री पर भी पड़ता रहा है।

ढलोग पंचायत के कई गांवों के लोग मोबाइल सिग्नल से परेशान

मुकेश कुमार, डलहौजी

जिला चंबा में दो कंपनियां अपनी 5जी सेवा के लिए एक दूसरे को पीछे छोड़ने की होने लगी हुई है लेकिन विकासखंड भटीयत के तहत ग्राम पंचायत ढलोग के कई गांव इन दिनों कमजोर मोबाइल सिग्नल से परेशान हैं। बताते चलें कि ढलोग पंचायत के गांव बासा,धारद, ढलोग, बन्नी, बधाट् एवं थम्म गांव के सैकड़ों ग्रामवासी 5जी सिग्नल तो दूर की बात है 2जी सेवा से भी वंचित दिख रहे हैं।

गौर हो क्षेत्र के ज्यादातर स्कूल विंटर सेशन के हैं जहां सर्दी आते ही बच्चों को छुट्टियां दे दी जाती हैं और आज के इस हाईटेक जमाने में अगली कक्षा की पढ़ाई के लिए बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई का ही सहारा लेना पड़ता है जिसको लिए इन गांवों के बच्चे पढ़ाई के लिए पीछे रहे हैं। जिसको लेकर अभिभावकों ने एयरटेल एवं जिओ पर ठगी के आरोप लगाते हुए बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ के आरोप जड़ दिए हैं।

स्थानीय ग्राम वासियों की माने तो जिओ एवं एयरटेल का रिचार्ज लगभग 239 रुपए प्रति माह का किया जाता है जिसमें की 1 महीने की कॉलिंग एवं डेढ़ जीबी प्रतिदिन के हिसाब से 500 एसएमएस भी फ्री दिए जाते हैं ,लेकिन यह रिचार्ज मानो इन कंपनियों की देनदारी है जो पिछले काफी समय से यह ग्रामवासी देते आ रहे हैं ना तो ढंग से घरों के अंदर बात ही हो पाती है ना ही इंटरनेट सुविधा का यह पूरा फायदा ही उठा पाते हैं।

खराब मौसम में तो सिग्नल पूरे का पूरा ही चला जाता है जिससे ग्रामीणों को अच्छी खासी परेशानी का सामना उठाना पड़ता है। बताते चलें कि किसी आपातकालीन स्थिति में 108 को या किसी भी नंबर पर भी कॉल करना अत्यंत मुश्किल हो जाता है क्योंकि बिना सिग्नल के कॉलिंग सुविधा भी उपलब्ध नहीं रहती या जिन जगहों पर कॉलिंग होती है तो वहां आवाज कट कट कर जाती है जहां सुनने और करने वाले दोनों को एक दूसरे की आवाज समझ तक नहीं आती।

ग्राम पंचायत ढलोग के वार्ड पंच मानसिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने इस विषय को लेकर कई बार जिओ ऑफिस संपर्क किया जहां उन्होंने लिखित एवं मौखिक रूप से शिकायत भी दर्ज करवाई और ऑफिस द्वारा उन्हें आश्वस्त भी किया गया की बहुत जल्द उनकी इस समस्या का हल कर दिया जाएगा।

किंतु आज तक यह समस्या ज्यों की त्यों बरकरार है। उन्होंने यह भी बताया कि जिओ और एयरटेल जिला में 5जी सेवा को लेकर दावे तो जरूर पेश कर रहे हैं लेकिन यह दोनों कंपनियों के दावे जमीनी स्तर पर खोखले हैं।(अनंत ज्ञान)

जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं इंटरनेट सेवा

जिला चंबा के जो ग्रामीण क्षेत्र हैं वह आज भी पूरी तरह से इंटरनेट सेवा का भरपूर लाभ नहीं उठा पा रहे यह लाभ सिर्फ और सिर्फ ज्यादा आबादी वाले क्षेत्रों को ही मिल पा रहा है और जहां आबादी कम है वहां के लोग तो महज रिचार्ज सिर्फ कंपनी की देनदारी के रूप में ही पैसे बर्बाद करते आ रहे हैं। लेकिन जो सुविधा कंपनियां देने की दावे करती हैं उन सुविधाओं का लाभ इन्हें नहीं मिल पा रहा है। मानसिंह ने मोबाइल कंपनियों को चेताया है कि अगर भविष्य में इन दोनों कंपनियों द्वारा इन इलाका वासियों की शिकायत का निवारण नहीं किया गया तो कोई बहुत जल्द कंज्यूमर कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

निशुल्क नेत्र शिविर में 462 लोगों ने करवाया चेकअप

कैंप के दौरान मौजूद गणमान्य व नीचे चेकअप करवाते लोग।

अनंत ज्ञान, चंबा

जेएसडब्ल्यू एनर्जी कुठेहर द्वारा दो दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर का रविवार को समापन हो गया। दो दिनों तक चलने वाले इस निशुल्क नेत्र शिविर में 462 लोगों की स्क्रीनिंग हुई जिसमें तकरीबन 400 आंख के मरीजों को नजर के चश्मे मुफ्त में मुहैया करवाए गए और तकरीबन 80 से अधिक लोग मोतियाबिंद आईडेंटिफाई हुए।

जिनका मुफ्त में ऑपरेशन अगले कुछ दिनों में विद्युत कंपनी द्वारा करवाया जाएगा। जेएसडब्ल्यू एनर्जी कुठेहर लिमिटेड सीएसआर के तहत इस हेल्थ कैंप का आयोजन करवाया गया। एस एम आर कांगड़ा के आई स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने यहां पर नेत्र जांच शिविर लगाया गया। दो दिनों तक चलने वाले इस नेत्र क्षेत्र में पहले दिन गरोला में लोगों की आंखों की जांच की गई तो वहीं दूसरे दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होली में लोगों की आंखों को जांचा गया।

इसकी जानकारी देते हुए प्रोजेक्ट हेड संजीव महाजन को सर के जितेंद्र कुमार ने कहा है कि भविष्य में भी सीएसआर के तहत इस तरह के कैंप आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने प्रशासन द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भी प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

मुख्य विपक्षी दल के लिए समोसे और मुर्गा हिमाचल के मुख्य मुद्दे : मनीष

अनंत ज्ञान, चंबा

पक्ष और विपक्ष ही एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करते हैं परन्तु जहां विपक्ष जनता के मुख्य मुद्दों से हट कर ओछी राजनीती करे वहां जनता का हित नहीं हो सकता। ऐसा कहना है आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष सरीन का। उन्होंने कहा की जिस प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल समोसों व मुर्गे की राजनीती में खोया हो वहां मुख्य मुद्दे जैसे कर्ज का बोझ, जिसमे दोनों भाजपा और कांग्रेस की सरकारों की हिस्सेदारी है, सरकारी स्कूलों का विलय, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, महंगाई यह सब मुद्दे कहीं खो से जाते हैं। मनीष सरीन ने कहा की यह शर्म की बात है की नेता प्रतिपक्ष के लिए जनता के मुख्य मुद्दों की कोई अहमियत नहीं है। मनीष ने कहा की उन्हें हैरत होती है की ये वही भाजपा है जो विरोध करने के लिए सड़क पर कभी सिलेंडर के साथ उतर जाती थी तो कभी बैलगाड़ी लेकर संसद पहुंचती थी पर अब उस विपक्षी दल की विरोध करने की शैली समोसों और मुर्गे तक सीमित होना दुर्भाग्यपूर्ण है। विधानसभा शीतकालीन सत्र में नेता प्रतिपक्ष अपना कर्तव्य पालन करें तथा समोसों व मुर्गे की राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश की जनता के असल मुद्दों को विधानसभा में उठाएं।

चंबा चुख की तर्ज पर एफपीओ बनाएगा धाड़ता चुख

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

एफ़पीओ धर्मपुर ने स्थानीय उत्पादों की संख्या बढ़ाने और उनकी नियमित बि क्री के लिए मॉर्केटिंग नेटवर्क को सुदृढ़ करने की योजना तैयार की है। जिसके लिए मॉर्केटिंग ग्रुप का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष सत्तपाल चौहान, रजनी सकलानी, रोहित गुलेरिया, तारा चंद,राजेश कुमार और प्रेम सिंह को शामिल किया गया।

एफपीओ के अध्यक्ष सत्तपाल और कार्यकारी महासचिव डॉ. कुलदीप गुलेरिया ने बताया कि एफ़पीओ सोमवार से पहाड़ी इलाकों में पैदा होने वाली दालें जिनमें चार प्रकार के राजमाह 250 रुपए किलो पहाड़ी माह 240 कोल्थ 250 रुपए लाल चावल 250 रु उपभोक्ताओं को उपलब्ध सोमवार से उपलब्ध होंगे। इसके अलावा मक्की का आटा 60 रुपए कोदरे का आटा व मिश्रित आटा 120 तथा शुगर कंट्रोल आटा 150 रुपए मिलेगा।

एफपीओ ने हल्दी पाउडर के साथ साथ गर्म मसाले भी तैयार करने की योजना बनाई गई। इसके अलावा स्थानीय फ़लों का अचार भी तैयार किया गया है यहीं नहीं तनियार-टिहरा के धाड़ता एग्रो प्रोसेसिंग एन्ड मॉर्केटिंग नेटवर्क ने चंबा चुख की तर्ज पर चुख तैयार की है जिसे धाड़ता चुख का नाम से 300 रुपए किलो से बिक्री तथा इसके लिए लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इसके अलावा व 300 रु किलो की दर से सेब का आचार भी बिक्री किया जा रहा है। इससे पहले सकोह-सिद्धपुर में बांस, लसुड़ों व एलोवेरा, हरड़ व आंवला का आचार पहले से ही मार्केट किया जा रहा है।यही नहीं सेवईयां, बड़ियां, सिरा व अन्य खाद्य सामग्री भी तैयार की है। ये सभी उत्पाद टिहरा, संधोल, धर्मपुर, मढ़ी,बरोटी, मंडप, सजाओपीपलु, भराड़ी, कांगों का गहरा,चोलथरा, सरकाघाट इत्यादि स्थानों पर स्थापित सेल्ज सेंटरों में उपलब्ध होगा और महीने में दो बार पहले व तीसरे मंगलवार को मोबाइल गाड़ी से भी मार्केटिंग की जाएगी।

इसके अलावा ऑनलाइन मॉर्केटिंग के माध्यम से भी उत्पाद बिक्री किये जायेंगे। एफ़पीओ किसानों द्वारा उगाई गई हल्दी की खरीद 35 रुपए साफ करके एफओरआर भराड़ी और 25 रुपए उनके गांवों में ख़रीद करेगा।

श्रद्धालुओं ने बाबा बालकरूपी के किए दर्शन

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

उपमंडल के प्रसिद्ध बाबा बालकरूपी मंदिर में 50वें वार्षिक भंडारे का आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ। युवक मंडल बालकरूपी के सौजन्य से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में करीब 2700 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और बाबा बालकरूपी के दर्शन किए। युवक मंडल के प्रधान राजीव शर्मा ने बताया कि सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में जुटने लगी थी। भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया।

इस भंडारे को सफल बनाने के लिए युवक मंडल के सदस्यों ने विशेष प्रयास किए। स्थानीय लोगों के बीच इस आयोजन को लेकर खास उत्साह देखा गया। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण के बीच भंडारा संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना के साथ बाबा बालकरूपी के चरणों में शीश नवाया। भंडारे का समापन पारंपरिक रीति-रिवाजों और मंगल कामनाओं के साथ किया गया।

बालकरूपी मंदिर में भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

बालकरूपी मंदिर में 50वें वार्षिक भंडारे का भव्य आयोजन

एडीसी रोहित राठौर ने मेधावियों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, नेरचौक

बगला स्थित सेंट फ्रांसिस कॉन्वेंट स्कूल में जूनियर वर्ग का वार्षिक समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें बतौर मुख्यातिथि एडीसी रोहित राठौर उपस्थित हुए और सम्मानित अतिथि के रूप में लेखराज राणा शामिल रहे ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया और स्कूल प्रबंधन द्वारा मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि के सम्मान में उन्हें साल टोपी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य एकता ने स्कूल की रिपोर्ट पेश करते हुए स्कूल की उपलब्धियों और गतिविधियों से सभी को अवगत करवाया कार्यक्रम में प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण कर रहे नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं ने बेहतर एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियां प्रदान कर सभी का मनोरंजन किया।

मुख्य अतिथि रोहित राठौर द्वारा सभी को मेडल और प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य भंगरोटू स्कूल किशन बुशैहरी, बडसू पंचायत के प्रधान गोविंद राम सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग शामिल हुए।

सामूहिक चित्र में विद्यार्थी एवं मुख्यातिथि व अन्य ।

सेंट फ्रांसिस कान्वेंट स्कूल में वार्षिक समारोह की रही धूम

सूडोकु 0017 (मध्यम)

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 0016 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

16 दिसंबर, 2024, सोमवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** मार्गशीर्ष, **तिथि** प्रतिपदा (12:29): **नक्षत्र** आर्द्रा (01:14), **पक्ष** : कृष्ण **योग :** शुक्ल (11:21) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (11:56-12:37), **राहुकाल** (8:24 -09:42)।

विशेष दिन

16 दिसंबर, रसिक माधुरी जयंती।

16 दिसंबर, पौष माह आज से शुरू

मेष: आज का दिन कई अनुभवों से युक्त होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सफलता के कारण आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृषभ: आय से अधिक खर्च न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। आपके प्रयासों से व्यवसाय का तनाव समाप्त हो सकेगा। कारोबार में नए प्रस्ताव मन में उत्साह पैदा करेंगे।

मिथुन: अपनी सोच को बदलें। दूसरों को निचा दिखाने का प्रयास न करें। प्रतियोगी परीक्षा में प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी।

कर्क: दिन की शुरुआत से ही कार्य प्रभावित होंगे। आय में वृद्धि होगी। अपनी बुद्धिमानी से आर्थिक स्थिति सुधरेगी। संतान उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगी।

सिंह : आज यश, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी।

कन्या : आज यश, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। दोस्तों से भेंट, उपहार मिलेगा।

तुला: मित्रों के सहयोग से निजी समस्या का समाधान होगा। व्यापार में प्रगति के योग हैं। अधिकारों का गलत प्रयोग नहीं करें।

वृश्चिक: लंबे समय के बाद व्यापार में लाभकारी परिवर्तन हो सकते हैं। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर काम करें। समय अनुकूल है। उसका सदुपयोग करें। यात्रा संभव है।

धनु : आज धार्मिक आस्था बढ़ेगी। कार्य के प्रतिदृढ़ता आपको आज कार्य में अनुकूल सफलता दिलवाने वाली है। नौकरी में तबादला तथा पदोन्नति के योग हैं।

मकर : जीवनसाथी के व्यवहार में उग्रता रहेगी। व्यवसायिक नवीन गतिविधियां लाभकारक रहेंगी। बुद्धि चातुर्य से अनेक कार्य सफल होंगे।

कुंभ : आज का दिन व्यस्तता पूर्वक रहेगा। जीवनसाथी के व्यवहार में उग्रता रहेगी। व्यवसायिक नवीन गतिविधियां लाभकारक रहेंगी।

मीन : आप व्यर्थ के दिखावे एवं आडंबरों से दूर रहें अन्यथा दिक्कतें बढ़ सकती है। निजी जीवन में भी ध्यान दें।

विधायक बलबीर को सांस्कृतिक महासंघ की सौंपी कमान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश ठोडा खेल एवं सांस्कृतिक महासंघ की बैठक ओपी मेहता की अध्यक्षता में हुई। इसमें हिमाचल प्रदेश ठोडा खेल एवं सांस्कृतिक महासंघ अध्यक्ष का चुनाव हुआ। जिसमें चौपाल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बलबीर सिंह वर्मा को दूसरी बार हिमाचल प्रदेश ठोडा खेल एवं सांस्कृतिक महासंघ की कमान सौंपी गई।

उनके साथ बीएम नानटा भारतीय प्रशासनिक अधिकारी को मुख्य सलाकार और राजेश भंडारी सचिव ओलिंपिक असोसिएशन अंतरराष्ट्री खेल प्रशासक को हिमाचल प्रदेश ठोडा खेल एवं सांस्कृतिक महासंघ के सलाहकार बनाए गए।

अजय श्याम, केशव चौहान, नरेश चौहान, भानू झागटा को संरक्षक बनाया गया। हिमाचल प्रदेश ठोडा खेल एवं सांस्कृतिक महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व प्रेस सचिव सनाईक एम आर वर्मा ने कहा कि इस बैठक में उपाध्यक्ष अमी चंद चंदेल, राजिंदर चंदेल कानून सलाहकार सुरेश वर्मा, राय सिंह भारती, देहा गुंड के प्रधान मोहन ठाकुर व महासचिव दलीप सुमन, चौपाल जॉन के प्रधान नरबीर दिलाईक, महासचिव रविंद्र चौहान नेरवा जोन के प्रधान गोपाल चौहान महासचिव शिवदेव रथटा फागू से प्रेम सिंह वर्मा,योगेश चंदेल, सुनील झगटा व गोविंद चंदेल शीला गुड से लवीश चंदेल गुड से सुरेश वर्मा भानू झागटा यह बैठक केसी विलास फागू के मालिक केशव चौहान जो आज संरक्षक बनाया गया। कटाई टीम के प्रधान धनी राम भी मौजूद रहे।

महासंघ की बैठक के दौरान मौजूद गणमान्य।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोके सरकार : ब्राह्मण सभा

अनंत ज्ञान, मंडी

हिमाचल प्रदेश ब्राह्मण सभा जिला मंडी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अनाचार व अत्याचारों को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं व इसके लिए गंभीरता से कूटनीतिक प्रयास किए जाएं।

रविवार को सुंदरनगर के ब्यास व्यू गेस्ट हाउस में जिला कार्यकारी अध्यक्ष रमेश शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों, जिला की सभी मंडलों के प्रधान, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए जिला महासचिव डॉ. ओम शर्मा ने बताया कि इस बैठक में महापौर वीरेंद्र भट्ट विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। ब्राह्मण सभा ने पिछले तीन महीनों के मंडलों के कार्यो की समीक्षा की तथा आगामी कार्यक्रम की घोषणा की।

मंच का संचालन करते हुए महासचिव डा ओम शर्मा ने सभी से सहभागिता समन्वय बनाकर कार्य करने का आवाहन किया तथा संबोधित करते हुए कहा कि जागरूक होकर अपने आस पास के खतरों लव जिहाद जमीन जिहाद पर नजर रखे। सभा में प्रस्तावों पर चर्चा कर पारित किया गया और आश्वासन दिया गया की शीघ्र यह प्रस्ताव उपायुक्त के माध्यम से भारत सरकार के राष्ट्रपति को भेजा जायेगा। यह भी निर्णय लिया गया की मंडल स्तर पर जमीन लेकर ब्राह्मण सभा भवन का निर्माण किया जायेगा तथा 19 दिसंबर को धर्म संघ द्वारा आयोजित होने वाली आक्रोश सभा मे भाग लेगी ब्राह्मण सभा।

इस बैठक में उठाई गई मांगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अनाचार व अत्याचारों को तुरंत रोकने, सनातन बोर्ड का गठन करने, हिंदू मंदिरों को सरकारी अधिग्रहण से बाहर करके उनके उत्थान हेतु कार्य करने, आरक्षण की व्यवस्था का आर्थिक आधार पर करने तथा ब्राह्मण कल्याण बोर्ड के सदस्यों की नियुक्ति करके इसकी बैठक बुलाने की मांग उठाई गई।

ब्राह्मण सभा की बैठक में भाग लेते हुए पदाधिकारी व सदस्य।

डलहौजी में हरियाणा के पर्यटक की गई जान

डलहौजी। पर्यटन नगरी डलहौजी घूमने आए हरियाणा के एक पर्यटक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पर्यटक की पहचान प्रदीप (26) पुत्र कर्मवीर सिंह निवासी निलोठी तहसील बहादुरगढ़ जिला झज्जर हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी जगबीर सिंह के अनुसार कुछ लोग हरियाणा से डलहौजी आए थे और यहां एक निजी होटल में ठहरे हुए थे।

दिनभर घूमने के बाद वे अपने होटल में जाकर आराम करने लगे। शाम को तबीयत खराब हो गई, जिस पर अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अगर जीवन में संघर्ष न रहे, किसी भी भय का सामना न करना पड़े तो जीवन का आधा स्वाद ही समाप्त हो जाता है। -सुभाष चंद्र बोस

संपादकीय

मुर्गे पर बवाल

छोटे से हिमाचल प्रदेश में कई हॉट टॉपिक चर्चा का विषय बन रहे हैं। चर्चा भी ऐसी कि पूरे देश में हिमाचल का नाम हो रहा है। एक नाम प्रसिद्धि दिलाता है और एक नाम बदनामी। जिस तरह से हिमाचल में लगातार किसी न किसी मुद्दे पर सुक्खू सरकार घिरती जा रही है वो वाकई शर्मनाक है। हाल ही में टॉयलेट सीट टैक्स के बाद समोसा कांड हुआ। इन दोनों झमेलों से सुक्खू सरकार निकली ही थी कि अब हीटर और कुकर जैसे मुद्दों में उलझकर रह गई है। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस में हीटर और कुकर का टिकट काटने पर हर जगह बहस छिड़ गई है। अहम बात है कि सरकार टॉयलेट सीट और समोसा कांड के बाद इन दोनों मुद्दों पर आलोचना का शिकार हो रही है। यही नहीं, इसी कड़ी में एक और ताजा विवाद तब जुड़ गया जब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शिमला जिले के कुपवी के दौरे पर गए थे। इस दौरान उनके साथ जनता के लिए भी डिनर तैयार किया गया। उस डिनर में जंगली मुर्गे के परोसे आने का उल्लेख हो रहा है। मेन्यू का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है और भाजपा ने इसे मुद्दा बना लिया है।

भाजपा आरोप लगा रही है कि संरक्षित प्रजाति का जंगली मुर्गा मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में परोसा गया जो कि नियमों का उल्लंघन है। मुख्यमंत्री इस आरोप का खंडन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नॉनवेज पहाड़ी क्षेत्र का जीवन है, लेकिन मैं इसका आहार नहीं करता। अब इस सारे मामले पर राजनीति शुरू हो गई है। अब सवाल यह है कि जंगली मुर्गे की बात आई तो कहां से। अगर कहीं धुआं उठा है तो आग भी जरूर लगी होगी। यह सब तो जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि जंगली मुर्गा परोसा गया था कि नहीं। पूर्व सीएम और भाजपा नेता जयराम ठाकुर सोशल मीडिया पर सरकार को आड़े हाथ ले रहे हैं। वह कह रहे हैं कि पूर्व में भाजपा सरकार के शुरू किए गए जनमंच के दौरान फुलके परोसे गए, तो कांग्रेस को अखर गए लेकिन अब खुद जंगली मुर्गे खा रहे हैं। सरकारी कार्यक्रम में जंगली मुर्गे जैसे संरक्षित पक्षी का परोसा जाना वन्य जीव संरक्षण कानून का सरासर उल्लंघन माना जाता है। यह देवभूमि हिमाचल की परंपराओं और पर्यावरण के प्रति हम सबकी संवेदनशीलता का अपमान जैसा होता है। यह भी सच है कि जंगली मुर्गा रेड कैटेगरी में आता है और इसका शिकार नहीं किया जा सकता। देश के वन्य जीव संरक्षण का कानून में 2022 में संशोधन किया गया था। संशोधित सूची में जंगली मुर्गा भी शामिल है। यह संरक्षित जीवों की शेड्यूल 2 में शामिल है। वहीं प्रकृति संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ की रेड लिस्ट में भी जंगली मुर्गा को रखा गया है। जंगली मुर्गी का शिकार किए जाने पर 3 साल की कैद भी हो सकती है या फिर 25000 जुर्माना या फिर दोनों ही हो सकती हैं। वन्य प्राणी अपराध गैर जमानती है। डिनर का वीडियो वायरल बहुत कुछ कह रहा है।

भोज के वीडियो से आ रही आवाज पर गौर किया जाए, तो मुख्यमंत्री ने जंगली मुर्गी के मारे जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि आप जंगली मुर्गी को कैसे मार सकते हो? वह यह भी कह रहे हैं कि मैं पहले खाता था लेकिन अब नहीं खा सकता। निश्चित रूप से वह जंगली मुर्गी के संरक्षित पक्षी होने के कारण ही ऐसी बात कह रहे हैं। बहरहाल अगर जंगली मुर्गा मारा गया है तो उसकी निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए और जिसने भी खाया है उसको सजा दी जानी चाहिए, लेकिन अगर यह झूठी बात साबित हुई तो उसका क्या ? महज राजनीति चमकाने के लिए इस तरह की बयानबाजियां किसी भी सूरत में सही नहीं हैं। राजनेताओं को स्वच्छ राजनीति करनी चाहिए और फालतू के विवादों से बचकर रहना चाहिए। देशभर में हिमाचल की एक अपनी छवि है। यहां के भोले भाले और ईमानदार लोग कभी घोटालों में नहीं फंसे, लेकिन इस तरह की राजनीति भविष्य में न जाने किसी ओर ले जाएगी, इस बात पर चिंतन और मंथन करने की बेहद जरूरत है। जब तक हम इन छोटी-मोटी बयानबाजियों से ऊपर नहीं उठा पाएंगे, तब तक हम प्रदेश हित की बात नहीं कर पाएंगे। आज जरूरत इस बात की है कि प्रदेश की बिगड़ती आर्थिक दशा को कैसे सुधारा जाए और 96000 करोड़ रुपए से ज्यादा कर्ज के बोझ को कैसे कम किया जाए। यह तभी संभव है जो पक्ष-विपक्ष दोनों मिल बैठकर इस समस्या का विस्तार से हल निकालेंगे। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारत के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों में से एक

हवा सिंह भारत के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों में से एक थे। हवा सिंह ने वर्षों तक मुक्केबाजी के खेल को नई दिशा दी तथा देश का नाम रोशन किया। पहले बॉक्सर के रूप में देश की सेवा की और अंत तक खेल से जुड़े रहे। उन्हें 1966 में 'अर्जुन पुरस्कार' प्रदान किया गया तथा 1968 में थलसेना अध्यक्ष द्वारा उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की ट्राफी प्रदान की गई। वर्ष 1999 में हवा सिंह के लिए 'द्रोणाचार्य पुरस्कार' घोषित किया गया। हवा सिंह का जन्म उमरवास, भिवानी (हरियाणा राज्य) में हुआ था। उनका नाम भारत में ही नहीं एशिया में 'हेवीवेट विजेता' के रूप में प्रसिद्ध रहा। उन्होंने एशियाई खेलों में न केवल हैवीवेट का खिताब जीता, वरन् अगले एशियाई खेलों तक उसे बरकरार रखा। हवा सिंह ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रतियोगिताएं जीतीं, बल्कि अनेक बॉक्सरों ने हवा सिंह से ट्रेनिंग लेकर विजय प्राप्त की। उन्होंने अनेक मुक्केबाज कोचों को भी सफलता के गुर सिखाए। हवा सिंह को बाक्सिंग के खेल में महारत हासिल थी। उन्होंने दो बार एशियाई स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर पूरे एशिया में प्रशंसा व प्रसिद्धि पाई। ऐसा लगता था कि रिंग में उनका मुकाबला करने का दमखम किसी में नहीं था। वह अपने क्षेत्र में बेहतरीन एवं सर्वश्रेष्ठ रहे। उन्हें पहली सफलता एशियाई स्तर पर 1966 में बैंकाक एशियाई खेलों में मिली, जब उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। दूसरी बार 1970 के बैंकाक एशियाई खेलों में हवा सिंह ने पुनः अपनी सफलता को दोहराया और स्वर्ण पदक हासिल किया। उनके इन दो स्वर्ण पदकों ने भारतीय मुक्केबाजी में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा दिया। आज तक मुक्केबाजी में इतनी सफलता कोई अन्य खिलाड़ी हासिल नहीं कर सका है। हवा सिंह ने एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने के अतिरिक्त भारतीय बाक्सिंग के इतिहास में अन्य कई शानदार पन्ने जोड़े। ■

हवा सिंह
जन्म : 16 दिसंबर, 1937
मृत्यु : 14 अगस्त, 2000

कविता

बरखा अब तो आ जा

राजेंद्र पालमपुरी

आ री बरखा अब तो आ जा
प्यासी धरती प्यास बुझा जा
खेत हैं सूखे तुझे पुकारे
देर हुई है अब तो आ रे
मेघ धरा पर बरसा जा
आ री बरखा अब तो आ
तुझे कोसता देख किसान
कहां गया रे तू भगवान
व्याकुल मन को धीर बंधा जा
आ री बरखा अब तो आ
क्या बीजू मैं काटूं क्या
क्या रखूं और बांटू क्या
यह भी तो कुछ बतला जा
आ री बरखा अब तो आ

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 पर भेज सकते हैं।

भारतीय संविधान किताब नहीं, भारत की आत्मा

भारतीय संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संसद में हो रही चर्चा तब तक बेमानी है जब तक मौजूदा दौर में उत्पन्न समस्याओं का हल न खोजा जा सके और यह तभी संभव है जब राजनीतिक दल अपने मन मुटावों को दरकिनार कर देशहित के लिए एक साथ निर्णय लें। चर्चा की सार्थकता और निरर्थकता का मूल्यांकन करना एक जटिल काम है। एक ओर, संसद में संविधान पर चर्चा करने से देश के शासन, कानून और नागरिकों के अधिकारों को परिभाषित करने में मदद मिलती है। यह चर्चा देश के विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। दूसरी ओर संसद में संविधान पर चर्चा करने में अक्सर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद और विरोधाभास देखे जाते हैं। यह चर्चा कभी-कभी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाती है, जिससे देश के विकास और प्रगति के लिए आवश्यक निर्णय लेने में देरी होती है। संविधान पर चर्चा करने में अक्सर समय और संसाधनों की बर्बादी होती है। यह चर्चा कभी-कभी इतनी लंबी और जटिल हो जाती है कि देश के विकास और प्रगति के लिए आवश्यक निर्णय लेने में देरी होती है।

यथार्थ

लेखक : समरजीत
संपादक, अनंत ज्ञान

हालांकि यह चर्चा देश के विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका उपयोग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। भारत का संविधान एक लिखित दस्तावेज है जो देश के शासन, कानून और नागरिकों के अधिकारों को परिभाषित करता है। यह संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था और 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था। 296 चुने हुए लोग, लगभग तीन साल का समय और 12 सत्र तथा 167 बैठकों के बाद भारत ने खुद को अपना संविधान दिया। इतिहास में पहली बार धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा में बंटा यह भू-भाग एक संप्रभुता संपन्न राष्ट्र बना। हमारा संविधान महज एक किताब नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। संविधान वह ग्रंथ है जो सरकार, प्रशासन और व्यवस्था के तमाम अंगों को कामकाज की शक्ति देता है। साथ ही उसका दायरा भी तय करता है। यानी देश कैसे चलेगा, सरकार किस तरह से काम करेगी और व्यवस्था का हर अंग कैसे काम करेगा यह सब संविधान से तय होता है। संविधान के महत्व को समझने के लिए यदि आप सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट से सरकार के फैसलों को बदलने या रद्द किए जाने के मामलों को याद करें तो काफी कुछ स्पष्ट हो जाएगा। अदालतें ऐसा इसलिए करती हैं, क्योंकि सरकार, संसद या राज्य विधान में कोई भी फैसला संविधान का उल्लंघन करने वाला नहीं हो सकता है। इसका अर्थ यह हुआ कि देश में जो कुछ भी होगा वह संविधान के मुताबिक ही होगा। दुनिया में जब से शासन व्यवस्था कायम हुई तब से शासन के नियम तय किए जाने लगे।

भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद और अथर्ववेद में सामान्य लोगों की सभा और वरिष्ठ जनों की समिति के जरिए शासन प्रशासन के काम की व्यवस्था का जिक्र है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र पाणिनि के अष्टाध्याय में शासन की व्यवस्था उसके अलग-अलग अंगों के अधिकार जैसी बातों का ब्यौरा मिलता है। चक्रवर्ती सम्राट अशोक के शिलालेख भी एक तरह से शासन की व्यवस्था का ही बखान करते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ज्यादातर स्वतंत्रता सेनानी कानून के जानकार थे। उन्होंने महसूस किया कि भारत को शासन व्यवस्था बनाने के लिए नियमों की जरूरत है। वह चाहते थे कि शासन व्यवस्था के नियम तय करने के लिए भारत के बुद्धिजीवी लोगों की संविधान सभा गठित हो, लेकिन ब्रिटिश सरकार इसके लिए सहमत नहीं थी।

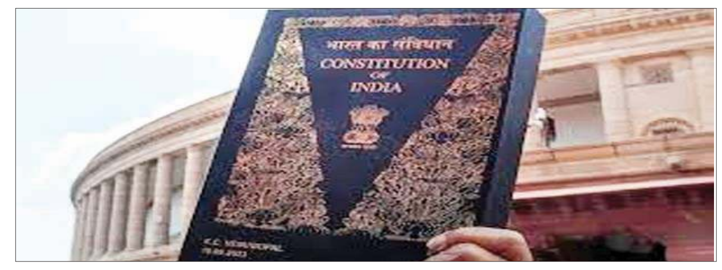

1935 में अंग्रेजों ने इस मांग को शांत करने के लिए अपनी तरफ से गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट बनाया, लेकिन कांग्रेस ने इसका यह कहकर विरोध किया कि यह भारत के लोगों ने नहीं बनाया है। आखिरकार दूसरे विश्व युद्ध के बाद जब भारत की आजादी की संभावनाएं बढ़ने लगी तब संविधान का गठन किया गया। संसद और न्यायपालिका के बीच काम का बंटवारा भारतीय संवैधानिक व्यवस्था का एक बहुत अहम हिस्सा है। कई देशों में संसद की शक्ति अपार होती है। न्यायपालिका भी उस पर नियंत्रण नहीं लग पाती है, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। संसद को कानून बनाने का अधिकार दिया गया है। हर कार्य की समीक्षा न्यायपालिका करती है। अगर कानून के दायरे से बाहर है तो उसे निरस्त भी कर सकती है। संसद में जिस तरह से संविधान पर चर्चा चल रही है उसे देखकर बेहद दुख होता है, क्योंकि इस चर्चा में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने के सिवाय कुछ नहीं दिख रहा। चर्चा इस बात की होनी चाहिए थी कि आज हम जिन परिस्थितियों और जिन हालातों से गुजर रहे हैं उसे देखते हुए संविधान में संशोधन अपनी जरूरतों के हिसाब से कैसे हो सकता है? सांसद न अधिकारों की बात कर रहे हैं न ही कर्तव्यों की। बात हो रही है तो सिर्फ एक-दूसरे को नीचा दिखाने की।

जनता को जो अधिकार चाहिए उन पर कोई राजनेता बात नहीं करता। अगर हमारे संविधान निर्माता आज जिंदा होते तो वह निश्चित रूप से इस बात की चर्चा करते कि कि नागरिकों के अधिकारों के साथ कर्तव्य को कैसे और ज्यादा बेहतर ढंग से परिभाषित किया जाए। अब राजनीतिक मूल्यों का अवमूल्यन भी होने लगा पड़ा है, क्योंकि राजनीतिक दल अब अपना नफा नुकसान देखने लग पड़े हैं और देश हित को तवज्जो देना छोड़ रहे हैं। आज जो समस्याएं बनकर उभर रही हैं वह पहले नहीं हुआ करती थी। हमारे संविधान निर्माताओं ने पर्यावरण की सुरक्षा को भी अधिक महत्व दिया था, क्योंकि वह जानते थे कि आने वाले समय में जनसंख्या के बढ़ते दबाव और वाहनों की तादाद के कारण पर्यावरण दूषित हो सकता है। जिस तरह से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बेहद ज्यादा मात्रा में पराली जलाई जा रही है उससे पर्यावरण बेहद खतरनाक दौर में पहुंच गया है। लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है और वह कई बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, लेकिन संसद में इस बात पर कोई चर्चा नहीं होती है। हालांकि इस पर रोक और कार्रवाई करने के लिए कानून तो बनाए गए हैं, लेकिन राजनीतिक हित सामने आ जाते हैं।

आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में साइबर क्राइम बहुत बड़ी समस्या बनकर उभर रहा है, लेकिन हमारे नीति नियंताओं को इससे कोई सरकार नहीं है। इस जटिल समस्या पर कैसे काबू पाना है इस बात की चर्चा भी संसद में होनी चाहिए। आज राजनीतिक दल बेशक सुधार करना भी चाहें तो वह पूरे जोर-शोर से नहीं कर पाते हैं क्योंकि इसमें भी उन्हें इस बात का भय रहता है कि कहीं कोई कानून बनाते वक्त उन्हें कोई राजनीतिक हानि न हो जाए। संविधान निर्माताओं ने संविधान बनाते वक्त नीति नियंताओं से यह उम्मीद की थी कि वह आगे चलकर देश के सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून बनाएं, लेकिन आज तक यह संभव नहीं हो पाया है। यह विडंबना ही है कि हर चीज में राजनीतिक रोड़ा आ ही जाता है। बहरहाल सब चीजों से परे सुखद यह है कि हमारा संविधान दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को महान बनाता है।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

नजरिया

डिजिटल अरेस्ट से ठगी : कहां छुपी है नाकामी

21वीं सदी के भारत में डिजिटल विकास काफी तेजी के साथ हो रहा है। इसको लेकर राजीव गांधी से लेकर मोदी सरकार तक अपनी पीठ थपथपाती रहती हैं। समय के साथ डिजिटल भारत की तस्वीर भी बदल रही है। लोगों की सोच और लाइफ स्टाइल दोनों चेंज हो गए हैं। आज के युग में मोबाइल या लैपटॉप पर मात्र उंगलियों को घुमाकर सब कुछ हासिल किया जा सकता है। तमाम तरह की सुविधाएं जुटाई जा सकती हैं।

लेखक : अजय कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

सबसे खास बात यह है कि डिजिटल दुनिया का फायदा समाज के पढ़े-लिखे तबके के साथ-साथ कम पढ़े लिखे और यहां तक की अशिक्षित लोग भी बखूबी उठा रहे हैं, लेकिन डिजिटल विकास अपने साथ तमाम खूबियां लेकर आया है तो कुछ खामियां भी इसके साथ आ गई हैं। डिजिटल विकास की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफार्म भी मजबूत हुआ है, जो पूरी तरक से स्वतंत्र है, बिना किसी प्रतिबंध के चलता है। इससे भी खास यह है कि इसकी कोई सीमा नहीं है। सात समुंदर पार बैठा शख्स भी चाहे-अनचाहे किसी से नजदीकियां बढ़ा सकता है, लेकिन इस शख्स की सोच के बारे में कोई डिवाइस नहीं बता सकती है कि वह किस श्रेणी का इंसान है। साइबर अपराध या साइबर सुरक्षा खतरा काफी दुर्भावनापूर्ण है, जो डेटा को नुकसान पहुंचाने, डेटा चुराने या सामान्य रूप से डिजिटल जीवन को बाधित करने का प्रयास करता है।

साइबर खतरों में कंप्यूटर वायरस, डेटा उल्लंघन, सेवा से इनकार और अन्य हमले के तरीके शामिल हैं। साइबर के इसी खतरे का सबसे नया प्रारूप है कथित तौर किसी को डिजिटल अरेस्ट करके उससे ठगी करना। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तो पिछले तीन दिनों में ही साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट की दो बड़ी वारदातें कर डालीं।

पहली घटना 17 नवंबर की है जब पीजीआई क्षेत्र में रहने वाली रिटायर्ड शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट करके से साइबर अपराधियों ने 18 लाख की ठगी कर ली। सबसे खास बात यह थी कि दोनों ही मामलों में साइबर अपराधियों ने अपने डिजिटल अरेस्ट के शिकार होने वालों को हफ्ते भर तक अरेस्ट रखा और किसी को पता नहीं चला। पुलिस इस वारदात को सुलझाने में उलझी थी तभी 19 नवंबर को पंचायतीराज से रिटायर बुजुर्ग से क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर साइबर अपराधियों ने 19.50 लाख की लूट कर ली। इससे पहले की घटनाओं पर नजर डाली जाए, तो साइबर अपराधियों ने पीजीआई के पुराना कैंपस में रहने वाले डॉक्टर की बुजुर्ग मां को डिजिटल अरेस्ट कर मुंबई क्राइम ब्रांच व सीबीआई अधिकारी बन 18 लाख रुपए ठग लिए। एक अन्य घटना में एसजीपीआई की डॉ. रुचिका टंडन को डिजिटल अरेस्ट कर जालसाजों ने वसूले थे। साइबर अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं के बीच उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगों का भंडाफोड़ कर 7 ठगों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार चीन और पाकिस्तान से जुड़े बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन्होंने चीन और पाकिस्तान के नेटवर्क से कंबोडिया में डिजिटल अरेस्ट की ट्रेनिंग लेकर पूरे देश में करोड़ों की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया था।

लखनऊ एसटीएफ ने इन ठगों को वीपीए से ट्रैक किया था। गिरोह का मास्टरमाइंड पंकज सुरेला बताया जा रहा है जो मार्च 2024 में कंबोडिया गया था और यहां पाकिस्तानी साथी के साथ मिलकर चीनी साइबर एक्सपर्ट्स से डिजिटल अरेस्ट का खेल सीखा। मई में पंकज सुरेला भारत लौटा और फिर गिरोह बनाकर डिजिटल अरेस्ट का खेल खेलने लगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

लोकसभा में कांगड़ा के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने 'वंदेभारत' पर हिमाचल का भविष्य देखा है, तो लाजिमी तौर पर रेल पर चर्चा हमारे नसीब की राह से निकलनी चाहिए। डॉ. भारद्वाज रेलवे की शाखाओं से हिमाचल में देवी दर्शन का खाका खींचते हुए आग्रह कर रहे हैं कि विस्तार के तर्कों में हिमाचल में पर्यटन की पटरी आगे बढ़े। हिमाचल में रेल विस्तार की संभावना के लिए पहले यह तय होना चाहिए कि ऊना रेल से आगे बढ़ा जाए न कि पठानकोट की ओर से कुछ हासिल करने का भ्रम पाला जाए। हमने काफी पहले से कनेक्टिविटी के तीनों संदर्भों में कहा है कि हिमाचल रेल की दिशा ऊना से, हवाई सेवाएं कांगड़ा एयरपोर्ट से तथा सड़क विस्तार का सारा नेटवर्क हमीरपुर के संगम से आगे बढ़ेगा। पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेल पटरी शायद ही ब्रॉडगेज होगी।

रविंद्र कुमार, भड़वाल

भ्रष्टाचार की हमारे देश में भयावह तस्वीर की एक झलक

भ्रष्टाचार एक कलंकित विषय है। इस पर काफी लिखा-पढ़ा जा रहा है । इसका विकराल रूप देश में प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। इससे हमारे देश की अर्थ व्यवस्था पर गहरी चोट लगती जा रही है। हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़े गहराती जा रहीं है। यह तो निश्चित ही है कि भ्रष्टाचार से कोई भी क्षेत्र बचा नहीं है। एक विशेष पदवी पर बैठा अफसर इस घृणित कार्य में लिप्त है। ऐसे में ये लोग रिश्वत से अपने बच्चों को 'जहर' दे रहे हैं। जहर खाने से क्या होता है, यह तो सब को विदित है। कालाबाजारी, बेईमानी, गबन धोखाधड़ी व चोरबाजारी भ्रष्टाचार की ही भयावह तस्वीर है। इस कारण ही सोने की चिड़िया कहलवाने वाला हमारा देश भ्रष्टाचार की सूची में उत्तरोत्तर वृद्धि की ओर अग्रसर है।

लेखक : वीरेंद्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

अतः यह न केवल हमारे देश के लिए घातक है, बल्कि हमारे देश के लिए भी एक गंभीर विषय है। कोई भी उचित कार्य बिना बेईमानी से होता ही नहीं। हम अपना काम जल्द से जल्द करवाना चाहते हैं। इससे उस विशेष विभाग के दलाल जायज काम के लिए भी रिश्वत की मांग करते हैं। दरअसल, फ्री होने वाले काम के लिए लोगों को लूटा जा रहा है। बिलकुल सही काम करवाने के लिए एक साधारण जन को अपने कार्य हेतु पैसा पास न होते हुए भी रिश्वत के रूप में किसी से उधार पैसा पकड़कर अपना काम करवाना पड़ता है।

इसके कारण हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को भ्रष्टाचार से प्रभावित होना पड़ रहा है। अतः यह न तो हमारे व्यक्तिगत जीवन के लिए अभिशाप है, बल्कि यह समूचे राष्ट्र के विकास लिए भी बाधक है। दरअसल, भ्रष्टाचार दीमक की तरह हमारे देश को घुन की तरह खाए जा रहा है। कोई भी कार्यालय चाहे वह सरकारी हो या गैर-सरकारी व राजनीति इससे पूर्णतः लुप्त है। इसी कारण सरकारीकरण का प्राइवेटशन होता जा रहा है। बेशक भ्रष्टाचार दोनों तरफ हो रहा है। बैंकों से लोन लेने के लिए कमीशन देना पड़ रहा है।

सुविधा केंद्र लोगों के लिए दुविधा केंद्र बन गए हैं। वहां भी लोगों को धक्के खाने पड़ रहे हैं। कार्यालय 9 बजे खुलने से पहले बहुत जल्द सुबह मात्र टोकन वह भी 20-25 के करीब लेने के लिए लाइन में खड़े होना पड़ता है। फिर भी अधिकांश लोगों को मायूस वापस लौटना पड़ता है। यह कड़वा अनुभव इस आलेख के लेखक को झेलना पड़ा। अपनी-अपनी डफली अपना अपना ही राग बजाया जा रहा है। यह तो बात पूर्णता सत्य है कि भ्रष्टाचार का दायरा बहुत बड़ा हे। सर्वप्रथम राज्यों को मालामाल करने वाला विभाग है ----माल विभाग। इस विभाग के बहुतेरे अफसर, पटवारी, कानूनगो इत्यादि रिश्वत लेते पकड़े गए पर विडंबना देखिए इनमें से कितने बर्खास्त हुए। लड़कियां का पटवारी बनना तो शुभ सकेंत है पर अफसोस देखा-देखी वे भी भ्रष्टाचार का हिस्सा बनती जा रही हैं।

पुलिस प्रशासन ने तो भ्रष्टाचार के समस्त रिकार्ड तोड़ दिए हैं। मासूम लोगों को लूटा जा रहा है। रपट लिखवाने के लिए पैसों की मांग की जाती है। मनमानी से लोगों पर राजनीतिक नेताओं के इशारों पर विरोधियों पर झूठे पर्चे काटे जा रहे हैं। नाजायज रेत , शराब व नशा ये भी भ्रष्टाचार के मुख्य कारण है। एक और विडंबना देखकर आप आश्चर्यचकित हो जाएंगे। रिश्वतखोरी को रिश्वतखोरी से ही काटा जा रहा है। संतरी से लेकर मंत्री तक यह घिनौना खेल खेला जा रहा है। चुनावों के समय धड़ल्ले से वोटों का क्रय-विक्रय, शराब बांटने में सब राजनीतिक दल संलिप्त हैं। शिक्षा विभाग भी भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है। पैसे लेकर नियुक्तियों को बढ़ावा समूचे देश में दिया जा रहा है। एडमिशन पर कमीशन आम बात है। फिर जानबूझकर नियुक्तियां बहुत दूर स्थानों पर कर एक-एक लाख की रिश्वत लेकर कर्मचारी को मनमाना स्टेशन दे दिया जाता है। भ्रष्टाचार का कैंसर हमारे स्वास्थ्य को खराब कर रहा है। सच यह है कि अगर हमने भ्रष्टाचारी कलंक को मिटा देना है तो हमारी सरकार, शासन-प्रशासन व समूह जनता परस्पर सौहार्दपूर्ण ढंग से सहयोग करे। सभी एकजुट होकर भ्रष्टाचार का मुकाबला करें। समूह जन रिश्वत न लेने और न देने की शपथ लें, तभी हम अपनी छवि कलंकित होने से बचा पाएंगे अन्यथा कोई भी हमारी ओर मुख नहीं करेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

महर्षि पतंजलि का योग दर्शन आसन : प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि

महर्षि पतंजलि को योग दर्शन अर्थात पतंजलि योगसूत्र के प्रवर्तक के रूप में जाना जाता है योग की विभिन्न धाराओं को मिलाकर महर्षि ने योग को एक महानदी का रूप दिया, जिसके अंदर योग की सभी पद्धतियों का समावेश हो जाता है। ऋषियों के नामों के अंतर्गत महर्षि पतंजलि का नाम बहुत अधिक सम्मान के साथ लिया जाता है। व्याकरण के ग्रंथों के अनुसार महर्षि पतंजलि अपने पिता की अंजलि में अर्ध्य दान करते समय दिव्य रूप से ऊर्ध्वलोक से आकर गिरे। इसी कारण इनका नाम पतंजलि पड़ा। यह इनके योग के प्रभाव का ही मूर्त रूप था। महर्षि पतंजलि की कृतियां यद्यपि अनेक हैं, परंतु योग दर्शन सबसे मुख्य ग्रंथ है।

लेखक : संजय गोस्वामी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

महर्षि पतंजलि ने मनुष्य के चित्त की शुद्धि के लिए पतंजलि के नाम 'योगसूत्र', वाणी की शुद्धि के लिए पाणिनी के नाम से व्याकरण के ग्रंथ 'अष्टाध्यायी' तथा शरीर की शुद्धि के लिए चरक के नाम से 'चरक संहिता' इन तीन महाग्रंथों की रचना की। इनमें व्याकरण महाभाष्य सबसे बड़ा ग्रंथ है। ये ग्रंथ ऐसे ग्रंथ हैं जो अपने क्षेत्र में अद्वितीय हैं। इनके पश्चात इन क्षेत्रों में जो भी कार्य हुआ वह सब इन्हीं को आधार मानकर किया गया है।

इन सब से यह तथ्य सिद्ध होता है की महर्षि पतंजलि एक सिद्ध योगी थे, जिन्होंने सभी पदार्थों का वास्तविक रूप से साक्षात्कार किया और प्राणिमात्र के कल्याण की कामना करते हुए उसको अपनी रचना में स्थान प्रदान किया। योगदर्शन पर स्वयं भगवान श्री वेदव्यास जी का भाष्य प्राप्त होता है, जो कि 'सांख्य प्रवचन भाष्य' के नाम से जाना जाता है। योगदर्शन पर प्रवर्ती टीकाएं अनेक हैं-जिनमें वाचस्पति मिश्र की 'तत्ववैशारदी', विज्ञान भिक्षु का 'योग वार्तिक', शंकर का 'भाष्य विवरण', हरिअर्जुन का 'भाष्य टीका', भिक्षु का 'योग सुधाकर' आदि प्रसिद्ध ग्रंथ है। इन सभी में महर्षि पतंजलि का योग सूत्र इतना महत्वपूर्ण ग्रंथ है कि जब वेदव्यास जी को इसके भाष्य से संतोष नहीं हुआ, तो उन्होंने पुराणों में इस योग का समावेश किया। लिंगादि पुराणों में योगदर्शन का पदबद्ध (पदमय) अनुवाद प्राप्त होता है।

इससे इनकी योगाचार्यता और आदि प्रवर्तक के रूप में प्रतिष्ठापित होना प्राचीन काल से ही सर्वमान्य है। महर्षि पतंजलि का योगदर्शन अत्यंत प्राचीन दर्शन है और इससे सभी प्रकार के आधिदैविक, आधिभौतिक एवं आध्यात्मिक दुःख समाप्त होकर सिद्धियों के लाभ प्राप्त होते हैं। साधक सरलता से देवताओं का सान्निध्य प्राप्त कर उनसे पूरा लाभ उठा सकता है। महर्षि कहते हैं कि स्वाध्याय के द्वारा साधक इष्टदेव के दर्शन प्राप्त उनसे लाभ प्राप्त कर सकता है।

साधक थोड़ी तन्मयता से भी अपने पूर्व जन्मों तथा आगे आने वाले अवस्था में मुक्ति का ज्ञान प्राप्त कर लेता है और विधिपूर्वक साधना से देवताओं के बीच विचरने तथा आकाशगमन की सिद्धियों की प्राप्ति करता है। यदि शांत मन व विवेक के द्वारा उन स्वप्नों की गुत्थियों को सुलझा सके अथवा स्वप्न के दिखे हुए देवता, पितृ, मुनि, संतों, देवियों की श्रद्धापूर्वक ध्यान आराधना करें, तो वे उसे अपार सहायता पहंचाते हैं और उससे सभी प्रकार का दिव्य ज्ञान व मुक्ति की प्राप्ति हो जाती है। इन साधकों के लिए एक-दूसरे साधन का वर्णन करते हुए पतंजलि कहते हैं-ईश्वर इसके अभ्यास से भी चित्त वृत्तियों का निरोध संभव है। तीसरी साधना जो सामान्य पुरुषों और विद्वानों के लिए समान उसका वर्णन करते हुए महर्षि पतंजलि ने यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इस अष्टांगयोग का मार्ग बताया है। उनकी यही साधना पद्धति सर्वशुलभ एवं लोकप्रिय है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

पेंशन देरी से मिलने पर पेंशनरों में रोष

अनंत ज्ञान, मंडी। एचआरटीसी पैंशनर कल्याण संगठन मंडी इकाई की मासिक बैठक वरिष्ठ नागरिक भवन मंडी में आयोजित की गई, बैठक की अध्यक्षता मंडी इकाई के अध्यक्ष अनूप कपूर ने की। इस दौरान एचआरटीसी पैंशनर कल्याण संगठन मंडी इकाई के अध्यक्ष अनूप कपूर ने कहा कि एचआरटीसी पेंशनरों को इस माह फिर से पेंशन देरी से मिली जबकि सेवारत कर्मचारियों को समय पर वेतन का भुगतान कर दिया गया था जिसको लेकर बैठक में पेंशनरों ने रोष व्यक्त किया है।

प्रबंधन व सरकार इन न्यायोचित समस्याओं का निवारण करने को भी गंभीर नहीं है अतः संगठन का प्रबंधन व सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त समस्याओं का तुरंत समाधान और संगठन के पदाधिकारियों से संवाद किया जाए अन्यथा पैंशनर कल्याण संगठन सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने से भी गुरेज नहीं करेगा।

एसपीयू ने पुनः मूल्यांकन का रिजल्ट किया जारी : चिराग

अनंत ज्ञान, मंडी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सक्रियता और संघर्ष का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। सरदार पटेल विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र हित में पुनः मूल्यांकन के परिणाम जारी कर दिए हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा छात्रों के भविष्य और उनकी मांगों को लेकर लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप यह संभव हो पाया। विद्यार्थी परिषद ने छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और विश्वविद्यालय प्रशासन से शीघ्र पुनः मूल्यांकन के परिणाम घोषित करने की मांग की थी। परिषद के इस प्रयास का उद्देश्य छात्रों को समय पर सही परिणाम उपलब्ध कराना और उनकी शैक्षणिक प्रगति सुनिश्चित करना था। विश्वविद्यालय ने परिषद की मांगों का मूल्यांकन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी और पुनः मूल्यांकन के परिणाम शीघ्र घोषित कर छात्रों को राहत प्रदान की।

छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्र धर्म और राज धर्म पर कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। परिषद के राज्य प्रचार मंत्री हेमराज ठाकुर और जिला मंडी के इकाई अध्यक्ष उत्तम चंद शर्मा ने बताया कि परिषद की राज्य अध्यक्षा डॉ. रीता सिंह के निर्देशानुसार सुंदरनगर के वृद्धाश्रम में ' छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्र धर्म और राजधर्म' विषय पर परिषद के विद्वानों ने एक परिचर्चा संगोष्ठी का आयोजन किया। इस आयोजन के मुख्यातिथि जितेन्द्र शर्मा-अध्यक्ष नगर परिषद सुंदरनगर तथा मुख्य वक्ता नरेंद्र राणा प्रवक्ता राजनीति शास्त्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धंग्यारा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के जिला अध्यक्ष उत्तम चंद शर्मा ने की।

मंडी के दौरे पर प्रदेश सहप्रभारी विदित चौधरी

पुष्पराज, मंडी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी को भंग करने के उपरांत अब नई कार्यकारिणी के गठन के लिए कवायद तेज हो गई है। इसी कड़ी में रविवार को मंडी जिला के 5 विधानसभा क्षेत्रों की बैठक गांधी भवन मंडी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करने एआईसीसी के सचिव और प्रदेश सह प्रभारी विदित चौधरी ने शिरकत कि। इस दौरान उन्होंने मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान कहा की कांग्रेस पार्टी ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है जिसमें हिमाचल प्रदेश के सह प्रभारी के रूप में भेजा गया है और सभी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ रूबरू होने के लिए आया हूं। एआईसीसी सचिव एवं सह प्रभारी विदित चौधरी मंडी जिला के दो दिन के दौरे पर है ।

अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह मनाया

भीम बसेडू, महादेव। अंबेडकर नगर भोजपुर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी समारोह मनाया गया। इस दौरान लोक माता देवी अहिल्याबाई होल्कर की आयोजित की गई त्रिशताब्दी समारोह में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उत्तर क्षेत्र प्रमुख प्रदीप बंधु ने महारानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डाला वहीं उनके द्वारा समाज में किए गए सुधारों का वर्णन किया।

नहर किनारे की सड़क से उड़ने वाली धूल से ग्रामीण परेशान

आदर्श, नेरचौक

बीमारियों का शिकार हो रहे लोग

बीबीएमबी की बग्गी सुंदरनगर नहर किनारे की कच्ची सड़क से उड़ने वाली धूल ने ग्रामीणों का जीना हराम करके रख दिया है। सुंदरनगर से लेकर बग्गी तक नहर किनारे सैकड़ों ग्रामीणों के मकान है जिनमें रहने वाले ग्रामीण सड़क से उड़ने वाली धूल के कारण बेहद परेशान है। नहर किनारे की एक सड़क पक्की है जबकि दूसरी ओर की सड़क कई दशकों से कच्ची ही है। दिन भर सड़क पर सरपट दौड़ने वाले वाहनों की वजह से सड़क से धूल उड़ती है जो लोगों के घरों में पहुंच जाती है।

क्षेत्र की इस समस्या का ग्रामीणों ने कई बार विरोध जताया तथा बीबीएमबी प्रबंधन से इस सड़क को पक्का करने की गुहार भी लगाई। प्रदेश स्तरीय समाजसेवी संस्था ओरिएंटल फाउंडेशन ने इसके लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था मगर बीबीएमबी प्रबंधन ने इस सड़क पर मात्र तीन स्थान चिन्हित कर थोड़ी सी जगह पर गत दो वर्ष पहले टाइल डाल दी और उसके बाद बची हुई सड़क को यूं ही छोड़ दिया जिससे यहां क्षेत्र के ग्रामीण धूल खाने पर विवश है। गांव वासी रूप लाल, डागी राम, राम स्वरूप, सवारू राम, भवदेव, कृष्णा, किशोरी लाल व अनंतराम सहित दर्जनों ग्रामीणों ने नहर किनारे की इस सड़क के शेष बचे हुए भाग पर भी टाइल बिछाने की बीबीएमबी प्रबंधन से मांग उठाई है।

> नहर किनारे की कच्ची सड़क पर टाइल बिछाने की प्रपोजल बीबीएमबी मुख्यालय को भेजी है। स्वीकृति मिलने पर इस कार्य को अंजाम दिया जाएगा।
> -एसपी शर्मा, अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता बीबीएमबी सुंदरनगर।

समस्या का जल्द समाधान जरूरी

ओरिएंटल फाउंडेशन के संस्थापक जबना चौहान ने कहा कि बीबीएमबी नहर किनारे की कच्ची सड़क को पक्का करने के लिए प्रदेश स्तरीय समाजसेवी संस्था ओरिएंटल फेडरेशन ने हस्ताक्षर अभियान चला कर बीबीएमबी प्रबंधन से इस सड़क को पक्का करने की 2 वर्ष पहले मांग की थी। बीबीएमबी प्रबंधन ने सड़क तो पक्की नहीं की मगर ओरिएंटल फाउंडेशन की मांग पर धनोटू व कोट पंचायत में टाइल बिछाने का कार्य किया था मगर इससे इस समस्या का हल नहीं हो पाया है। कच्ची सड़क से उड़ने वाली धूल के कारण यहां के स्थानीय लोग बेहद परेशान है। बीबीएमबी प्रबंधन को नहर किनारे की इस सड़क को शीघ्र पक्का करने के लिए कदम उठाना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

विधायक चंद्रशेखर ने किया सड़क का भूमिपूजन

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। विधायक धर्मपुर चंद्रशेखर ने आज 532. 86 लाख की लागत से बनने वाली हयोलग-पन्गोह-कांढापतन सड़क मार्ग के निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन किया।

इस मौके उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के मामले में सड़कों और अन्य परियोजनाओं पर तेजी से काम जारी है जिसमें हर घर को सड़क सुविधा से जोड़ना हमारी प्राथमिकताओं है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग के माध्यम से 34 लिंक सड़कों का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा जंगली जानवरों के आतंक से बचाव हेतू उपजाऊ भूमि की बाड़बंदी का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा जिसकी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

क्षेत्र में 10 नई सड़कों के निर्माण और पक्की करने के लिए बजट स्वीकृत कर टेंडर प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। कांडापतन क्षेत्र में सोनखड्ड के दोनों ओर आधुनिक श्मशान घाटों का निर्माण किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धर्मपुर को गूगल ने गोद लिया है।

घर खो चुके परिवारों को सरकार ने स्वीकृत की तीन-तीन बिस्वा जमीन

बुद्धि देवी व लाल सिंह मुख्यमंत्री सुक्खू जमीन के कागजात प्रदान करते हुए।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

पिछली बरसात में अपना घर खो चुके परिवारों के लिए प्रदेश सरकार का विशेष राहत पैकेज नई जिंदगी का आसरा बना है। मंडी जिला के सराज विधानसभा क्षेत्र के दो परिवारों को इस पैकेज के तहत सपनों का आशियाना फिर से बसाने के लिए तीन-तीन बिस्वा भूमि प्रदेश सरकार की ओर से प्रदान की गई है। पंडोह बांध के एक छोर पर ऊंची पहाड़ियों की तलहटी में बसा खोलानाल क्षेत्र का कशौड़ गांव। अन्य पहाड़ी गांवों की तरह यहां भी

सभी लोग हंसी-खुशी जीवन-यापन कर रहे थे। गत वर्ष की बरसात यहां भारी तबाही लेकर आई। मूसलाधार बारिश एवं भूस्खलन के कारण गांव की बुद्धि देवी व लाल सिंह के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मुख्यमंत्री सुक्खू की दूरदर्शी सोच व संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावित ऐसे हजारों परिवारों को राहत प्रदान करने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज-2023 घोषित किया। काशौड़ गांव की बुद्धि देवी पत्नी गिन्नू राम को पंडोह के समीप सियोग मुहाल में तीन बिस्वा भूमि मंजूर की गई है। इसी गांव के लाल सिंह पुत्र श्याम सिंह को भी सियोग में ही तीन बिस्वा भूमि स्वीकृत की गई है।

आपदा प्रभावितों को 74.20 करोड़ की मदद की जा चुकी है प्रदान

मंडी जिला में इस विशेष राहत पैकेज के तहत 7,933 आपदा प्रभावितों को लगभग 74.20 करोड़ रुपए की मदद प्रदान की जा चुकी है। इसमें ऐसे प्रभावित भी शामिल हैं जिनकी आजीविका के साधन बारिश व बाढ़ अपने साथ लील गई। किराए के मकानों में रहने वालों का साजो-सामान बहा ले गई। कृषि भूमि, फसलों को तबाह कर गई। प्रदेश सरकार ने इन सभी की आर्थिक मदद के लिए मुआवजा राशि में 25 गुणा तक की बढ़ोतरी की।

ज्योतिष सम्मेलन में लेखराज सम्मानित

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

शारदा ज्योतिष निकेतन जोगिंद्रनगर के ज्योतिषाचार्य व हस्त विशेषयज्ञ पंडित लेखराज शर्मा ने बताया कि जयपुर के एमआई रोड स्थित एक होटल में 27वां अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम टी ग्रुप के संस्थापक कृष्ण स्वामी भारद्वाज के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

शारदा ज्योतिष निकेतन जोगिंद्रनगर के ज्योतिष एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ पंडित लेखराज शर्मा ने बताया कि विशेष सत्र में हस्तरेखा के आधार पर जन्म तिथि और समय बताने की अद्भुत विधा का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने नटजातक ज्योतिष ग्रंथ की मदद से सटीक भविष्यवाणियां कीं। कृष्ण मूर्ति पद्धति के विशेषज्ञ पंडित मोहनलाल शर्मा और शारदा ज्योतिष निकेतन जोगिंद्रनगर से विभा शर्मा, ललिता शर्मा, अनुराधा शर्मा, निरु भाटिया, और बिनिता सिंह जैसे प्रमुख ज्योतिषाचार्यों ने भाग लिया। टैरो कार्ड विशेषज्ञ रुचि बियानी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और उन्हें पर्फेक्ट एस्ट्रोलॉजर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

जल शक्ति डिवीजन बग्गी को मिला स्थायी अधिशाषी अभियंता

आदर्श, नेरचौक। जल शक्ति विभाग के बागी डिवीजन को नया मुखिया मिल गया है। प्रदेश सरकार की ओर से जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार शर्मा ने इस डिवीजन में संदीप चौधरी को बतौर अधिशासी अभियंता नियुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी है।

संदीप चौधरी जल शक्ति जोन धर्मशाला में कार्यरत थे। अब वे बग्गी डिवीजन में अपनी सेवाएं देंगे। प्रदेश सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के उपरांत लंबे समय से रिक्त चल रहे बग्गी डिवीजन के अधिशासी अभियंता पद की भरपाई भी हो गई है।

जोगिंद्रनगर समेत चौंतड़ा और लडभड़ोल में नए मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति जल्द

अभिषेक, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर भाजपा अध्यक्ष अजय सकलानी ने जानकारी दी है कि जोगिंद्रनगर, चौंतड़ा, और लडभड़ोल में पार्टी के नए मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी।

हाईकमान ने इस बार मंडल अध्यक्षों के चयन में आयु सीमा 45 वर्ष से कम निर्धारित की है, जिससे पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ अनुभवी नेताओं को भी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। अजय सकलानी ने बताया कि पार्टी का उद्देश्य संगठन को और अधिक सशक्त बनाना है। इसके लिए युवाओं और अनुभवशील कार्यकर्ताओं को अवसर देकर संगठन में नई ऊर्जा का संचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान जल्द ही नए मंडल अध्यक्षों के नामों की घोषणा करेगा। अजय सकलानी ने कहा कि यह निर्णय पार्टी की युवा और अनुभवी शक्ति को प्रोत्साहित करने और उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

डॉक्टर मीनाक्षी एमडी मेडिसिन के लिए चयनित

धर्मपुर। संधोल क्षेत्र के गांव दियोड़ी की मीनाक्षी कोंडल का चयन एमडी मेडिसिन के लिए हुआ है। मीनाक्षी कोंडल का एमडी मेडिसिन के लिए चयन होने पर संधोल क्षेत्र में खुशी का माहौल बना है। बता दें कि मीनाक्षी कोंडल की पांचवीं कक्षा तक की पढाई संधोल स्कूल से हुई है,और छठी कक्षा में इनका चयन जवाहर नवोदय विद्यालय पंडोह के लिए हो गया था और छठी कक्षा से लेकर प्लस टू तक की तक की पढ़ाई इन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय पंडोह से पास की।

हिमालयन ब्लड डोनर्स के रक्तदान शिविर में 73 लोगों ने किया रक्तदान

सामूहिक चित्र में ब्लड बैंक मंडी की टीम व हिमालयन ब्लड डोनर्स के सदस्य।

अनिल शर्मा, मंडी

मंडी के जड़ोल में हिमालयन ब्लड डोनर्स द्वारा आयोजित 83वें रक्तदान शिविर में 73 रक्तदाताओं ने खूनदान किया। रक्तदान करने वालों में लड़कियां भी पीछे नहीं रही। इस शिविर में राजा सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और रक्तदाताओं को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस मौके पर हिमालयन डोनर्स के सभी सदस्य मौजूद रहे। दैनिक अनंत ज्ञान समाचार पत्र ने कैंप में मीडिया पार्टनर की भूमिका निभाई।(अनंत ज्ञान)

06 वर्षों के 83 कैंपों में 15000 यूनिट रक्त एकत्र

हिमालयन ब्लड डोनर्स के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज

बिना किसी स्वार्थ, मान सम्मान और तमगे के हिमालयन ब्लड डोनर्स ऑर्गेनाइजेशन दिन-रात जरूरतमंदों की सेवा के लिए प्रयत्नशील है। जब भी कहीं से कभी भी फोन आता है कि हमें रक्त चाहिए, तो हिमालयन ब्लड डोनर के सदस्य बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचकर रक्तदान करते हैं। निरंतर बहती रक्त सेवा को देखते हुए हिमालयन ब्लड डोनर्स का लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड दर्ज है। पिछले 6 वर्षों से 15000 यूनिट रक्तदान करने वाला हिमालयन ब्लड डोनर्स ऑर्गेनाइजेशन आज मंडी जिले का सरताज बना हुआ है। इसमें ऑन कॉल इमरजेंसी और 83 कैंपों के माध्यम से रक्तदान किया गया है। मंडी हो या नेरचौक जहां भी इनके सदस्य हैं एक फोन कॉल पर अपने खर्चे पर मौजूदा क्षेत्र में पहुंचकर रक्तदान करते हैं। न कोई सरदार है न कोई मंत्री बस आपसी सहमति और प्रेम से ही ऑर्गेनाइजेशन चलता जा रहा है। हेमराज ने इस ऑर्गेनाइजेशन की नींव रखी थी, उनके स्वर्गवास होने के बाद कोई भी इसका प्रेसिडेंट नहीं बनाया गया है। हिमालयन ब्लड डोनर्स ऑर्गेनाइजेशन से वर्तमान में 3000 सदस्य जुड़े हुए हैं और 15 ग्रुप में 4000 सदस्य हर एक्टिव रहते हैं।

इन्होंने किया रक्तदान

जड़ोल निवासी अमर सिंह | सलवाना के महेंद्र सिंह | वायला के मुरारी लाल

सुंदरनगर के ललित कुमार | सलवाना निवासी लालमन | जड़ोल के विकास शर्मा

हरा बाग निवासी संजू | हरा बाग निवासी अमित | गोहर निवासी हुक्म चंद

सलापड़ के अनिल कुमार | लोहारा के अनिल कुमार | धर्मपुर निवासी पंकज

पुंघ निवासी अमित कुमार | अलसु डैहर के अमित शर्मा | हरा बाग के रविंद्र कुमार

सरकाघाट के अनिल कुमार | नालनी निवासी गोपाल | जड़ोल के विजय कुमार | जड़ोल निवासी रविकांत | धनोटू के सरवन कुमार | जड़ोल के कश्मीर सिंह

हरा बाग के प्रकाश चंद

'अनंत ज्ञान' मीडिया पार्टनर

हिमालयन ब्लड डोनर्स के रक्तदान शिविर में रक्तदान करते हुए रक्तदाता।

15वीं बार रक्तदान करते सरकाघाट निवासी अभिषेक ठाकुर

सुंदरनगर के मोहित भारद्वाज

रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देते हुए मुख्यातिथि राजा सिंह।

22वीं बार रक्तदान करते सुंदरनगर निवासी महेश शर्मा।

जड़ोल निवासी सुरेश कुमार | पुंघ निवासी विजय कुमार | हटगढ़ निवासी हंस राज

जड़ोल निवासी संजय कुमार | 14वीं बार रक्तदान करते पुंघ निवासी दिलीप कुमार | जड़ोल निवासी विक्रम सिंह

सुंदरनगर थाना पुलिस कर्मी नीतीश | हरा बाग के निवासी जगदीश कुमार | जड़ोल के निवासी मोहित कुमार

सुंदरनगर के अजय ठाकुर | हरा बाग निवासी रोहित कुमार | जड़ोल निवासी रवि

हरा बाग निवासी रविंद्र | देवीदढ़ निवासी हीना ठाकुर | वायला निवासी ऋषि ठाकुर

न्यूज ब्रीफ

संक्रांति पर डेरा अमलेहड़ में श्रद्धालुओं का जमावड़ा

गोंदपुर बनेहड़ा। डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम अच्युतानंद अमलेहड़ में आज संक्रांति के पावन अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा अच्युतानंद जी के अखंड धूने पर शीश निभायाद्ध डेरा में भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ। भजन-कीर्तन के बाद श्रद्धालुओं ने लंगर का प्रसाद भी ग्रहण किया। शाम तक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ थी। डेरा परिसर 'राधे-राधे शाम मिलादे'की धुनों से गूंज रहा था।

प्रभु सिमरन से मनुष्य को मिलती है सफलता

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के हिमुडा कॉलोनी में बाबा पहाड़िया मंदिर कमेटी द्वारा चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कथा व्यास आचार्य डॉ. सुमन शर्मा ने प्रवचन करते हुए सनातन धर्म की रक्षा और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रभु सिमरन ही मनुष्य को भव सागर पार करवा सकता है। प्रभु सिमरन से मनुष्य सफलता की मंजिल को प्राप्त करता है। कथा विराम के बाद सभी श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया गया और भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण करके भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। ज्ञात रहे बंगाणा हिमुडा कॉलोनी में प्रथम बार हो रही श्रीमद् भागवत कथा को सुनने के लिए श्रोतागणों की भीड़ देखी जा रही है। हालांकि इससे पहले श्रीमद् भागवत कथा श्री राम कथा होती आई है, लेकिन इस बार आयोजकों द्वारा श्रीमद् देवी भागवत कथा सुनाने के लिए कथा व्यास आचार्य डॉ सुमन शर्मा से निवेदन किया है। इस मौके पर व्यवसाई अंकुश वर्जाता, हंसराज वर्जाता, ज्योति वर्जाता, विनोद कुमार सेंटी, आरबी राणा, माया देवी, मदन गोपाल बोहरा, राजन सोनी, बिंदू सोनी, अजमेर सिंह कुटलैहडिया, रणबीर पठनीया, कुशला पठानिया, विनोद कुमार शर्मा, अंजू शर्मा, राकेश शर्मा, बलदेव शास्त्री, नरेंद्र शर्मा, कमल देव शास्त्री, डॉ. केशवानंद शर्मा आदि सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

अनुसूचित जाति आयोग के गठन पर मचा बवाल

चयन को लेकर महर्षि वाल्मीकि गुरु रविदास यूथ एकता महासभा ने उठाए सवाल

महर्षि वाल्मीकि गुरु रविदास यूथ एकता महासभा के सदस्य रोष प्रकट करते हुए।

अनंत ज्ञान, ऊना

प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों को चुन कर दलित सगठन ठगा सा महसूस कर रहे हैं। यह बात महर्षि वाल्मीकि गुरु रविदास यूथ एकता महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अमित वाल्मीकि ने जिला ऊना कार्यालय में कही।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति आयोग दलितों की सुनवाई के लिए बनाया गया है, लेकिन आयोग में दलितों को ही दरकिनार किया गया है। यहां आयोग के कार्यालय के कार्यक्रम में एक भी दलित नेता को निमंत्रण तक नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी भी क्या विडंबना थी कि आयोग के कार्यक्रम में अनुसूचित जाति समाज के बुद्धिजीवियों व अनुसूचित जाति सैल के पदाधिकारी सहित पूर्व पदाधिकारियों को इस कार्यक्रम से दूर रखा या फिर सभी दलित नेताओं द्वारा इसका वहिष्कार किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसी भी दलित नेता को नियुक्ति व सदस्य लेने के लिए राय तक नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि आयोग के सदस्य व अध्यक्ष तुरंत रूप से अपने पद से इस्तीफा दें।

अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन व सदस्य बनाने में सरकार का दलितों के प्रति सौतेला रवैया : अमित वाल्मीकि

महासभा इस फैसले का पुरजोर विरोध करती है और आने वाले समय में इसका प्रदेश स्तर पर विरोध किया जाएगा। इस अवसर पर सभा के चेयरमेन नव बैंस, मुख्य सलाहकार सरदार चंचल सिंह, इशांत ठुग्गा, बब्लू, रमन, शुभम सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर लेक्चरर संघ सीएम व शिक्षा मंत्री से भेंट करेगा: राजन

गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर के प्रांतीय सगठन एवं प्रेस सचिव राजन शर्मा ने बताया धर्मशाला में विधानसभा सत्र के दौरान लेक्चरर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी लंबित पड़ी मागों के बारे में सरकार को ज्ञापन देगा और मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से भेंट करेगा, साथ ही उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि स्कूल में लेक्चरर की फाइनल सिनयोरिटी लिस्ट शीघ्र जारी की जाए।

लेक्चरर संघ ने लेक्चरर के काफी समय से लंबित कंफर्मेशन को भी शीघ्र कराने का शिक्षा निदेशक से आग्रह किया है। लेक्चरर संघ के प्रांतीय सगठन एवं प्रेस सचिव राजन शर्मा ने बताया कि काफी समय से लेक्चरर की कन्फर्मेशन नहीं हुई है और न ही फाइनल सीनियोरिटी लिस्ट जारी हुई हैं, लेक्चरर संघ ने इस बारे शीघ्र कार्यवाही करने का शिक्षा निदेशक से आग्रह किया है। लेक्चरर संघ के प्रदेश प्रधान लोकेंद्र सिह नेगी, संगठन व प्रेस सचिव राजन शर्मा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में प्रिंसिपल के खाली पदों को भी शीघ्र भरने और स्कूल प्रिंसिपल की पदोन्नति सूची शीघ्र जारी करने का सरकार से आग्रह किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र का बेटा सेना में बना लेफ्टिनेंट

कनिष्क शर्मा को बैज लगाते पारिवारिक सदस्य।

अनंत ज्ञान, ऊना

ऊना जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र शर्मा के बेटे कनिष्क शर्मा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त हुए हैं। कनिष्क शर्मा को भारतीय सेना के असम स्थित सिग्नल्स डिवीजन में तैनात किया गया है। कनिष्क ने चार साल की कड़ी ट्रेनिंग के बाद इंडियन मिलिट्री अकादमी देहरादून से कमीशन प्राप्त किया। इस अवसर पर उनके पिता सुरेंद्र शर्मा, माता मनीषा शर्मा और बड़ी बहन कशिश शर्मा ने इंडियन मिलिट्री अकादमी देहरादून पहुंचकर उन्हें बैज लगाए।

प्रशिक्षण के दौरान कनिष्क ने टेलीकम्युनिकेशन में बीटेक की पढ़ाई भी की है, जिसे पूरा करने में अब केवल एक वर्ष शेष है। कनिष्क के पिता सुरेंद्र शर्मा वर्तमान में जिला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता मनीषा शर्मा गृहिणी हैं। उनकी बहन कशिश शर्मा ने एग्रीकल्चर में जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग में मास्टर्स की डिग्री हासिल की है।

कनिष्क शर्मा के सेवा में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त होने के बाद पॉसिंग आउट परेड में परिवार ने भी विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज करवाई। कनिष्क शर्मा इस गौरवशाली क्षण का साक्षी बना। परिवार और क्षेत्रवासियों ने इस उपलब्धि पर कनिष्क को बधाई दी। ऊना की विभिन्न संस्थाओं ने भी कनिष्क और उनके परिवार को बधाई दी है।

पूर्व नौसैनिकों ने धूमधाम से मनाया नौसेना दिवस

अनंत ज्ञान, ऊना

पूर्व नौसैनिकों द्वारा परिवार सहित 'नौसेना दिवस' एक रिजॉर्ट बहडाला ऊना में बड़ी धूमधाम से मनाया। गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी भारी संख्या में पूर्व नौसैनिक अपने परिवार सहित हिमाचल और पंजाब से, इस ऐतिहासिक 'नौसैनिक परिवार मिलन' समारोह मे भाग लेने के लिए एकत्रित हुए। सर्वप्रथम देश की आन, बान और शान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नौसेना दिवस पर पूर्व सैनिकों की समस्याओं और उनके समाधान बारे भी विस्तार से चर्चा की गई।

पूर्व नौसैनिक कल्याण संघ ऊना के प्रधान ओम प्रकाश शर्मा ने मेहमानों का स्वागत किया। बच्चों ने मिक्की माउस, बाउंसी का भरपूर आनन्द लिया तथा खूब मस्ती की। महिलाओं के लिए म्यूजिक चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सब ने तंबोला का लुत्फ उठाया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को इनाम व गिफ्ट्स दिए गए। पूर्व सैनिकों की समस्याओं और उनके समाधान बारे विस्तार से चर्चा हुई।

वीर शहीदों को 2 मिनट का मौन धारण कर अर्पित की श्रद्धांजलि

वक्ताओं ने अपने बहुमूल्य विचार रखे। एसोसिएशन के प्रधान ने नौसेना दिवस के बारे मे चर्चा करते हुए प्रधान ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि 4 दिसंबर 1971 को ऑपरेशन ट्राइडेंट के अंतर्गत पाकिस्तान की मुख्य बंदरगाह कराची पर अचानक जबरदस्त हमला करके उसे तबाह कर दिया, मुख्य तेल भंडार को नष्ट कर दिया, कई जहाज डूबा दिए, पूर्वी पाकिस्तान की सप्लाई रोक दी। पाकिस्तान को घुटनों के बल लाकर आत्मसमर्पण करने पर मजबूर करने पर अहम भूमिका निभाई। तब से 4 दिसंबर को नेवी की ताकत का प्रतीक मानते हुए इस दिन को नौसेना दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

ऊना में 1997 से (कॉरोना कॉल के वर्ष को छोड़ कर) हर साल लगातार पूर्व नौसैनिक परिवार सहित नौसेना दिवस मना रहे हैं।

प्रीतिभोज के बाद अगले साल फिर मिलने की शुभ कामनाएं साथ उत्सव का समापन हुआ।

क्रॉस कंट्री के विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, ऊना

राज्य स्तरीय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता स्थानीय इंदिरा स्टेडियम में आयोजित की गई, जिसमें पूरे प्रदेश के महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। एथलेटिक एसोसिएशन के महासचिव तिलक राज सैनी ने बताया 10 किलोमीटर पुरुष वर्ग रेस में विशाल जीत ने प्रथम, रमेश ने द्वितीय तथा शशि ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सीनियर महिला 10 किलोमीटर की प्रतिस्पर्धा में ज्योति वाला ने प्रथम, भोली ने द्वितीय, रिचा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 20 पुरुष वर्ग में 8 किलोमीटर की रेस करवाई गई। इसमें राहुल ने प्रथम, केतन ने द्वितीय, घनश्याम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में अंडर 20 में 6 किलोमीटर की रेस करवाई गई, जिसमें रवीना कुमारी ने प्रथम स्थान, राशि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा बिपाशा वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 18 पुरुष वर्ग में 8 किलोमीटर की रेस करवाई गई, जिसमें बख्शीश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, विवेक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और स्पर्श शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 18 महिला प्रतियोगिता में 4 किलोमीटर की रेस करवाई गई, जिसमें पायल रानी ने प्रथम, सविता ने द्वितीय तथा तनिष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 16 पुरुष वर्ग में 2 किलोमीटर की रेस करवाई गई, जिसमें आर्यन ने प्रथम स्थान, अमित ने द्वितीय स्थान और गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सुमन रावत खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित करती हुईं।

अंडर 16 महिला प्रतियोगिता मे शईन ने प्रथम स्थान, रिद्धिमा ने दूसरा स्थान, साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तिलकराज सैनी ने बताया कि खिलाड़ियों को रहने और खाने की सुविधा उपलब्ध करवाई गई थी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट काफी सफल रहा है। इस मौके पर अजय कटारिया, युद्धवीर सिंह, दर्शन सिंह, धीरज शर्मा, श्याम ठाकुर, भागीरथ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस मौके पर खेल विभाग की आला अधिकारी सुमन रावत ने खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट और मेडल डालकर सम्मानित किया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रभारी ने ली टोह

पार्टी प्रभारी के साथ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता।

विवेक शर्मा, अंब

हमीरपुर संसदीय के क्षेत्र के प्रभारी गुरप्रीत सिंह गब्बी ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान की ओर से संगठन में उन लोगों को ही तरजीह दी जाएगी, जो सक्रिय रूप से संगठन में कार्य करें और 10 वर्ष आगे कांग्रेस संगठन चलाने का माद्दा और तजुर्बा रखते हों। ऐसे किसी भी व्यक्ति को पार्टी के अहम पदों पर नहीं बैठाया जाएगा, जो संगठन में रहकर भी सक्रिय भूमिका में न रहा हो।

रविवार को विश्रामगृह अंब में चिंतपूर्णी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के चुनाव के लिए टोह लेने पहुंचे गुरप्रीत सिंह गब्बी ने कहा कि पार्टी में एक व्यक्ति एक पद से सिद्धांत को पूरी तरह से लागू किया जाएगा। इस दौरान प्रभारी ने व्यक्तिगत रूप में बंद कमरे में बैठक में पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं, अग्रणी संगठनों के पदाधिकारियों से फीडबैक ली। गुरप्रीत ने कहा कि हाई कमान के आदेशों अनुसार संगठन के चुनाव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उसी के तहत कार्य करने वाले कर्मठ कार्यकर्ताओं को ही आगे लाया जाएगा। चुनाव में किसी भी राजनीतिक नेता का हस्तक्षेप नहीं चलेगा।

गुरप्रीत ने चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू की कार्य प्रणाली व उनके व्यवहार की तारीफ करते हुए कार्यकर्ताओं को उनके पदचिन्हों पर चलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सुदर्शन सिंह बबलू को टिकट मिलने के बाद चिंतपूर्णी विधानसभा के क्षेत्र की बहुत ही विकट स्थिति थी, ऐसे में जिन लोगों ने पार्टी के साथ जुड़े रहकर सुदर्शन सिंह बबलू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उन्हें विधानसभा पहुंचाया ऐसे कार्यकर्ताओं को पार्टी सम्मान करती है और ऐसे कार्यकर्ताओं को तरजीह देना पार्टी का उद्देश्य है। (अनंत ज्ञान)

स्वच्छता के दावों की खुल रही पोल

अनंत ज्ञान, घनारी

चाहे में स्वच्छता को लेकर प्रशासन निर्देश देता है, पर ग्राम पंचायत या नगर पंचायत स्तर पर ऐसे कार्यक्रम कितने सफल हो पाए हैं, यह देखने की बात है। ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में बिखरे कचरे की विकराल रूप लेती वर्तमान तस्वीर से स्पष्ट हो रहा है, वहीं नगर पंचायत गगरेट द्वारा होशियारपुर रोड पर मुख्य सड़क के किनारे फेंका जा रहा कचरा नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है।

आज तक कचरा प्रबंधन योजना कार्यान्वित न हो पाना प्रशासन की नाकामी को उजागर कर रहा है। वहीं, आए दिन पंचायतें व नगर पंचायतें स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता अभियानों को लेकर स्वच्छता पखवाड़े व अन्य गतिविधियां आयोजित करती हैं तथा आम जनमानस की जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

आम जनमानस को ग्रामीण वातावरण को पूर्णतया स्वच्छ बनाए रखने के लिए संदेश दिए जाते हैं, अगर मुबारिकपुर से दौलतपुर सड़क की ओर नजारा देखें तो पुलों के नीचे, गोंदपुर बनेहड़ा में मुख्य सड़क के पास, गगरेट-दौलतपुर सड़क पर पुल के पास व मुबारिकपुर से सुंकाली मोड के पास खुले में कचरा बिखरा हुआ अव्यवस्था को दर्शाता है। यह नजारा ग्रामीण कस्बों में स्वच्छता गांवों में जगह-जगह बिखरे कचरे के ढेर दर्शाते हैं कि कागज साफ हैं लेकिन गांव नहीं, लेकिन अधिकारी वर्ग व प्रशासन भी कुंभकर्णी नींद में दिखता है। वहीं, कचरा प्रबंधन कार्यक्रम सफेद हाथी साबित हो रहा है।

सफाई को लेकर क्या कहा क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने

शम्मी

अशोक सौंखला

किरण लता

राजेंद्र पंडित

इस बारे ने किरण लता एंटीकरप्शन संस्था ने कहा कि ग्राम पंचायतों की नाक तले खुले में कचरे के ढेर ग्रामीण क्षेत्रों में आम देखे जा सकते हैं लेकिन स्वच्छ भारत मिशन चलाने वाले अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे। इस बारे सामाजिक कार्यकर्ता अशोक सोंखला मिक्की ने कहा गांवों में खुले में कूड़े के ढेर पंचायत स्तर पर स्वच्छता की दयनीय दशा को उजागर करता है, लेकिन चुने प्रतिनिधि स्वच्छता को लेकर उदासीन बने हुए हैं। इस बारे शहीद भगत सिंह क्लब गगरेट से शम्मी ने कहा कि स्वच्छता के नाम पर अभियान तो चलाए जाते हैं, लेकिन उनकी सच्चाई गांवों में खुले पड़े कचरे के ढेरों से उजागर हो रही है। उन्होंने कहा खुले में घूम रहा गोधन कचरे में पॉलीथिन खाकर मौत का शिकार हो रहा है। इस बारे सामाजिक जागरूकता से जुड़ी 'सारथी' दिव्यांशी एजुकेशन संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र पंडित ने कहा कि सफाई व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में चरमरा चुकी है। विकास खंडों से ग्राम तक कोई भी इस बारे संवेदनशील नही है। कागजों में स्वच्छता सौ फीसदी है, जिस कारण गंदगी के ढेर गांवों की स्वच्छता को ग्रहण लगा रहे हैं। वहीं, बीमारी के फैलने की आशंका बनी हुई है ।

बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर साधु संतों के भेष में घूम रहे बेहरुपिये

आशीष शर्मा, गोंदपुर बनेहड़ा

क्षेत्र में साधु-संतों के भेष में अनजान लोगों का आना-जाना काफी बढ़ गया है। ये अनजान लोग संतों के भेष में घरों में जाकर भिक्षा मांगने जा रहे हैं और जब इन्हें लगता है कि घर में कोई नहीं है तो ये लोग उस घर के भीतर जाने का प्रयास करते हैं।

ऐसा ही कुछ गगरेट क्षेत्र के गांव गोंदपुर बनेहड़ा में गत दिवस देखा गया, जहां बिना नंबर वाली स्कूटी पर दो बेहरुपिये चेहरे पर कपड़े के साथ संतों के भेष में आते हैं और घरों में जाकर भीख मांगने का ढोंग करते हैं। सुबह 9 बजे के करीब हुई इस घटना को होते हुए लोगों ने देखा कि वो बेहरुपिये घरों में भीख मांगने के ढोंग से घरों के अंदर झाक रहे थे और जब उस व्यक्ति ने बिना नंबर की स्कूटी देखी ओर उन दोनों बेहरुपिये से पूछा किइसकी नंबर प्लेट कहां है, तब वे बेहरुपिये वहां से भागे और कुछ दूर जाकर रुके और उस व्यक्ति को कहते हैं कि तू कौन होता है पूछने वाला। इसके बाद वे भाग खड़े हुए ।

उनका भागना, कपड़े से ढका चेहरा, घरों में झांकना, बोले हुए शब्दों और बिना नंबर की स्कूटी, एक गहन चिंतन का विषय है, जिस पर ध्यान देना आवश्यक है। इस मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि पहले भी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं और इसलिए स्थानीय लोगों ने सरकार और प्रशासन से आग्रह किया है कि इन गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ किया जाए और क्षेत्र में दिन में एक से दो बार पुलिस की पैट्रोलिंग करवाई जाए। (अनंत ज्ञान)

अभियान प्रयागराज महाकुंभ में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'हरित महाकुंभ एक थाली-एक थैला अभियान' के तहत अंब नगर से भेजी सामग्री

सनातन धर्म के सबसे बड़े उत्सव के लिए अंब से 100 परिवारों ने की मदद

'अभियान' के तहत अंब नगर से भेजी जाने वाली सामग्री के साथ गणमान्यद

अनंत ज्ञान, अंब

जिला पर्यावरण संरक्षण संयोजक डॉ. रमन शर्मा बताया कि बताया 13 जनवरी, 2025 से प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम तट पर महा धार्मिक मेले का आयोजन शुरू हो जाएगा और इस महाकुंभ में करोड़ों लोग भाग लेंगे। यह महाकुंभ 26 फरवरी तक चलेगा। यह हिंदू सनातन धर्म का सबसे बड़ा उत्सव और मेला होता है

उन्होंने बताया कि 12 वर्षों के बाद आ रहे इस महाकुंभ मेंपर्यावरण संरक्षण तथा कचरा प्रबंधन के लिए पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के माध्यम से हरित महाकुंभ के तहत एक थाली -एक थैला अभियान की शुरुआत पूरे भारत वर्ष में एक दिसंबर से की गई थी। इसमें महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा प्लास्टिक के कचरे का प्रयोग कम करने के लिए हर घर से एक थाली एक थैला दान लेने का अभियान अंब नगर में भी शुरू किया गया। जिसमें 100 थाली एवं 100 थैले परिवारों से दान में लेकर आज हरित महाकुंभ के संग्रह केंद्र बद्दी के लिए भेजे गए, जहां से फिर प्रयागराज भेजे जाएंगे।

इस अभियान के बारे में राकेश चड्डा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान में स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाया गया। इस बार के महाकुंभ में भाग लेने वाले नागरिकों से एक अपील है कि वे इस बार के महाकुंभ को हरित महाकुंभ बनाने का संकल्प लें एवं अपनी थाली व थैला साथ लेकर जाएं। इस अभियान में मनोज कौशिक, अधिवक्ता राजकुमार धनोंटिया, योगेंद्र त्रिपाठी, केएस जसवाल द्वारा लगभग 100 परिवारों से सामग्री एकत्रित की गई।

न्यूज ब्रीफ

फोन के माध्यम से यौन उत्पीड़न का लगाया आरोप

कुल्लू। कुल्लू के महिला थाने में अनोखा मामला दर्ज हुआ है, जिसमें हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य विभाग शिमला में तैनात कार्यक्रम अधिकारी पर कुल्लू जिले के मनाली की महिला ने फोन के माध्यम से यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के अनुसार वह स्वयं भी स्वास्थ्य विभाग में तैनात है और उसी के विभाग से संबंधित शिमला का एक अधिकारी-2022 से उसे फोन पर अश्लील बातें कर उसे तंग कर रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला ने आरोप लगाया है कि शिमला स्वास्थ्य विभाग में तैनात एक कार्यक्रम अधिकारी वर्ष 2022 से लगातार उसे फोन के माध्यम से अश्लील टिप्पणियां करता आ रहा है, जिससे वह बहुत परेशान है। उक्त महिला ने शिकायत में यह भी कहा कि उक्त अधिकारी ने अपने फोन में कोई ऐसा ऐप इंस्टॉल किया है, जिससे कि वह महिला की लोकेशन और वह किससे बात कर रही है वह भी पता लगाता था और उसे धमकी तक देता था। महिला थाना में दर्ज शिकायत के अनुसार उक्त अधिकारी ने महिला को गंभीर परिणाम भुगतने की भी धमकियां दी हैं। मनाली की 42 वर्षीय विवाहित महिला के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग का अधिकारी लगातार उसे फोन व इंटरनेट कॉल के माध्यम से यौन संबंधी टिप्पणियां कर प्रताड़ित करता आ रहा है। इतना ही नहीं वह उसे ब्लैकमेल भी करता रहा है। उधर, पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, एसपी कुल्लू डॉ. कार्तिकेयन गोकुलचंद्रन ने बताया कि कुल्लू महिला थाने में उक्त अधिकारी के खिलाफ धारा 353ए, 354 डी व 506 के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

जवानों के रहन-सहन की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

केलांग। जिला लाहौल-स्पीति मुख्यालय के पुलिस उपअधीक्षक राज कुमार ने रविवार को पुलिस चौकी सरचू स्थित जिस्पा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्दियों में जवानों के रहन-सहन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उनकी सुविधाओं की जांच की। इसके साथ ही, उन्होंने सड़क की स्थिति का भी निरीक्षण किया, जिससे संबंधित समस्याओं को समझा जा सके और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जवानों की स्थिति और क्षेत्र की बुनियादी ढांचागत जरूरतों को बेहतर करना था।

आदिवासी समाज की भूमिका को रेखांकित किया

भुंतर। राजकीय महाविद्यालय पनारसा द्वारा एकदिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय था "स्वाधीनता आंदोलन और आदिवासी समाज"। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर स्नेह लता नेगी थीं, जिन्होंने आदिवासी समाज के इतिहास, संघर्ष और उनके योगदान के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी साझा की। प्रो. स्नेह लता नेगी ने स्वाधीनता संग्राम में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि आदिवासियों ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी और अंग्रेजों के खिलाफ कई महत्वपूर्ण आंदोलनों का हिस्सा बने। उन्होंने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहर, उनके अधिकारों और उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर भी गहराई से प्रकाश डाला। संगोष्ठी में हिमाचल के विभिन्न कॉलेजों से प्रोफेसर, शोधार्थी और लगभग 100 विद्यार्थी शामिल हुए।

डीसी ने डीएवी स्कूल के बच्चों को किया पुरस्कृत

कुल्लू। डीएवी स्कूल मौहल का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह रविवार को अटल सदन में धूमधाम से मनाया गया। डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने डीएवी स्कूल मौहल के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने स्टूडेंट्स को पुरस्कृत किया। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों की प्रतिभा को भी सराहा।

महिला सशक्तिकरण को लेकर लाहौल स्पीति की विधायक की अनूठी पहल

अब टोपी स्टॉल की जगह सरकारी समारोह की शान बनेगी लाहुली जुराब

कमलेश वर्मा, कुल्लू

लाहौल-स्पीति की युवा एवं ऊर्जावान विधायक अनुराधा राणा ने जिले की महिलाओं की आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल शुरू की है। इस पहल के तहत अब लाहौल-स्पीति जिले में जो भी सरकारी कार्यक्रम होंगे, उनमें टोपी व स्टॉल की जगह अब लाहुली जुराबें अतिथि सत्कार व सम्मान के रूप में दी जाएंगी।

इस अनूठी पहल के तहत जहां इन जुराबों को भेंट स्वरूप देने से घाटी की हजारों महिलाओं को आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा। वहीं, जीआई टैग प्राप्त महिलाओं द्वारा बनाई जाने वाली इन रंग-बिरंगी जुराबों और अधिक प्रमोट किया जा सके। विधायक के निर्देशानुसार जिला प्रशासन घाटी की महिलाओं से बिना किसी बिचौलिए के इन जुराबों को सीधे खरीदेगा, ताकि महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिल सके। लिहाजा, लाहौल-स्पीति में अब टोपी व स्टॉल की लाहुली जुराब सरकारी समारोह की शान बनेंगी और जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अतिथि सत्कार व सम्मान समारोह में सम्मान के जुराब भेंट स्वरूप दी जाएगी। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने इसको लेकर जिला प्रशासन एवं सभी विभागों को निर्देश दिए। (अनंत ज्ञान)

लाहौली महिलाएं इस हस्तशिल्प की रीढ़ हैं। उनके प्रयासों की बदौलत ही पारंपरिक कला को बनाए रखने में सफलता मिली है। इस निर्णय से घाटी की महिलाओं की आर्थिकी सुदृढ़ होगी।
अनुराधा राणा, विधायक लाहौल-स्पीति

नवंबर-2021 में मिला है जीआई टैग

नवंबर-2021 में लाहुली जुराबों और दस्तानों को जीआई टैग मिला था, तब से जुराबों और दस्तानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। जीआई टैग मिलने का फायदा हथकरघा कारोबार से जुड़ी महिलाओं को मिला है। सेव लाहौल-स्पीति संस्था के अध्यक्ष प्रेम कटोच की मानें, तो घाटी की करीब 15 हजार से अधिक महिलाएं इस पारंपरिक कारोबार से सीधे तौर पर जुड़ी हैं।

सप्ताह में चुनाव नहीं किए, तो सड़क पर उतरेंगे होटल एसोसिएशन के सदस्य

अनंत ज्ञान, मनाली

मनाली होटलियर्स एसोसिएशन के चुनाव में हो रही देरी से एसोसिएशन के सदस्यों में आक्रोश है। एसोसिएशन के सदस्यों ने रविवार को बैठक आयोजित कर प्रशासन व सरकार के प्रति नाराजगी जताई। होटल एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में सौ से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में सभी सदस्यों ने एसोसिएशन के चुनाव न होने, सिमसा में आग की भेंट चढ़े होटल मालिक की मदद करने सहित एसोसिएशन की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

सभी ने एक स्वर में कहा कि होटल एसोसिएशन के चुनाव एक सप्ताह के भीतर नहीं करवाए, तो सभी सदस्य सड़क पर उतरेंगे। साथ ही आने वाले विंटर कार्निवाल से भी दूरी बनाएंगे। बैठक आयोजित करने के बाद निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश ने कहा कि प्रशासन ने जानबूझकर होटल एसोसिएशन के चुनाव लटकाए हैं। सितंबर 25 को एसोसिएशन के चुनाव होने थे, लेकिन कुछ सदस्यों की शिकायत के चलते चुनाव यह कहकर टाल दिए थे कि एसडीएम मनाली मामले की जांच कर 10 दिन में अपनी रिपोर्ट देंगे। उसके बाद चुनाव करवा लिए जाएंगे, लेकिन 10 दिन के बजाए अब तक लगभग चार महीने बीतने को हैं। चुनाव को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने जिला प्रशासन व सरकार को चेताया कि अगर एक सप्ताह के भीतर चुनाव नहीं करवाए, तो सभी सदस्य सड़क में उतरेंगे और अपने कार्यालय में ताला लगा देंगे। राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते जानबूझकर चुनाव को लटकाया गया है। उन्होंने जिला प्रशासन व सरकार से आग्रह किया कि एसोसिएशन के जल्द निष्पक्ष चुनाव करवाए जाएं।

कुल्लू क्रिकेट संघ के अंडर-14 ट्रायल में रिकॉर्ड, 94 प्रतिभागियों ने लिया भाग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला कुल्लू क्रिकेट संघ के अंडर-14 ट्रायल 2 साल बाद फिर से शुरू हो गए हैं। जिला कुल्लू के ढालपुर स्थित खेल मैदान में रविवार को रिकॉर्ड 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुल्लू जिला क्रिकेट संघ के चयनकर्ता असीम राणा ने बताया कि कुल्लू क्रिकेट संघ के अध्यक्ष दविंद्र सिंह के देखरेख में इस ट्रायल का सफल आयोजन सेलेक्शन कमेटी के चेयरमैन बीबी आचार्य, चयनकर्ताओं कोनिक आचार्य व रांकेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में किया गया।

इस ट्रायल में प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला, जो निकट भविष्य के लिए कुल्लू क्रिकेट संघ के लिए बहुत अच्छी बात है। असीम राणा ने बताया कि आज के ट्रायल में अलग-अलग स्कूलों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया और जल्द इसमें चयनित हुए प्रतिभागियों के साथ 25 दिसंबर को टीम ऊना के लिए रवाना होगी और 26 व 27 दिसंबर को पहली क्रिकेट प्रतियोगिता कुल्लू व लाहौल-स्पीति टीम में ऊना में होगी। चयनित प्रतिभागियों को अलग-अलग ग्रुप में आवंटित किया गया है और ऊना ग्रुप में कुल्लू, लाहौल-स्पीति, सोलन व ऊना को रखा गया है।

बिजली महादेव के कपाट तीन माह के लिए बंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

कुल्लू घाटी के आराध्य देव बिजली महादेव के कपाट रविवार से तीन माह के लिए पूर्ण रूप से बंद हो गए हैं। हर साल इन तीन माह में बिजली महादेव सहित जिले के अन्य करीब 300 देवी-देवता स्वर्ग प्रवास पर रहते हैं, जिसके चलते जिले के देवालयों में पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते हैं।

इसी कड़ी में इस बार भी रविवार से बिजली महादेव सहित अन्य देवी-देवताओं के कपाट बंद हो गए हैं। कई देवालयों के कपाट अब माघ मास की संक्रांति को खुलेंगे, तो कई फाल्गुन मास की संक्रांति को खुलेंगे। लिहाजा, बिजली महादेव सहित जिले के अन्य करीब 300 देवी-देवताओं के कपाट देवआज्ञा के अनुसार तीन माह के लिए पूर्ण रूप से बंद हो गए हैं और देवालय में पूजा-अर्चना और अन्य देवकारज भी अब तीन माह तक नहीं होंगे। बिजली महादेव के पुजारी मदन ने बताया कि इस देव आज्ञा का सदियों से निर्वहन किया जा रहा है। अब तीन माह तक देवता बिजली महादेव के कपाट बंद होने से सैलानियों व श्रद्धालुओं को ऐतिहासिक शिवलिंग के दर्शन नहीं होंगे। बिजली महादेव का स्वर्ग प्रवास चैत्र माह की संक्रांति को संपन्न होगा, लेकिन शिवरात्रि पर्व पर बिजली महादेव के कपाट

फाइल फोटो।

विशेष रूप से दो दिन के लिए खुलेंगे। इसके बाद चैत्र माह की संक्रांति को ही देवविधि के अनुसार कपाट खोला जाएगा। देवसमाज से जुड़े लोगों के अनुसार पौष माह में देवी-देवता हर साल स्वर्ग प्रवास में इंद्र देवता के दरबार में हाजिरी भरने के लिए जाते हैं। देवलू बताते हैं कि इस अवधि में देवी-देवता स्वर्ग प्रवास पर जाते हैं। देव-दानव युद्ध भी इस अवधि में होता है। जब देवालयों के कपाट खुलेंगे, तब देवी-देवता अपने गुर के माध्यम से हार-जीत के बारे में बताते हैं और आगामी भविष्यवाणी करते हैं। आगामी वर्ष फसल कैसी होगी और वर्षा आदि कितनी मात्रा में होगी, इसके बारे में बताते हैं। जिले के अन्य देवी-देवताओं के साथ घाटी के देवता बिजली महादेव भी इस दौरान स्वर्ग प्रवास पर रहेंगे। बिजली महादेव का कपाट रविवार से बंद हो गया। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि अब महाशिवरात्रि के दिन ही दो दिनों के लिए बिजली महादेव का कपाट खुलेगा और उनके दर्शन होंगे, इसलिए श्रद्धालुओं को पिंडी के बाहर से ही दर्शन होंगे।

उधर, जिला देवी-देवता कारदार संघ के अध्यक्ष दोत राम ठाकुर ने कहा कि जिले के अधिकतर मुख्य देवी-देवता रविवार से स्वर्ग प्रवास के लिए रवाना हो गए हैं। लिहाजा, आज से जिले के अन्य देवी-देवताओं के साथ कुल्लू घाटी के आराध्य देवता बिजली महादेव भी स्वर्ग प्रवास के लिए रवाना हो गए हैं और इस दौरान तीन माह तक उनके कपाट बंद रहेंगे।

गठिया जांच शिविर में की 132 लोगों की जांच

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला रेड क्रॉस सोसायटी कुल्लू द्वारा ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) बिलासपुर के क्लीनिक इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी विभाग के सहयोग से निशुल्क गठिया जांच शिविर का आयोजन रविवार को जिला दिव्यांगता पुनर्वास केंद्र, क्षेत्रीय अस्पताल, कुल्लू में किया गया।

इस शिविर पर डीसी कुल्लू तोरुल एस रविश ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की तथा शिविर में जांच करवाने आए मरीजों से भी बात की। इस शिविर में 132 व्यक्तियों जिनके जोड़ों, उंगलियों, कलाई आदि में लगातार सूजन, जकड़न या दर्द हो रहा था या मुठ्ठी बंद करने में कठिनाई आ रही थी उनकी जांच एम्स बिलासपुर के गठिया विशेषज्ञों डॉ. योगेश प्रीत सिंह, डॉ. अंकिता तथा डॉ. राम द्वारा की गई। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, अस्थि घनत्व परीक्षण की सुविधाएं उपलब्ध थी, जिनका जांच विभाग के नर्सिंग ऑफिसर नीतिका, गरिमा, छेरिंग डेचन और लैब तकनीशियन विशाल द्वारा किया गया, जिन मरीजों में गठिया के लक्षण पाए गए, उन्हें गठिया की दवाइयां उपलब्ध करवाई गई तथा पूर्ण इलाज करवाने के लिए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बिलासपुर के क्लीनिक इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी विभाग में आमंत्रित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुल्लवी नाटी व हिमाचली संगम मुख्य आकर्षण का रहे केंद्र

अनंत ज्ञान, बंजार

गड़ागुशैणी कॉलेज में केंद्र छात्र संघ (सीएससीए) राजकीय महाविद्यालय गड़ागुशैणी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पीटीए अध्यक्ष तेज राम मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज के स्टूडेंट्स ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की।

इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुल्लवी नाटी और हिमाचली संगम मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कॉलेज के सभी स्टूडेंट्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बास्केटबॉल संघ के ज्वाइंट सेक्रेटरी बने मदन बौद्ध

पतलीकूहल। जिला बास्केटबॉल संघ लाहौल-स्पीति के चेयरमैन मदन बौद्ध को प्रदेश बास्केटबॉल संघ का ज्वाइंट सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मदन बौद्ध की कड़ी मेहनत और बास्केटबॉल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मदन बौद्ध वर्ष 2015 से लगातार जिला बास्केटबॉल संघ लाहौल-स्पीति की बढ़ोतरी के लिए निरंतर योगदान दे रहे हैं। जिला बास्केटबॉल संघ लाहौल-स्पीति की पदाधिकारी टीम में रहते हुए उन्होंने कई राज्य स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस उपलब्धि के लिए मदन बौद्ध ने बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के ज्वाइंट सेक्रेटरी मुनीष शर्मा का तहेदिल से धन्यवाद दिया। मुनीष शर्मा के मार्गदर्शन और समर्थन ने मदन बौद्ध को इस पद तक पहुंचने में मदद की है। साथ ही मदन बौद्ध ने जिला बास्केटबॉल संघ लाहौल-स्पीति के अध्यक्ष संजय अंगरूप और जिला महासचिव अंकुर राणा एवं सभी पदाधिकारियों का हमेशा साथ एवं समर्थन के लिए धन्यवाद किया। जिला बास्केटबॉल संघ आगामी भविष्य में भी इसी तरह बेहतर कार्य के लिए प्रयासरत रहेगा। मदन बौद्ध की इस नियुक्ति से लाहौल-स्पीति और हिमाचल के बास्केटबॉल खिलाड़ियों को नई उम्मीदें और प्रेरणा मिलेगी।

राम सिंह ठाकुर बने हरिपुर निगान कृषक संघ के प्रधान

अनंत ज्ञान, आनी

रविवार को हरिपुर-निगान कूहल से लाभान्वित होने वाली पंचायत तलूना, आनी, कुंगश के अंतर्गत गांव नेवी, निगान, हरिपुर, समोली, तलूना, शुपासेरी आदि किसानों ने हरिपुर में एक बैठक का आयोजन किया।

बैठक में कृषक संघ का गठन किया गया, जिसमें राम सिंह ठाकुर को कृषक संघ का प्रधान चुना गया है, जबकि संदीप चौहान गोल्डी और मंजीत शर्मा को उपप्रधान चुना गया। वहीं, देवेंद्र ठाकुर सचिव, यशपाल सहसचिव, बालकराम कोषाध्यक्ष, रमेश ठाकुर वरिष्ठ सलाहकार, कैलाश शर्मा सलाहकार बनाए गए, जबकि सुलेमान, शीला देवी, किशन दास, रामलाल, अरुण ठाकुर, हीरालाल शर्मा, महेंद्र सिंह, गुलाब दास, अनिल ठाकुर को कार्यकारिणी का सदस्य चुना गया। कृषक संघ के नवनिर्वाचित प्रधान राम सिंह ठाकुर ने कहा कि संघ का मुख्य कार्य हरिपुर-निगान कूहल का सही ढंग से प्रबंधन करना रहेगा, ताकि इस कूहल का रवाह से निगान-हरिपुर तक के किसानों को लाभ पहुंच सके। जल्द ही कृषक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल जलशक्ति विभाग आनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर हरिपुर-निगान सिंचाई कूहल को लेकर चर्चा करेगा।

आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय रियाड़ा का वार्षिक समारोह धूमधाम से आयोजित

बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर मोहा दर्शकों का मन

मोहन कपूर, पतलीकूहल

सरस्वती विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय रियाड़ा के वार्षिक समारोह के दौरान विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति देते हुए।

सरस्वती विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय रियाड़ा का वार्षिक उत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह विद्यालय के प्रांगण में मनाया गया। इस उत्सव में मुख्यातिथि के रूप में जिला परिषद कुल्लू के अध्यक्ष पंकज परमार ने भाग लिया।

पंकज परमार ने इस अवसर पर अपने संबोधन में बताया कि वे स्वयं सरस्वती विद्या मंदिर में ही पढ़े हैं। सरस्वती विद्या मंदिरों में पढ़ाई के साथ-साथ संस्कारों पर भी बल दिया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने सरस्वती विद्या मंदिर में शौचालय के रखरखाव में अन्य व्ययों के लिए जिला परिषद कोष से एक लाख रुपए अनुदान देने की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में हिमालय शिक्षा समिति कुल्लू के अध्यक्ष ओम प्रकाश ठाकुर भी उपस्थित रहे। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विद्या भारती से संबद्ध एवं हिमाचल शिक्षा समिति द्वारा संचालित इस विद्यालय के इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरस्वती विद्या मंदिर संपूर्ण भारत वर्ष में चलते हैं। कुल्लू में बाइस ऐसे ही विद्या मंदिर चल रहे हैं, जिनमें बच्चों के सर्वांगीण विकास से संबंधित सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

विद्या मंदिरों के छात्र शिक्षा के क्षेत्र में भी अनेक कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। इस कार्यक्रम में विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के जनजातीय शिक्षा प्रमुख विजय विशेष रूप से उपस्थित रहे। धूमधाम से मनाए गए इस कार्यक्रम में विद्यालयों के स्टूडेंट्स ने लघु नाटक, व्यंग्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अभिभावकों व दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आत्मा राम ने विद्यालय वृत्त प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने विद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक चलने वाली सभी गतिविधियों की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में अनेक पंचायतीराज संस्था के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति अंकित की। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल समिति के अध्यक्ष ज्ञान चंद ने कार्यक्रम के मुख्यातिथियों एवं सभी अभिभावकों व सभी कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया।

होनहार विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि।

बच्चों के सभी अनिवार्य दस्तावेज डिजिटल लॉकर में होंगे सुरक्षित

राजकीय केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला नथान-एक में अपार मैगा दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की आईडी बनाने के लिए अभिभावकों को जागरूक किया।

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

राजकीय केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला नथान-एक में अपार मैगा दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। पाठशाला के सीएचटी जयपाल राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि (एपीएआर आईडी) आटोमेटिक परमानेंट एजुकेशनल हिस्टरी ऑफ चाइल्ड के बारे में अभिभावकों को जागरूक किया और उन्हें इस आईडी बनाने के लिए सहमति पत्र के बारे में बताया गया।

जयपाल राणा ने बताया कि इस अपार आईडी को बनाने के लिए बच्चों का आधार कार्ड और उनके माता-पिता या संरक्षक का आईडी होना अनिवार्य है। आईडी प्रूफ अभिभावक या संरक्षक के लिए आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या पैन कार्ड इनमें से एक आईडी अनिवार्य है, यदि बच्चों का आधार कार्ड या अभिभावकों का आईडी प्रूफ नहीं होगा, तो यह अपार आईडी नहीं बन पाएगी। सीएचटी जयपाल राणा ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में बच्चों की विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों जैसे अकादमिक अभिलेख, छात्रवृत्ति रखरखाव अन्य गैर शैक्षणिक गतिविधियों, शैक्षिक संस्थानों से प्राप्त डिप्लोमा या डिग्री आदि अभिलेख को सुरक्षित जाएगा। इन सारे दस्तावेजों को अपार आईडी के माध्यम से डिजिटल लॉकर में सुरक्षित रखा जाएगा। इस आईडी का बनाने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कभी भी भविष्य में बच्चों का कोई दस्तावेज गुम हो जाता है, तो वह उसे बनाए गए डिजिलॉकर के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

जोगिंद्रा बैंक को गोवा में किया सम्मानित

सोलन। गोवा में 2 दिवसीय स्टेट एवं जिला कॉपरेटिव बैंकिंग को लेकर जागरूकता और देश भर से चिन्हित सहकारी बैंकों में बेस्ट बैंक्स को लेकर अवाडर्स का आयोजन 13 और 14 दिसंबर को किया गया। जोगिंद्रा बैंक को इस अवसर पर बेस्ट प्रोमिसिंग बैंक लीडरशिप आईकॉनिक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जोगिंद्रा बैंक के चेयरमैन मुकेश शर्मा, बैंक के प्रबंध निदेशक पंकज सूद ने जानकारी दी कि जोगिंद्रा बैंक की कार्यप्रणाली एवं ग्रामीण क्षेत्र में बेहतरीन काम करने के साथ-साथ बैंक का नेट एनपीए जीरो प्रतिशत और ग्रास एनपीए 3.38 प्रतिशत सीआरएआर रेशो 15.75 प्रतिशत को लेकर इस अवॉर्ड से नवाजा गया।

मोबाइल का सही उपयोग करना सीखें स्टूडेंट्स

दाड़लाघाट। राजकीय उच्च विद्यालय मंगरुड में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यापकों और स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) ने भाग लिया। इस अवसर पर नरेश वर्मा जो गांव मंगरुड के निवासी हैं और वर्तमान में जिला कुल्लू के आनी उपमंडल में एसडीएम के पद पर कार्यरत हैं, उन्होंने भी भाग लिया। नरेश वर्मा ने स्वेच्छा से राजकीय उच्च विद्यालय मंगरुड को हिमाचल प्रदेश सरकार के स्कूल एडॉप्शन प्रोग्राम के तहत गोद लेने का निर्णय लिया। उन्होंने विद्यालय में चल रही गतिविधियों की पूरी जानकारी ली और सभी अध्यापकों की प्रशंसा की। उन्होंने अपनी ओर से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने की अपनी सहमति दी। नरेश वर्मा ने इसी विद्यालय से अपनी पांचवीं तक की पढ़ाई पूरी की और आज हिमाचल प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने भविष्य में इस विद्यालय को अपना भरपूर मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता देने का भी वचन दिया। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपनी पढ़ाई का पूरा ध्यान रखें, अध्यापकों के कहे रास्ते पर चलें, मोबाइल का सही उपयोग करना सीखें और समाज में फैल रही नशे की बीमारी से दूर रहें। विद्यालय के मुख्याध्यापक लच्छी राम ठाकुर ने विद्यालय गोद लेने पर उनका आभार व्यक्त किया और बच्चों को ऐसे व्यक्तित्व से सीखने का अनुरोध किया।

शिमला कुमार हाउस के बाहर आज धरना-प्रदर्शन

पांवटा साहिब। हिमाचल प्रदेश बिजली बोर्ड आउटसोर्स कर्मचारी यूनियन ने 16 दिसंबर को बिजली मुख्यालय शिमला कुमार हाउस के बाहर धरना-प्रदर्शन का आह्वान किया है। प्रदेश में 81 आउटसोर्स चालक कर्मियों को हटाने के फरमान खिलाफ यूनियन ने जंग का ऐलान कर दिया है। राज्य यूनियन के आह्वान पर जिला सिरमौर से करीब 100 कर्मचारी धरना प्रदर्शन में भाग लेंगे। आउटसोर्स कर्मचारी राज्य संघ हिमाचल प्रदेश महासचिव राजेश चौहान ने कहा कि बिजली बोर्ड के मुख्यालय के बाहर प्रदेश स्तर का सामूहिक विरोध-प्रदर्शन करने जा रहे हैं। प्रमुख मांगों में विद्युत बोर्ड में आउटसोर्स छंटनी प्रक्रिया के माध्यम से 81 ड्राइवर साथियों को नौकरी से हटाने का फरमान जारी किया गया है, उनको बाहर नहीं निकाला जाए। भविष्य में बिजली बोर्ड में कार्यरत समस्त आउटसोर्स साथियों में से कोई भी साथी बाहर न निकाला जाए।

एनएच-5 में सोलन-कैथलीघाट फोरलेन के दूसरे चरण का निर्माण कार्य 90 फीसदी पूरा

आर मोहन चौहान, सोलन

नेशनल हाईवे-5 पर सोलन से कैथलीघाट के बीच फोरलेन के दूसरे चरण का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने को है।

जानकारी के मुताबिक दूसरे चरण के फोरलेन का 90 फीसदी कार्य पूरा हो गया है। इससे पहले परवाणू से सोलन के बीच फोरलेन का निर्माण हुआ है। खास बात यह है कि फोरलेन की चौड़ाई भी पहले से अधिक हो गई है। इससे सड़क दुर्घटना का भी अंदेशा कम हो जाएगा। पहले एक ही लेन से दोनों ओर आवाजाही होने से दुर्घटनाएं भी अधिक होती थी पर अब फोरलेन निर्माण से वाहन चालकों को फायदा मिलेगा। इससे वाहन चालकों को सुगमता होने के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सोलन से कैथलीघाट फोरलेन निर्माण होने से आवाजाही में भी करीब आधा घंटे का समय बचेगा। (अनंत ज्ञान)

सोलन के चंबाघाट में बना फ्लाई ओवर।

> सोलन से कैथलीघाट के बीच फोरलेन का निर्माण कार्य 90 फीसदी तक पूरा हो गया है। अब कई स्थानों पर फिनिशिंग कार्य किया जा रहा है। कंडाघाट में टनल का निर्माण कार्य भी चला हुआ है। एनएचएआई की ओर से निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य को पूरा किया जाएगा।
>
> **दीपक कुमार, महाप्रबंधक, एफिल कंपनी।**

पहाड़ियों की कटिंग भी हुई पूरी

कंपनी की ओर से पहाड़ियों की कटिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। यह कार्य एनएचएआई की ओर से सितंबर 2018 में एफिल कंपनी को सौंपा गया था। साथ ही इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य जून-2026 दिया गया है। डीपीआर के अनुसार सोलन से कैथलीघाट के बीच 22.9 किलोमीटर पर फोरलेन का निर्माण होना है। फोरलेन बनने से 1.4 किलोमीटर का कार्य कम हो गया।

वाहनों के लिए खुला रेलवे ओवरब्रिज

दूसरे चरण में हुए फोरलेन निर्माण कार्य में चंबाघाट में रेलओवर ब्रिज तैयार किया गया है। इससे आवाजाही भी शुरू हो गई है। इससे चंबाघाट में लगने वाले जाम से भी छुटकारा मिल गया है। इससे पहले यहां पर पुरानी सड़क पर काफी जाम लगता था। वहीं, फाटक लगने के बाद काफी देर तक लोगों को इंतजार करना पड़ता था। इसके अलावा ब्रूरी में सुपर स्ट्रक्चर स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया है। इस पर से भी आवाजाही चल रही है।

उपमुख्यमंत्री ने लोगों से रेडक्रॉस समिति को उदारतापूर्वक अंशदान करने का किया आग्रह

अनंत ज्ञान, बीबीएन

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने गत देर सायं सोलन के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जिला स्तरीय तीन दिवसीय रेडक्रॉस मेले की द्वितीय सांस्कृतिक संध्या में शिरकत की।

मुकेश अग्निहोत्री ने जनसमूह को मेले की बधाई देते हुए कहा कि रेडक्रॉस संस्था पीड़ित मानवता की सेवा में अहम भूमिका निभाने का कार्य कर रही है। रेडक्रॉस समिति पूरे विश्व में पीड़ित मानवता की सेवा में अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने लोगों से रेडक्रॉस समिति को उदारतापूर्वक अंशदान देने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नालागढ़ क्षेत्र से रहने वाले सुप्रसिद्ध पंजाबी कलाकार बीएन शर्मा को सम्मानित किया। मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में कंवर ग्रेवाल, कुमार साहिल, कंवर सोनू, सुमी प्रिंस, मोहित शर्मा, नितिन कौशल, लकी शहजादा, श्वेता राणा सहित स्थानीय व अन्य प्रदेश के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। इससे पूर्व मेले में विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

इस अवसर पर नालागढ़ के विधायक हरदीप सिंह बावा, नगर परिषद नालागढ़ की अध्यक्ष वंदना बंसल, उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक बद्दी विनोद धीमान, एसडीएम नालागढ़ राजकुमार सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति, बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

लोक अदालत में 4503 मामलों का किया निपटारा

लोक अदालत में विभिन्न मामलों की सुनवाई को लेकर पहुंचे लोग।

अनंत ज्ञान, सोलन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोलन की सचिव आकांक्षा डोगरा ने कहा कि सोलन के सभी न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उपमंडल नालागढ़, कसौली, अर्की, कंडाघाट तथा सोलन मुख्यालय में 13 लोक अदालत बैंचों का गठन किया गया।

इन लोक अदालतों का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश सोलन अरविंद मल्होत्रा की अध्यक्षता में किया गया। दिसंबर माह में प्री लोक अदालत सीटिंगस भी करवाई गई है। इस अवसर पर कुल 7528 मामलों को सुनवाई के लिए प्री लोक अदालत सीटिंगस एवं लोक अदालत की विभिन्न बैंचों के समक्ष रखा गया जिसमें से 4503 मामलों का निपटारा विभिन्न पक्षों की आपसी सहमती से किया गया। इन मामलों की कुल समझौता राशि 13 करोड़ 26 लाख 37 हजार 29 रुपए रही। 6170 मोटर व्हीकल चलानों को भी विभिन्न बैंचों के समक्ष रखा गया, जिनमें से 3822 मामलों का निपटारा किया गया।

कोटली मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता में 60 टीमें ले रही भाग

अनंत ज्ञान, अर्की

मैदान कोटली में बाघल कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ रामलोक आश्रम कंडाघाट के संस्थापक बाबा अमरदेव के कर कमलों से हुआ।

बाबा के शालाघाट पहुंचने पर संस्था के संस्थापक सुरेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में संस्था के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों व अन्य लोगों ने मुख्यातिथि का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इसके पश्चात प्रतियोगिता मैदान में पहुंचने पर मुख्यातिथि ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि ने उपस्थित खिलाड़ियों व दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युग में देश के नौजवान नशों के गर्त में डूब कर अपने व अपने परिवार का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। इन नौजवानों को नशों से दूर रखने के लिए खेलकूद जैसी प्रतियोगिताएं कारागर हैं। उन्होने अर्की कल्याण संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए संस्थापक सुरेंद्र ठाकुर की पीठ थपथपाई। नौजवानों को नशे के नर्क में जाने से बचाने के लिए ऐसी संस्थाओं को आगे आना चाहिए। संस्था के संस्थापक सुरेंद्र ने अपने संबोधन में सर्व प्रथम मुख्यातिथि बाबा अमरदेव का इस अवसर पर पहुंचने के लिए संस्था व अर्की क्षेत्र की समस्त जनता की ओर से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था अर्की क्षेत्र के युवाओं को नशों जैसी बुराइयों से दूर रखने के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं सहित अन्य प्रतियोगिताओं में व्यस्त रखने का प्रयास कर रही है, ताकि क्षेत्र के युवा इन प्रतियोगिताओं में व्यस्त रह कर नशे की ओर ध्यान न दे पाएं। संस्था के सह संयोजक मनमोहन ठाकुर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में लगभग 60 टीमें भाग ले रही हैं। उन्होंने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन के पश्चात रस्सा कस्सी तथा कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51000, द्वितीय 25000, कबड्डी प्रतियागिता के लिए प्रथम पुरस्कार 11000, द्वितीय 5100, रस्सा कस्सी के लिए प्रथम 8100 तथा द्वितीय पुरस्कार 4100 निर्धारित किया गया है।

मैदान कोटली में बाघल कप क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ रामलोक आश्रम कंडाघाट के संस्थापक बाबा अमरदेव ने किया।

17 दिसंबर को मनाएगी पेंशनर्स एसोसिएशन स्थापना दिवस

सराहां। पेंशनर्स एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ सराहां ईकाई की विशेष बैठक ईकाई अध्यक्ष नरेश दत शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पेंशनर्स एसोसिएशन का स्थापना दिवस 17 दिसंबर को होटल चाइना रोज नजदीक सराहां में प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर हिमाचल पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष हरी दत शर्मा बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इसके अतिरिक्त पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला सिरमौर की एडोक कमेटी के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा एवं यूनाइटेड वेटरन्स एसोसिएशन पच्छाद चैप्टर के अध्यक्ष संजय राजन भी समारोह में विशेष रूप से शिरकत करेंगे। समारोह प्रातः 10 बजे आरंभ होगा। इस अवसर पर पेंशनर्स एसोसिएशन की सराहां इकाई ने इलाके के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों से निवेदन किया कि अपने स्थापना दिवस के कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

पाइनग्रोव स्कूल में धूमधाम से मनाया स्नातक समारोह

सोलन। पाइनग्रोव स्कूल धर्मपुर में स्नातक समारोह आयोजित किया गया, जो कि कृतज्ञता, गर्व, आशा और पुरानी स्मृतियों का एक सुंदर मिश्रण था। ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों ने कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को प्रेम, आदर तथा सौहार्द एक सुंदर प्रस्तुति के साथ सम्मानित किया। युवा स्नातकों द्वारा इन यादगार पलों के प्रति आभार और कृतज्ञता को अनेक मार्मिक भाषणों द्वारा प्रकट किया गया। ज्ञान और मार्गदर्शन के सार्थक शब्दों द्वारा, कार्यकारी निदेशक कैप्टन एजे सिंह ने युवा छात्रों को प्रेरित करते हुए उन्हें आंतरिकमूल्यों, बुद्धिमान विकल्पों तथा जिम्मेदारी के महान मूल्यों की याद दिलाई। कैप्टन एजे सिंह और समीक्षा सिंह, सभी स्कूल प्रमुखों, स्टाफ सदस्यों और उनके गौरवान्वित परिवारों के स्नेहपूर्ण आशीर्वाद के साथ, बारहवीं कक्षा के छात्र अब एक नई यात्रा आरंभ करने के लिए तैयार हैं। गौरवान्वित पाइनग्रोव परिवार उनके उज्ज्वल भविष्य, सफलता तथा प्रसन्नता की कामना करता है।

पुनर्वास केंद्रों के बारे में किया जागरूक

दाड़लाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मांगू में निजी संस्था की मेडिकल मोबाइल यूनिट 3 अर्की द्वारा नशीली दवाओं की लत और मादक पदार्थों के सेवन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों को नशीली दवाओं के सेवन से व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव, इसे रोकने के तरीके और नशे की लत के शिकार मरीजों के लिए पुनर्वास केंद्रों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर मांगू की छात्राओं को 71 सैनिटरी किट और गवर्नमेंट हाई स्कूल पकोटी स्कूल में 15 सैनिटरी किट वितरित किए गए।

धार्मिक युवा स्पोर्ट्स ने वॉलीबाल प्रतियोगिता का किया आयोजन

डीवाईसी दाड़ला विजेता, घनागुघाट उपविजेता

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

धर्मिक युवा स्पोर्ट्स की ओर से एकदिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का समापन सरस्वती विद्या मंदिर के खेल मैदान में हुआ।

इस अवसर पर मुख्यातिथि डीवाईसी अध्यक्ष चेतन ठाकुर और विशेषातिथि आशीष गुप्ता ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। आयोजक तरुण वर्मा, ईशान शर्मा और माधव ठाकुर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों और स्थानीय युवाओं की टीमों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विजेता डीवाईसी दाड़ला रहे, जबकि घनागुघाट उपविजेता रहे। अध्यक्ष चेतन ठाकुर ने इस तरह के आयोजन के लिए धर्मिक युवा स्पोर्ट्स को बधाई और साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं को खेल के माध्यम से एकजुट करने और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में मदद करेगा। विशेषातिथि आशीष गुप्ता ने भी इस अवसर पर उपस्थित रहकर प्रतियोगिता की सराहना की।

धार्मिक युवा स्पोर्ट्स की वॉलीबाल प्रतियोगिता के आयोजन पर विजेता टीम के साथ मुख्यातिथि।

पाचकों की कुकिंग प्रतियोगिता में पार्वती प्रथम

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

दाड़लाघाट में आयोजित पाचकों यानी कुक कम हेल्परों की खंड स्तरीय कुकिंग प्रतियोगिता में पार्वती देवी ने पहला स्थान हासिल किया।

यह प्रतियोगिता राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला दाड़लाघाट में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में अपने-अपने क्लस्टर से चयनित 6 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें पार्वती देवी राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला दाड़लाघाट, महेंद्र सिंह राजकीय प्राथमिक पाठशाला पंजल, ज्योति देवी राजकीय प्राथमिक पाठशाला धैणा, कामेश्वर दत्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बलेरा, बृजलाल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घनागुघाट, और नरेश कुमार राजकीय प्राथमिक पाठशाला बैमु शामिल थे। प्रतियोगिता के परिणामों के अनुसार पार्वती देवी कुल कम हेल्पर राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला दाड़लाघाट ने 187 अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कुक कम हेल्पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बलेरा कामेश्वर दत्त ने 179 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया। खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी बृजलाल पंवर और एसएमसी प्रधान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दाड़लाघाट दीपक गजपति और एसएमसी सदस्य राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला दाड़लाघाट मदन लाल ठाकुर ने प्रथम व द्वितीय स्थान पर आने वाले पाचकों के साथ-साथ अन्य चारों प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया। पाठशाला के मुख्याध्यापक कुलदीप सिंह चौहान ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताएं करवाने का उद्देश्य विद्यालय में विद्यार्थियों को शुद्ध स्वादिष्ट तथा पोषक तत्वों से भरपूर भोजन परोसने से है, ताकि पाचकों में अच्छा भोजन पकाने की स्पर्धा जागृत हो।

पाचकों की खंड स्तरीय कुकिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

जीनियस ग्लोबल स्कूल के वार्षिक समारोह में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

अनंत ज्ञान, सोलन

जीनियस ग्लोबल स्कूल सोलन का 17वां वार्षिक समारोह रविवार को आयोजित किया गया। समारोह शहर के समीप कोठों स्थित कला मंच ऑडिटोरिम में मनाया गया। समारोह में होटल आर मेडंस के एमडी राज कुमार सिंगला मुख्यातिथि रहे।

उन्होंने साल भर में हुई विभिन्न गतिविधियों में अव्वल रहे छात्रों को सम्मानित किया। समारोह का आकर्षण सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ छोटे बच्चों के मंच संभालने की दक्षता रहा। स्कूल डायरेक्टर नीति शर्मा के साथ डायरेक्टर राज कौशल, डॉ. मनमोहन कौशल, भुवनेश्वरी शर्मा, विपुल शर्मा व पुनीत वर्मा ने मुख्यातिथि को सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यातिथि ने कहा कि इन बच्चों के हाथ में ही देश का भविष्य है। बच्चों में संस्कार देने का दायित्व शिक्षकों के साथ अभिभावकों का भी है। उन्होंने छोटे बच्चों के आत्म विश्वास की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं जो काबिले तारीफ है। स्कूल बिलकुल सही दिशा में जा रहा है। यहां शिक्षित हो रहे बच्चे जीवन में आगे बढ़ने के लिए जितने मानसिक रूप से तैयार हो रहे हैं, उतने ही शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक और व्यवहारिक तौर पर भी। स्कूल की ये खूबी बताती है की स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे जीवन में किस तरह ऊंचाइयों पर पहुंच देश, प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने स्कूल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भारत एक खोज थीम पर आधारित इस समारोह में प्री-नर्सरी से लेकर सीनियर सभी बच्चों ने भाग लिया। इसमें एक घंटे की स्किट में बच्चों ने मोहन जो दाड़ो से लेकर ईसरो तक भारत का सफर खूबसूरती के साथ पेश किया। सबसे पहले मोहन जो दारो, शिव तांडव (शंख नाद), अखंड भारत की प्रस्तुति ने समा बांधा। इसके बाद बच्चों ने अशोका, बुद्धा, शिवाजी, अहल्या, अकबर व बीआर अंबेडकर के किरदार निभाए।

जीनियस ग्लोबल स्कूल सोलन के वार्षिक समारोह में नृत्य प्रस्तुत करते बच्चे।

परेशानी — ड्राइवर टीन की छत वाले ट्रकों में रातें गुजारने को मजबूर, दो-दो दिन लग रहा जाम

अंबुजा सीमेंट प्लांट में जाम की मार, ट्रक ड्राइवर परेशान

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

दाड़लाघाट स्थित अंबुजा सीमेंट प्लांट में जाम की समस्या ने ट्रक ड्राइवरों की परेशानियां बढ़ा दी हैं।

कड़कती ठंड में जहां हर कोई गर्म कपड़ों और सुरक्षित छत के नीचे रहना चाहता है। वहीं, इन ड्राइवरों को टीन की छत वाले ट्रकों में रातें गुजारने पर मजबूर होना पड़ रहा है। ड्राइवरों का कहना है कि प्लांट प्रबंधन द्वारा डिमांड डालकर गाड़ियां मंगवाई जाती हैं, लेकिन यहां पहुंचने के बाद लंबे जाम का सामना करना पड़ता है। कई बार तो यह जाम दो-दो दिन तक चलता है। इस दौरान न तो ड्राइवर गाड़ी छोड़कर जा सकते हैं और न ही उन्हें खाने-पीने की पर्याप्त सुविधा मिलती है। एक ड्राइवर ने अपनी व्यथा साझा करते हुए कहा कि उनके पास सिर्फ टीन की छत है, जो बारिश से तो बचा सकती है, लेकिन इस कड़कती ठंड में यह बिलकुल भी मददगार नहीं है। कई बार हमें बिना खाना खाए भी रहना पड़ता है।

यह समस्या केवल ठंड तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साल भर चलती रहती है। ड्राइवरों का कहना है कि इस समस्या का समाधान जल्द निकाला जाना चाहिए। प्लांट प्रबंधन को जाम की स्थिति को नियंत्रित करने और ड्राइवरों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कदम उठाने की जरूरत है। जाम की वजह से न केवल ट्रक ड्राइवर परेशान हैं, बल्कि यह स्थिति स्थानीय लोगों के लिए भी मुसीबत बन गई है। अब देखना यह है कि इस समस्या का समाधान कब और कैसे होगा।

सीमेंट प्लांट को जाती सड़क में ट्रकों का जाम।

सोलन में 18 से होगा श्री राम कथा का आयोजन

अनंत ज्ञान, सोलन

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा सोलन में 18 से 24 दिसंबर तक श्री राम कथा का भव्य आयोजन शर्मा कांप्लेक्स जोनाजी रोड सोलन में किया जा रहा है, जिसका समय दोपहर 2 से सायं 5 बजे तक रहेगा।

जानकारी देते हुए संस्था के आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी धीरानंद ने बताया कि श्री राम कथा का वाचन करने के लिए कथा व्यास साध्वी सुश्री जयंती भारती जी होंगे, जो प्रतिदिन प्रभु भगतों को पावन श्री राम कथा सुनाकर कृतार्थ करेंगी। कथा के उपलक्ष्य में 17 को सुबह 10 बजे मां शूलिनी माता मंदिर से मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो गंज बाजार, अपर बाजार, माल रोड, पुराना बस स्टैंड और जोनाजी रोड होते कथा स्थल पहुंचेगी। स्वामी धीरानंद ने बताया कि सेवादारों के द्वारा श्री राम कथा का निमंत्रण घर-घर पहुंचाया जा रहा है। शहर के सभी धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक संगठनों को श्री राम कथा से जोड़ा जा रहा है। शहर के सभी राम भगतों में श्री राम कथा श्रवण करने को लेकर अपार उत्साह दिखाई दे रहा है। स्वामी ने कहा कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य प्रभु भगति है इसलिए श्री राम कथा में पहुंचकर प्रभु राम के आदर्शों को जीवन में धारण करें।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के सदस्य श्री राम कथा का पोस्टर लांच करते हुए।

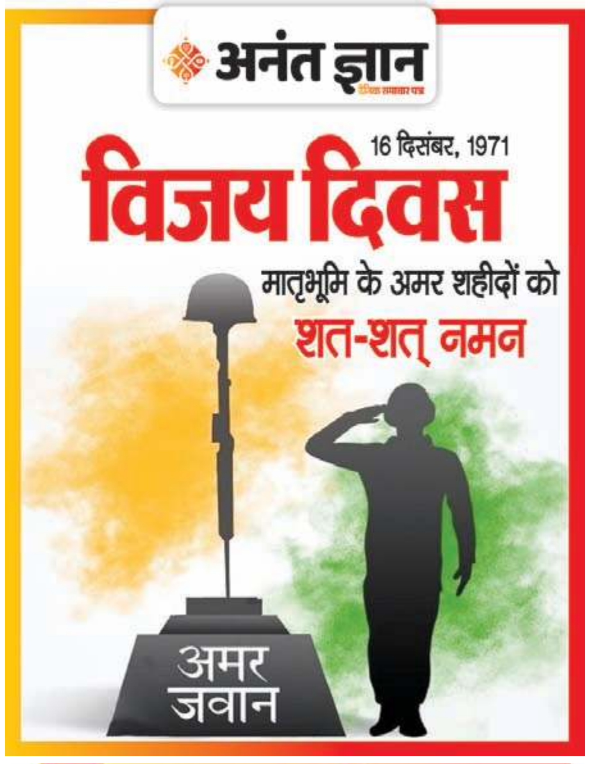

चंडीगढ़ में मेयर चुनाव को लेकर भाजपा के सभी पार्षद एकजुट : अतुल गर्ग

चंडीगढ़ भाजपा प्रभारी ने पार्षदों और पदाधिकारियों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

चंडीगढ़ भाजपा प्रभारी और गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने आज आगामी मेयर चुनाव को लेकर पार्टी के पार्षदों और पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में पार्टी की संगठनात्मक ताकत और रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में अतुल गर्ग ने स्पष्ट किया कि भाजपा के सभी 15 पार्षद मेयर चुनाव के लिए पूरी तरह से एकजुट हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि चुनाव के दौरान भाजपा पार्षद हाउस में एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए पार्टी की नीति और सिद्धांतों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के पार्षद चंडीगढ़ में विकास और पारदर्शिता की नीति के प्रति प्रतिबद्ध हैं, और यह चुनाव जनता के विश्वास को और मजबूत करने का अवसर है। इस अवसर पर चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा और हिमाचल प्रदेश भाजपा के प्रभारी संजय टंडन भी मौजूद रहे।

पार्टी के पार्षदों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते चंडीगढ़ भाजपा प्रभारी सांसद अतुल गर्ग।

उन्होंने भी पार्षदों को पार्टी की एकजुटता बनाए रखने और चुनाव के दौरान अनुशासन और समर्पण के साथ काम करने का आह्वान किया। इस दौरान सभी पार्षदों ने पार्टी की नीतियों और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का वादा किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने के लिए पूरी ईमानदारी और मेहनत से काम करेंगे। पार्षदों ने पार्टी के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कही। बैठक के दौरान मेयर चुनाव से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और रणनीतियां तय की गईं। पार्टी पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य चंडीगढ़ के विकास को नई दिशा देना है और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। (अनंत ज्ञान)

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी, चंडीगढ़

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल और उनके कार चालक कुलबीर को शनिवार को राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में बताया गया कि एसीबी की टीम ने कुलबीर को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

इसमें ब्यूरो के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया कि एसीबी की टीम को शिकायत मिली थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया था कि वह एक शिक्षक है और उसकी शादी झज्जर जिले के एक गांव में रहने वाली लड़की से हुई थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी पत्नी हरियाणा पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत है।

व्यक्ति ने एसीबी को दी अपनी शिकायत में कहा कि शादी के बाद पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया जिसके बाद पत्नी ने 25 नवंबर को हरियाणा महिला आयोग में उसके खिलाफ अर्जी दी। प्रवक्ता ने कहा कि इसके बाद सोनिया अग्रवाल ने पीड़ित को अलग-अलग तारीखों पर मिलने के लिए बुलाया और इस दौरान अग्रवाल के चालक कुलबीर ने मामले को निपटाने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगी।

बयान के अनुसार, 'सोनिया अग्रवाल ने 12 दिसंबर को शिकायतकर्ता से मामले को निपटाने के लिए अपने कार चालक कुलबीर को एक लाख रुपए की रिश्वत देने को कहा। 14 दिसंबर को कुलबीर ने शिकायतकर्ता से हिसार में एक लाख रुपए की रिश्वत देने को कहा।'

न्यूज ब्रीफ

अंडर-21 क्रिकेट टूर्नामेंट 2 जनवरी से

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। प्रथम स्वर्गीय रतन लाल कटारिया (भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री और अंबाला निर्वाचन क्षेत्र के सांसद) मेमोरियल बॉयज अंडर -21 लीग कम नॉकआउट आधार क्रिकेट टूर्नामेंट 2 जनवरी से शुरू होगा। पहला संस्करण बाबा बालक नाथ क्रिकेट ग्राउंड, कैंबवाला, क्रिकेट इंस्टीट्यूट ग्राउंड, कैंबवाला, चंडीगढ़ और टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के भाग लेने वाली 10 टीमों को 2 पूल में विभाजित किया जाएगा और प्रत्येक टीम 40 ओवर के न्यूनतम चार लीग मैच खेलेगी। प्रत्येक पूल की शीर्ष 2 टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और फाइनल 45 ओवर का होगा जबकि लीग मैच 40 ओवर का होगा।

रेलगाड़ी में लूट के पांचों आरोपी गाजियाबाद से गिरफ्तार

ऋषिकेश (उत्तराखंड)। हरिद्वार और ऋषिकेश के बीच मोतीचूर के पास एक सवारी रेलगाड़ी में शुक्रवार रात हथियार का भय दिखाकर की गई लूटपाट के पांचों आरोपियों को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की हरिद्वार इकाई ने रविवार को गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक अनुज सिंह ने बताया कि आरोपियों से लूट का माल तथा वारदात में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि फिरोजाबाद जिले के महावीर नगर निवासी प्रभव शुक्ला ने रेलगाड़ी में लूट की घटना को लेकर तहरीर दी थी जिस पर कार्रवाई करते हुए जीआरपी थाना हरिद्वार ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो अपराध के सुराग मिले। गिरफ्तार आरोपियों में अंश शर्मा, दीपक शर्मा, प्रदीप पाल, विवेक भाटी एवं सागर शामिल हैं ।

पंजाब और हरियाणा में शीतलहर जारी

चंडीगढ़। हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में रविवार को भी शीतलहर जारी रही। फरीदकोट में न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब में फरीदकोट सबसे ठंडा स्थान रहा। आंकड़ों के अनुसार, पंजाब के पठानकोट में न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुरदासपुर में 2.8 डिग्री और बठिंडा में 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके मुताबिक, अमृतसर में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस, लुधियाना में 7.8 डिग्री सेल्सियस और पटियाला में 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा के करनाल में न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जबकि हिसार और भिवानी में न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संभल में अतिक्रमण के खिलाफ चला बुलडोजर

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। रविवार को सड़क किनारे अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया है। जिले में कई स्थानों पर हो रहे अवैध निर्माण को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि अवैध निर्माण पर चाबुक चलाने के संकेत प्रशासन पिछले कई दिनों से दे रहा रहा था। उसी क्रम में शनिवार से यह कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सुधरने के बाद भी खराब हो रही है। रविवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 257 रहा जो 'खराब' श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बेहद खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में सुबह न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। राजधानी में इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस वीरवार को दर्ज किया गया था।

ग्वालियर में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, चार की मौत

ग्वालियर (मप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में एक भैंस को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। घाटीगांव थाने के प्रभारी जीवनलाल माहौर ने कहा कि सहरिया आदिवासी समुदाय के 31 लोग जड़ी-बूटी इकट्ठा करने के लिए पाई खो गांव के जंगल में गए थे, जब वे कैत गांव लौट रहे थे तो तिलावली चौराहे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई।

छत्तीसगढ़ में आईईडी विस्फोट, जवान घायल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में रविवार को बड़ा हादसा हुआ है। नक्सलियों के लगाए गए एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को बीएसएफ टीम निष्क्रिय करने की कोशिश कर रही थी। तभी विस्फोट होने से एक जवान घायल हो गया। कांकेर एसपी इंदिरा कल्याण एलेसेला ने बताया कि आईईडी डिफ्यूज करते वक्त हुआ ब्लास्ट हुआ। बीएसएफ जवान बी. ईश्वर राव के हाथ और चेहरे पर चोटें आई हैं। जवान का उपचार जारी है।

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिलों में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस ने बताया कि जब्त हथियारों में एक असॉल्ट राइफल, एकनाली बंदूक और हथगोले शामिल हैं। केराओ खुनौ इलाके में तलाशी अभियान के दौरान यह बरामदगी की गई। खुनखो कुकी गांव में एक अन्य अभियान में राइफलें और 49 कारतूस जब्त किए गए।

सूद सभा चंडीगढ़ ने मनाया 66वां स्थापना दिवस

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

सूद सभा चंडीगढ़ अपना वार्षिक सूद मिलन दिवस हर साल की भांति मान रही है। इसी कड़ी में पिछले हफ्ते यानी 8 दिसंबर 2024 को फैमिली फन-डे मनाया गया था तथा आज 14 दिसंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई थी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूद सभा के प्रधान अश्वनी सूद ने बताया कि 14 दिसंबर 1959 को सूद सभा की स्थापना हुई थी तथा इसी संदर्भ में आज उसकी स्थापना दिवस, हवन कर के मनाया गया, जिसमें सूद सभा के सभी पेट्रन्स वी के सूद, अश्विनी डोगर, शशि भूषण सूद, उमेश सूद, सभा के जनरल सेक्रेटरी सुधीर सूद, फाइनेंस सेक्रेटरी खुशविंदर सूद तथा सभी पदाधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने हवन में आहूति डालकर सूद सभा के फाउंडिंग मेंबर्स तथा अपने पूर्वजों को याद किया।

पत्रकार शनाया भाजपा में शामिल

डेरा बस्सी। राम मंदिर डेरा बस्सी में भाजपा के सीनियर नेता एसएमएस संधु द्वारा बीजेपी के कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व मंत्री रानी परनीत कौर लोकसभा चुनाव में डेरा बस्सी से जीत दिलाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं और डेराबस्सी वासियों का आभार व्यक्त करने पहुंची।

डेरा बस्सी से पत्रकार शनाया अहम ने बीजेपी में शामिल होकर राजनीति में पहला कदम रखा। रानी परनीत कौर और एसएमएस संधु ने शनाया अहम को बीजेपी में शामिल किया और राजनीति में उनके बेहतर करियर की शुभकामनाएं दी।

रानी परनीत कौर ने शनाया अहम का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि पार्टी को युवा लोगों की जरूरत है और पार्टी में उनका स्वागत है।

ऋषि ब्रदर्स टी-20 का खिताब सहगल क्रिकेट क्लब ने जीता

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

ऋषि ब्रदर्स टी-20 ओपन चंडीगढ़ क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 का समापन शानदार तरीके से हुआ। सहगल क्रिकेट क्लब, दिल्ली ने टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मैच सहगल क्रिकेट क्लब, दिल्ली और सिकंदर सुपर किंग्स, पंजाब के बीच खेला गया। सहगल क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। सिकंदर सुपर किंग्स ने बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सहगल क्रिकेट क्लब ने 120 रन बनाकर 5 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

टूर्नामेंट में सुल्तान अंसारी को मैन ऑफ सीरीज और बेस्ट बैटमैन का खिताब दिया गया, जबकि प्रिंस यादव को मैन ऑफ द मैच और बेस्ट बॉलर के पुरस्कार से नवाजा गया। विजेता टीम सहगल क्रिकेट क्लब को 1 लाख रुपए नकद और ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता सिकंदर सुपर किंग्स को 50,000 रुपए नकद और ट्रॉफी प्रदान की गई। टूर्नामेंट के समापन समारोह में मार्कफेड, पंजाब के डायरेक्टर और वेरका मिल्क प्लांट के चेयरमैन गुरभेज सिंह टिब्बी और लिंक एग्रो के मालिक अंग्रेज विर्क मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इनके साथ टूर्नामेंट के आयोजक सचिन ऋषि, राजीव ऋषि, नरेंद्र पाल, आदित्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

देश-विदेश

2026 से पहले छत्तीसगढ़ से पूरी तरह खत्म होगा नक्सलवाद : शाह

एजेंसी, रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने पिछले एक साल में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर 31 मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म कर देंगी।

शाह ने पुलिस परेड मैदान में 'राष्ट्रपति पुलिस कलर अवार्ड' समारोह को संबोधित करते हुए नक्सलवाद से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति की सराहना की और नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का अनुरोध किया। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी तथा अपने कर्तव्य से कभी पीछे नहीं हटेगी। मुझे विश्वास है कि कल से जब छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान अपनी वर्दी पर यह प्रतीक चिह्न लगाकर निकलेंगे तब उनका मनोबल कई गुना बढ़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त हो जाएगा तो पूरा देश इस समस्या से निजात पा लेगा। पिछले एक साल में छत्तीसगढ़ पुलिस ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य में पिछले एक साल में 287 नक्सलियों को ढेर किया गया, 1,000 को गिरफ्तार किया गया और 837 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

यूनान में नौका डूबने से पांच शरणार्थियों की मौत, कई लापता

एथेंस। ग्रीस में क्रेते द्वीप के दक्षिण में शरणार्थियों को ले जा रही नौका डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई लोग लापता हैं। तट रक्षक बल ने बताया कि चार खोज एवं बचाव अभियानों में 200 से अधिक लोगों को बचाया गया। तट रक्षक बल के अनुसार चार अभियान शुक्रवार देर रात शुरू हुए, जिसमें से एक अब भी जारी है। 39 लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें क्रेते ले जाया गया। इस दौरान जलक्षेत्र से पांच शव बरामद किए गए। सुरक्षित बचाए गए लोगों ने बताया कि उनकी नौका में बड़ी संख्या में लोग सवार थे। तट रक्षक बल ने बताया कि नौ जहाज व दो हेलिकॉप्टर की मदद ली जा रही है।

इसराइल ने किए सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले तेज

एजेंसी, दमिश्क

इसराइल ने सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में 24 हवाई हमले किए गए हैं। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में टारगेटेड एरिया में पहाड़ी ढलान पर बने सुरंगनुमा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया।

नवीनतम हमलों के साथ ही 8 दिसंबर को सीरियाई सरकार के पतन के बाद से सीरियाई क्षेत्र पर इसराइली एयर स्ट्राइक की कुल संख्या 426 हो गई है। ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, ये ऑपरेशन 13 सीरियाई प्रांतों में फैले हुए हैं। इसराइली अधिकारियों के अनुसार हवाई हमले पूरे देश में सीरियाई सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हमलों का उद्देश्य हथियारों को आतंकवादी तत्वों के हाथों में पड़ने से रोकना है।

बैंकिंग सिस्टम में बड़ा सुधार, 6 साल में एनपीए 8.5 प्रतिशत घटा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार के नीतिगत बदलावों के कारण भारत के बैंकिंग सिस्टम में बड़ा सुधार देखने को मिला है। बीते 6 साल से अधिक समय में शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों के ग्रॉस एनपीए में 8.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, देश के शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों का ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) जून 2024 तक कम होकर 2.67 प्रतिशत रह गया है, जो कि मार्च 2018 तक 11.18 प्रतिशत था। एसेट्स क्वालिटी में काफी सुधार आया है और इस कारण प्रोविजनल कवरेज रेश्यो (पीसीआर) जून 2024 तक सुधरकर 92.52 प्रतिशत हो गया है, जो कि मार्च 2015 में 49.51 प्रतिशत था। एनपीए वह लोन है जिसने बैंकों के लिए एक निश्चित अवधि के लिए मूल राशि पर आय या ब्याज पैदा नहीं की है।

बांग्लादेश आयोग का दावा: लोगों को गायब करने के पीछे शेख हसीना का हाथ

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से गठित एक जांच आयोग ने कहा कि उसे लोगों को कथित रूप से गायब किए जाने की घटनाओं में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके शासन के शीर्ष सैन्य एवं पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता के साक्ष्य मिले हैं।

इस पांच सदस्यीय आयोग ने मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को 'सत्य का खुलासा' शीर्षक से अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी, जिसके बाद यह बयान जारी किया गया। लोगों के लापता होने की घटनाओं की जांच के लिए गठित आयोग ने अनुमान लगाया है कि ऐसे मामलों की संख्या 3,500 से अधिक है। मुख्य सलाहकार (सीए) के कार्यालय की प्रेस शाखा ने शनिवार रात एक बयान में कहा कि आयोग को इस बात के सबूत मिले हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर लोगों को गायब किया गया।

पीएम सूर्य घर योजना को बड़ी कामयाबी, 6 .85 लाख से अधिक सोलर पैनल का इंस्टालेशन

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। इस योजना के तहत अब तक 6.85 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर पैनल का इंस्टालेशन हो चुका है। इस साल फरवरी में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 6,85,763 इंस्टालेशन हो चुका है जो पिछले 10 साल में हुए इंस्टालेशन का 86 प्रतिशत है।

योजना के तहत सबसे अधिक मांग 3-5 किलोवाट लोड सेगमेंट में रही, जो कुल इंस्टालेशन का 77 प्रतिशत है, जबकि 14 प्रतिशत इंस्टालेशन 5 किलोवाट से अधिक के सेगमेंट में हुए। गुजरात में सबसे ज्यादा इंस्टालेशन हुए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल का स्थान है। गुजरात में इस योजना के तहत 2,86,545 सोलर इंस्टालेशन किए गए हैं। महाराष्ट्र 1,26,344 इंस्टालेशन के साथ दूसरे स्थान पर है और उत्तर प्रदेश 53,423 इंस्टालेशन के साथ तीसरे स्थान पर है। अब तक लगभग 1.45 करोड़ पंजीकरण हो चुके हैं। योजना का लक्ष्य मार्च 2027 तक 1 करोड़ घरों को सोलर बिजली से जोड़ना है।

दिल्ली में डेरी फार्मों को प्रदूषण नियंत्रण सहमति लेने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने शहर में गोशालाओं और डेरी फार्मों को 15 दिनों के भीतर प्रदूषण नियंत्रण सहमति प्राप्त करने का निर्देश दिया है। डीपीसीसी ने निर्देशों का पालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। डीपीसीसी ने रविवार को एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर दिल्ली में 15 या उससे अधिक मवेशियों वाली सभी गोशालाओं और डेरी फार्मों तथा डेरी कॉलोनियों में संचालित सभी डेरियों को जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम-1974 और वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम- 1981 के तहत अनिवार्य सहमति के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया।

ट्रंप के खुफिया सलाहकार बोर्ड के प्रमुख होंगे डेविड न्युनेस

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल के सीईओ डेविन न्युनेस को राष्ट्रपति के खुफिया सलाहकार बोर्ड का प्रमुख नियुक्त किया है। न्युनेस इससे पहले अमेरिका में हाउस इंटेलिजेंस समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं।

उन्होंने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूसी हस्तक्षेप को लेकर हुए दावों पर बड़े खुलासे किए थे। बता दें कि 2020 में चुनाव के बाद कैपिटल हिल हिंसा मामले में जब ट्रंप को एक्स (तब ट्विटर) और मेटा समेत अधिकतर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने प्रतिबंधित कर दिया था, तब उन्होंने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की थी।

रिचर्ड ग्रेनेल होंगे विशेष अभियानों के दूत

डोनाल्ड ट्रंप ने लंबे समय तक विदेश नीति सलाहकार रहे रिचर्ड ग्रेनेल को विशेष अभियानों के लिए दूत नामित किया है। ग्रेनेल, ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान जर्मनी में राजदूत, सर्बिया और कोसोवो शांति वार्ता के लिए राष्ट्रपति के विशेष दूत और राष्ट्रीय खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

पिछले तीन साल मेरे करियर में सबसे कठिन रहे: स्टीवन स्मिथ

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ ने रविवार को कहा कि पिछले तीन साल उनके शानदार करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं क्योंकि उन्हें कूकाबुरा की नई गेंद से सामंजस्य बैठाने में परेशानी का सामना करना पड़ा है। कूकाबुरा ने 2020 में गेंद की सीम पर अतिरिक्त लैकर लगाना शुरू किया। लैकर किसी प्लास्टिक की परत जैसी होती है जो गेंद को सख्त बनाती है। इससे गेंद अधिक स्विंग होती है। स्मिथ को यहां भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपने 33वें शतक की राह में एक बार फिर इन सब चीजों से जूझना पड़ा। यह पिछले 18 महीनों में उनका पहला टेस्ट शतक था, जो उनके जैसे कद के बल्लेबाज के लिए बहुत लंबा अंतराल है।

10 गेंदें का खेल कम होने से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को नुकसान

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा टेस्ट के बारिश से प्रभावित पहले दिन के लिए बेचे गए टिकटों पर पूरा रिफंड देने के लिए मजबूर होने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को एक मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 5.4 करोड़ रुपए) का नुकसान होगा। तीसरे टेस्ट के पहले दिन बारिश के कारण केवल 13.2 ओवर फेंके गये। मैच के पहले दिन के सभी टिकट बिक गए थे। मैदान पर पहुंचे प्रशंसकों को एक नियम के कारण लाभ होगा जिसके अंतर्गत उन्हें एक दिन के खेल के दौरान 15 से कम ओवर फेंके जाने पर टिकटों का पूरा पैसा वापस मिलेगा। इसका मतलब है कि अगर 10 गेंद और फेंक दी गई होती तो सीए को एक मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक का पैसा वापस नहीं करना पड़ता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि 30,145 प्रशंसकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा क्योंकि 15 ओवर से कम का खेल पूरा हुआ था।

विवादास्पद चुनावों में बृजिंदर निर्विरोध आईजीयू अध्यक्ष चुने

नई दिल्ली। बृजिंदर सिंह को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान लगातार दूसरी बार भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) का अध्यक्ष चुना गया। साल 2024 से 2026 के कार्यकाल के लिए आईजीयू पदाधिकारियों और संचालन परिषद के चुनाव निर्विरोध हुए क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या उपलब्ध पदों के बराबरी थी। सिंह अध्यक्ष पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे, जबकि एस के शर्मा और संजीव रतन क्रमशः सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। संचालन समिति के लिए चुने गए नौ सदस्यों में फरजान आर हीरजी (झारखंड), हरपुनीत सिंह संधू (चंडीगढ़), हरीश कुमार (उत्तराखंड), नागेश सिंह (असम), डॉ परम नवदीप सिंह (राजस्थान), समीर सिन्हा (गुजरात), शशांक संदू (महाराष्ट्र), सिमरजीत सिंह (उत्तर प्रदेश), और वीरेन सिंह घुम्मन (पंजाब) है।

मुंबई ने दूसरी बार जीती सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

मुंबई। मुंबई ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब जीता। मध्य प्रदेश ने रजत पाटीदार की 81 रनों की दमदार पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 13 गेंदों के शेष रहते पांच विकेट से जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम कर लिया। मुंबई ने दूसरी बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की है। इससे पहले मुंबई ने अजिंक्या रहाणे के नेतृत्व में 2022/23 में खिताब अपने नाम किया था।

फिल्मों में अभिनय कर चूकी ज्वाला गुट्टा

नई दिल्ली। भारत की 5 फीट 10 इंच की बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा युगल में माहिर हैं। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्वाला को उनकी खुबसूरती की वजह से फिल्मों में अभिनय करने का मौका भी मिल चुका है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी | जसप्रीत बुमराह ने 25 ओवर में 72 रन देकर झटके पांच विकेट, सिराज-नीतिश को एक-एक विकेट

हेड-स्मिथ के शतकों से ऑस्ट्रेलिया 400 पार

33 वां टेस्ट शतक लगाया स्मिथ ने

26 पारियों के बाद शतक पूरा किया स्मिथ ने

09 वां टेस्ट शतक लगाया हेड ने

241 रनों की साझेदारी चौथे विकेट के लिए स्मिथ-हेड ने की

12 वीं बार पारी में पांच विकेट

जसप्रीत बुमराह

एजेंसी, ब्रिस्बेन

शानदार लय में चल रहे ट्रेविस हेड (152) और दिग्गज स्मिथ स्मिथ (101) की शतकीय पारियों और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 241 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में रविवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक सात विकेट पर 405 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। जसप्रीत बुमराह ने गेंद से कमाल करना जारी रखते हुए 25 ओवर में 72 रन देकर पांच विकेट लिए।

दिन का खेल खत्म होते समय एलेक्स कैरी 45 और मिशेल स्टॉर्क सात रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। सीरीज में अपना पहला मैच खेल रहे आकाश दीप ने भी अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। नीतिश कुमार रेड्डी और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती सत्र में प्रभावी प्रदर्शन किए, लेकिन हेड के क्रीज पर आने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र में बिना विकेट गंवाए 27 ओवर में 130 रन जोड़ कर वापसी की। चाय के विश्राम के बाद हेड और स्मिथ ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन जुटाए।

कप्तान रोहित शर्मा ने दिन की आखिरी सत्र में रवींद्र जडेजा और रेड्डी से गेंदबाजी करना शुरू किया। क्रीज पर समय बिता चुकी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को उनके खिलाफ बड़े शॉट खेलने में कोई परेशानी नहीं हुई। इस दौरान रोहित ने रेड्डी की गेंद पर हेड का मुश्किल कैच टपका कर जीवन दान भी दिया। हेड इस समय 112 रन पर खेल रहे थे।

स्मिथ ने पारी के 82वें ओवर में आकाश दीप के खिलाफ चौका लगाने के बाद एक रन दौड़कर पिछली 26 पारियों में अपना पहला सैकड़ा पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके जड़े। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 33वां शतक है। वह स्टीव वॉ (32) को पीछे छोड़कर रिकी पोंटिंग (41) के बाद ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

स्मिथ अब जो रूट के साथ भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सर्वाधिक टेस्ट शतक (10) लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज बन गऐ हैं। उनके बाद सर विवियन रिचर्ड्स और सर गारफील्ड सोबर्स (आठ-आठ शतक) हैं।

सिराज पर निशाना साधने पर गावस्कर ने की ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' की आलोचना

भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने एडीलेड टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ विवाद में मोहम्मद सिराज पर निशाना साधने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' के दोहरे चरित्र की आलोचना की है। हेड ने शतक पूरा करने के बाद डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया, जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था। हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की' लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस दावे से इनकार किया। गावस्कर ने कहा, ''सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के 'पंडितों' से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है। इससे ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक नाराज हो सकते हैं कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया।'' गावस्कर ने दोहरे चरित्र पर कटाक्ष किया कि कैसे यही लोग अपने खिलाड़ियों के असभ्य व्यवहार का समर्थन करते हैं।उन्होंने कहा, '' यह लोग हालांकि अगले सत्र में एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के किसी तेज गेंदबाज की इंग्लैंड के बल्लेबाज के खिलाफ इस तरह की हरकत का समर्थन करेंगे।''

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	रन	गेंद	4/6
ख्वाजा क. पंत ब. बुमराह	21	54	3/0
मैकस्वीनी क. कोहली ब. बुमराह	09	49	1/0
लाबुशेन क. कोहली ब. नीतिश	12	55	0/0
स्टीवन क. रोहित ब. बुमराह	101	190	12/0
हेड क. पंत ब. बुमराह	12	160	18/0
मार्श क. कोहली ब. बुमराह	05	16	0/0
कैरी (नाबाद)	45	47	5/1
कमिंस क. पंत ब. सिराज	20	33	1/0
स्टॉर्क (नाबाद)	07	07	0/0
अतिरिक्त	33		
कुल : (101 ओवर)	405/7		

विकेट पतन : 1-31, 2-38, 3-75, 4-316, 5-326, 6-327, 7-385., **गेंदबाजी :** बुमराह 25-7-72-5, सिराज 22.2-4-97-1, आकाश दीप 22.4-5-78-0, नीतिश 13-1-65-1, जडेजा 16-2-76-0.

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय महिला टीम का चुनौतीपूर्ण स्कोर

एजेंसी, नवी मुंबई

स्मृति मंधाना (54 रन) और जेमिमा रौड्रिग्स (नाबाद 56) के अर्धशतकों की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज के पहले टी-20 में 18 ओवर में 3 विकेट खोकर 169 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज उमा छेत्री ने 24 रनों की पारी खेली

वेस्टइंडीज के कप्तान हेली मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 28 साल तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर को टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कराने का फैसला किया। टी-20 विश्व कप के बाद यह भारत का देश में पहला मैच है। भारत को इससे पहले ऑस्ट्रेलिया से तीन मैच की वनडे सीरीम में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

विश्व एथलेटिक्स 'कॉन्टिनेंटल टूर' कार्यक्रम की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत अगले साल 10 अगस्त को भुवनेश्वर में अपने पहले विश्व एथलेटिक्स 'कॉन्टिनेंटल टूर' कार्यक्रम (कांस्य स्तर की वैश्विक प्रतियोगिता) की मेजबानी करेगा। यह जानकारी राष्ट्रीय महासंघ ने रविवार को दी।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2025 के प्रतियोगिता कैलेंडर को जारी करते हुए यह घोषणा की। 'कॉन्टिनेंटल टूर' विश्व एथलेटिक्स के तत्वावधान में आयोजित ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं की एक वार्षिक श्रृंखला है। यह प्रतिष्ठित डायमंड लीग के बाद अंतरराषट्रीय एक दिवसीय मीट का दूसरा स्तर है।

विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर की प्रतियोगिता केवल उसी स्टेडियम में आयोजित की जा सकती है जिसमें कम से कम 3000 लोगों के बैठने की क्षमता हो और कम से कम छह लेन वाला क्लास दो का प्रमाणित ट्रैक हो।

बिलासुपर में मास्टर गेम्स का समापन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर में चल रही दो दिवसीय मास्टर गेम्स का रविवार को विधिवत समापन कर दिया गया। प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने बतौर मुख्यतिथि इसमें शिरकत की। उन्होंने मास्टर गेम्स एसोसिएशन को बिलासपुर में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता करवाने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

राजेश धर्माणी ने कहा कि सरकार पूरे प्रदेश में एक समान विकास करवाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। बिलासपुर को सरकार द्वारा टूरिज्म का हब बनाने का प्रयास किया जा रहा है और आने वाले समय में बिलासपुर राष्ट्रीय ही नहीं अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने बताया कि

कुल्लू मनाली जाने वाले टूरिस्ट को रोकने के लिए मंडी भराड़ी फोरलेन और औहर में वे साइड अमेनिटीज तैयार की जा रही हैं जिससे पर्यटकों को सुविधाएं मिलेंगी।

मास्टर गेम्स एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष विनोद शर्मा ने राज्य सरकार से मांग की कि मास्टर गेम्स को हिमाचल प्रदेश की खेल नीति में शामिल किया जाए ताकि मास्टर खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा का प्रोत्साहन मिल सके।

उन्होंने मांग की कि अन्य राज्यों की तर्ज पर हिमाचल में भी सरकार मास्टर खिलाड़ियों को भीप्रोत्साहन राशि प्रदान करे।

सोनम-कामिलिनी ने अंडर-19 महिला ट्वेंटी-20 एशिया कप में भारत को पाकिस्तान पर जीत दिलाई

एजेंसी, कुआलालंपुर

भारत ने स्पिनर सोनम यादव के चार विकेट और जी कामिलिनी की उम्दा बल्लेबाजी से अंडर-19 महिला टी-20 एशिया कप के ग्रुप-ए मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को नौ विकेट से हरा दिया। बाएं हाथ की 17 वर्षीय स्पिनर सोनम ने छह रन पर चार विकेट लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 20 ओवर में सिर्फ सात विकेट पर 67 रन पर रोक दिया। भारत ने इसके जवाब में कामिलिनी की 29 गेंद में 44 रन की नाबाद पारी की बदौलत 7.5 ओवर में एक विकेट पर 68 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे पाकिस्तान की

केवल दो खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज कोमल खान (24) और फातिमा खान (11) ही दोहरे अंक तक पहुंची सकी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय सलामी बल्लेबाज त्रिशा गोंगडी भी खाता खोले बिना पवेलियन लौट गईं जिसके बाद कामिलिनी और सानिका चालके (नाबाद 19) ने दूसरे विकेट के लिए 67 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी।

क्रिकेट | इंग्लैंड को 143 रन समेटने के बाद कीवी टीम ने 340 रन की बढ़त कायम की

इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड मजबूत स्थिति में

एजेंसी, हैमिल्टन

मैट हेनरी (48 रन पर चार विकेट), विलियम ओ'राउरकी (33 रन पर तीन विकेट) और मिशेल सेंटनर (सात रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज के आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को यहां इंग्लैंड की पहली पारी को 143 रन पर समेटने के बाद दूसरी पारी में तीन विकेट पर 136 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इससे पहले न्यूजीलैंड की पहली पारी 347 रन पर सिमटी थी।

पहली पारी में 204 रन की बढ़त हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के पास अब 340 रन की बढ़त है और उसके सात विकेट शेष है। दूसरे दिन स्टंप्स से ठीक पहले दिग्गज केन विलियम्सन (50) ने अपना 38वां अर्धशतक पूरा किया। क्रीज पर उनके साथ रचिन रवींद्र (दो) मौजूद है। हेनरी और

ओ'राउरकी ने 82 रन तक इंग्लैंड की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया था। कप्तान बेन स्टोक्स (27) और ओली पोप (24) ने छठे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी कर मैच में वापसी की कोशिश की।

सेंटनर ने हालांकि तीन रन के अंदर दोनों को चलता किया जिससे इंग्लैंड ने 10 रन के अंदर आखिरी के पांच विकेट गंवा दिए। टीम के लिए जो रूट ने सबसे ज्यादा 32 रन का योगदान दिया। इससे पहले

38 वां अर्धशतक पूरा किया केन विलियम्सन ने

न्यूजीलैंड ने 9 विकेट पर 303 रन से आगे से दिन की शुरुआत की। सेंटनर (76) और ओ'राउर की की आखिरी जोड़ी ने दिन की शुरुआत में 15 ओवर से ज्यादा बल्लेबाजी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों को परेशान किया। शुरूआती नौ टेस्ट में महज 13 रन बनाने वाले ओ'राउरकी ने इस दौरान गस एटकिंसन के खिलाफ अपने करियर का पहला चौका जड़ा। मैथ्यू पॉट्स ने इस साझेदारी को तोड़कर न्यूजीलैंड की पारी को 347 रन पर खत्म किया। सेंटनर और ओ'राउरकी ने 44 रन की साझेदारी की। ओ'राउरकी ने इसके बाद इंग्लैंड की पहली पारी को 35.5 ओवर में समेटने में अहम योगदान दिया।

ला लिगा : रीयाल मैड्रिड को रेयो वैलेकैनो ने बराबरी पर रोका

एजेंसी, बार्सीलोना

रेयो वैलेकैनो ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग (ला लिगा) के रोमांचक मुकाबले में रीयाल मैड्रिड को 3-3 की बराबरी पर रोक दिया। रीयाल मैड्रिड के पास इस मुकाबले को जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका था, लेकिन रेयो वैलेकैनो ने उसे बराबरी पर रोककर ऐसा नहीं होने दिया।

रेयो ने उनाई लोपेज और अब्दुल मोमिन के सफल प्रयास से मैच के 36वें मिनट तक दो गोल की बढ़त से रीयाल मैड्रिड को चौका दिया। मध्यांतर से पहले फेडरिको वाल्वरडे और जूड बेलिंगहैम के गोल से मैड्रिड की टीम वापसी करने में सफल रही। मैड्रिड ने 56वें मिनट में रोड्रिगो के गोल से पहली बार मैच में बढ़त हासिल की, लेकिन इसके आठ मिनट के बाद इसि पलाजोन ने बराबरी का गोल दाग कर स्कोर 3-3 कर दिया। मैड्रिड की टीम इस मैच में अपने चोटिल स्टार स्ट्राइकर

कीलियान एमबाप्पे के बिना मैदान पर उतरी थी। रीयाल मैड्रिड अंक तालिका में बार्सीलोना से एक अंक से पिछड़कर दूसरे स्थान पर है।